प्रतिवेदन

गौर उत्सव

20-26 नवम्बर 2022

डॉक्टर हरीसिंह गौर (केन्द्रीय) विश्वविद्यालय, सागर (मध्यप्रदेश)

सम्माननीय महोदया/महोदय,

हर्ष का विषय है कि डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक, महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य दानवीर **डॉ. सर हरीसिंह गौर** की **153वीं जयन्ती** 20-26, नवम्बर 2022 तक **गौर उत्सव** समारोह के रूप में आयोजित की जा रही है।

रविवार, 20 नवम्बर 2022

टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच

ग्रुप-ए

विश्वविद्यालय शिक्षक/अधिकारी/कर्मचारी एकादश

बनाम

सम्बद्ध महाविद्यालय एकादश

स्थान - अब्दुल गनी खान स्टेडियम

समय - प्रातः 10:00 बजे

महिला खेलकूद प्रतियोगिता

विश्वविद्यालय महिला शिक्षक/महिला अधिकारी/महिला कर्मचारी/महिला क्लब के सदस्यों हेतु

स्थान - अब्दुल गनी खान स्टेडियम

समय - प्रातः 11.00 बजे

सोमवार, 21 नवम्बर 2022

टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच

ग्रुप-बी

सागर एडव्होकेट एकादश

बनाम

सागर पत्रकार एकादश

स्थान - अब्दुल गनी खान स्टेडियम

समय - प्रातः 11:00 बजे

युवा उत्सव

सम्बद्ध महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम

मुख्य अतिथि

माननीय प्रहलाद सिंह पटेल

केन्द्रीय राज्यमंत्री, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, भारत सरकार

कार्यक्रम स्थल - स्वर्ण जयन्ती सभागार

समय - प्रातः 11:30 बजे

मंगलवार, 22 नवम्बर 2022

विद्यालयीन सांस्कृतिक कार्यक्रम

केन्द्रीय विद्यालय क्र. 4 के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुति

कार्यक्रम स्थल - केन्द्रीय विद्यालय क्र.4, वि.वि. परिसर

समय - प्रातः 10 बजे

टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच फायनल

ग्रुप ए विजेता **बनाम** ग्रुप बी विजेता

स्थान - अब्दुल गनी खान स्टेडियम

समय - प्रातः 11:00 बजे

शनिवार, 26 नवम्बर 2022

गौर जयन्ती दिवस - तीनबत्ती कार्यक्रम

गौर प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं उद्‌बोधन

माननीया प्रो. नीलिमा गुप्ता

कुलपति, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

समय – प्रातः 8:30 बजे

कार्यक्रम स्थल : गौरमूर्ति, तीनबत्ती, सागर

गौर शोभा यात्रा

गौरमूर्ति, कटरा बाजार से विश्वविद्यालय परिसर

समय – प्रातः 9:00 बजे

गौर जयन्ती मुख्य समारोह

समयः प्रातः 11.00 बजे

कार्यक्रम स्थल : गौर प्रांगण

गौर अतिथि

माननीय प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह

उच्च शिक्षा सलाहकार, उत्तरप्रदेश सरकार
पूर्व अध्यक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली
पूर्व कुलपति, डॉक्टर हरीसिंह गौर वि.वि., सागर एवं बी.एच.यू., वाराणसी

अध्यक्षता

माननीय प्रो. बलवंत शांतिलाल जानी

कुलाधिपति, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

सारस्वत उद्‌बोधन

माननीया प्रो. नीलिमा गुप्ता

कुलपति, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

नैनो टेक भवन का लोकार्पण

विश्वविद्यालय परिसर

समय – अपरान्ह 3:00 बजे

सांस्कृतिक संध्या

(विश्वविद्यालय विद्यार्थियों द्वारा)

समय – सायं 6:30 बजे से 7:30 बजे

कार्यक्रम स्थल : गौर प्रांगण

उपरोक्त कार्यक्रमों में आपकी गरिमामयी उपस्थिति प्रार्थनीय है।

भवदीय

संतोष सोहगौरा

कुलसचिव (प्र.)

पत्रकार-वार्ता

डॉ. गौर हम सभी के हैं, सामूहिक संकल्प और सहयोग से उनके सपनों को साकार करेंगे: कुलपति

गौर जयन्ती के उपलक्ष्य में आयोजित 'गौर उत्सव' 2022 के संबंध में हुई पत्रकार- वार्ता

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 15 3वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 2 0 नवंबर से 26 नवंबर तक 'गौर उत्सव' 2022 का आयोजन किया गया है. इस संबंध में विश्वविद्यालय के अतिथि गृह के सम्मेलन कक्ष में आयोजित पत्रकार-वार्ता कार्यक्रम में

पत्रकारों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय सात दिनों तक विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. सागर शहर और विश्वविद्यालय परिवार अपने पितृ पुरुष की जन्म जयन्ती को मिल जुलकर उत्साहपूर्वक एक उत्सव के रूप में मनायेगा. उन्होंने कहा कि डॉ. गौर के संकल्प और सपनों को साकार करना हमारा दायित्व है. गौर उत्सव

को यादगार बनाने के उद्देश्य से पूरे सप्ताह कई अकादमिक-सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित की जायेंगी. इस बार मध्य प्रदेश शासन द्वारा गौर जयंती को **'सागर गौरव उत्सव'** के रूप में मनाया जा रहा है . जिसमें मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जी का भी कार्यक्रम प्रस्तावित है. उन्होंने **'गौर पीठ'** की स्थापना के संबंध में बातचीत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय पूरी तैयारी कर रहा है कि जल्द ही 'गौर पीठ' की स्थापना हो और इसमें डॉ. गौर के बहुआयामी व्यक्तित्व और कृतित्व के पर शोध एवं अनुसंधान हो. इसकी तैयारी चल रही है. डॉ गौर को भारत रत्न दिलाने संबंधी प्रयासों को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि हम लोग इसके लिए पूर्ण प्रयासरत हैं. सांस्थानिक, राजनीतिक और सामाजिक प्रयासों की एकजुटता से हम डॉ. गौर को देश का सर्वोच्च सम्मान दिलाने में हम जरूर सफल हो सकते हैं. उन्होंने कहा कि आजकल सोशल मीडिया का प्रचलन बढ़ गया है. हम सबका पूरा प्रयास है कि डॉ. गौर को चाहने वाले, जो देश-विदेश के विभिन्न हिस्सों में फैले हैं उन्हें भी वर्चुअल माध्यम से जुड़ने का मौका मिल सके. उन्होंने कहा कि यह केवल विश्वविद्यालय का ही आयोजन नहीं बल्कि पूरे सागर शहर का आयोजन है. उन्होंने कहा कि गौर उत्सव के विविध आयोजनों में शहर और विश्वविद्यालय से जुड़े प्रत्येक नागरिक का स्वागत और अभिनन्दन है और पत्रकार बंधुओं से अपेक्षा है कि मीडिया के माध्यम से डॉ. गौर जयन्ती के अवसर पर विभिन्न गतिविधियों का व्यापक प्रचार-प्रसार करें, उनके विचारों, कार्यों और सपनों को जन-जन तक पहुचाएं. यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी. गौर उत्सव आयोजन के मुख्य समन्वयक प्रो. सुबोध जैन ने सात दिवसीय आयोजन की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की. कार्यक्रम का संचालन मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल ने किया तथा आभार कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने ज्ञापित किया. इस अवसर पर सह समन्वयक प्रो. एस. के जैन, डॉ. पंकज तिवारी, डॉ. राकेश सोनी, डॉ. हिमांशु कुमार, माधव चंद्र तथा सागर शहर के सम्माननीय पत्रकार गण मौजूद रहे.

20 नवम्बर आयोजित कार्यक्रम

T-20 मैत्री क्रिकेट मैच ग्रुप - ए विश्वविद्यालय शिक्षक एकादश बनाम अधिकारी / कर्मचारी एकादश

गौर उत्सव का प्रारंभ वि०वि० खेल मैदान पर टी0 -20 मैत्री क्रिकेट मैच ग्रुप ए में विश्वविद्यालय शिक्षक/ अधिकारी / कर्मचारी

एकादश बनाम सम्बद्ध महाविद्यालय एकादश के बीच खेल हुआ। जिसमें सम्बद्ध महाविद्यालय विजयी हुआ। इसके पूर्व उद्घाटन समारोह में प्रो. पी.के. कठल के मुख्य आतिथ्य एवं प्रो. सुबोध जैन की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। समारोह में प्रो. आर. के. त्रिवेदी, प्रो. वी.आई.गुरु, प्रो.संजय जैन, डॉ उत्सव आनन्द एवं विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी , कर्मचारी एवं शारीरिक शिक्षा विभाग के समस्त स्टाफ उपस्थित रहें।

महिला खेल-कूद प्रतियोगिता-विश्वविद्यालय अधिकारी/महिला महिला शिक्षक/ महिला कर्मचारी एवं महिला क्लब के सदस्यों हेतु

महिला खेलकूद प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय महिला शिक्षक/अधिकारी एवं महिला क्लब के सदस्यों ने सहभागिता की। इसमें लेमन रेस, म्युनिक चेयर रेस, तिगड़ी रेस एवं डॉल बॉल प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। लेमन रेस में डॉ सुमन पटेल प्रथम, डॉ रश्मि

माथुर द्वितीय एवं श्रीमति सीमा उपाध्याय तृतीय स्थान पर रहीं। म्युजिकल रेस में श्रीमति ओमिका सिंह प्रथम, श्रीमति कांति पैकरा द्वितीय, श्रीमति सरोज आनन्द तृतीय स्थान पर रहीं। तिगड़ी रेस में डॉ.रश्मि सिंह एवं डॉ.नीलम थापा प्रथम, प्रो.अस्मिता

गलमिए एवं डॉ. संध्या पटेल द्वितीय स्थान पर रहे। डॉल बॉल में डॉ नवजोत कौर, डॉ.रितु यादव, डॉ.अंजली भागवत, डॉ.आफरोज बेगम, श्रीमति ओमिका सिंह, श्रीमति अमिता सोनी, श्रीमति नूतन शर्मा , डॉ. रेखा गर्ग सोलंकी, श्रीमति सरोज आनंद, डॉ.रत्ना शुक्ला का ग्रुप विजयी रहा।

21 नवम्बर आयोजित कार्यक्रम

विश्वविद्यालय सम्बद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम में दी अपनी प्रस्तुति

संकल्प का कोई विकल्प नहीं होता, इससे महानतम कार्य सिद्ध होते हैं- केंद्रीय राज्य मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल

डॉ. गौर के आदर्शों का अनुकरण कर हमारा योगदान ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि- कुलपति

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक सर डॉ. हरीसिंह गौर की 153 वीं जयंती के उपलक्ष्य में गौर उत्सव सप्ताह 2022 के दूसरे दिन विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम 'शुभारम्भ' आयोजित किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत ज्ञानदेवी सरस्वती एवं डॉ गौर प्रतिमा पर माल्यार्पण कर

सरस्वती वंदना के साथ हुई. वंदना की प्रस्तुति सुन्दरलाल श्रीवास्तव महाविद्यालय, मकरोनिया की छात्राओं द्वारा दी गई. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केन्द्रीय राज्यमंत्री माननीय प्रहलाद सिंह पटेल, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार , विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति प्रो .पी.के.कठल, सागर सांसद राजबहादुर सिंह , नगर विधायक शैलेन्द्र जैन , वरिष्ठ समाजसेवी सुशील तिवारी, गौर उत्सव के मुख्य समन्वयक प्रो. सुबोध जैन , महाविद्यालयीन विकास परिषद के संचालक प्रो.वी.आई गुरु , संबद्ध महाविद्यालय संघ अध्यक्ष डॉ.आशीष पटैरिया , विश्वविद्यालय के कुलसचिव संतोष सोहगौरा उपस्थित रहे. स्वागत भाषण डॉ सुशील गुप्ता, टाइम्स कॉलेज दमोह ने दिया.

विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति प्रो.पी.के. कठल ने विश्वविद्यालय के प्रगति को साझा करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय निरंतर अपने विकास के नए सोपान गढ़ रहा है. आने वाले समय में कई नए भवन बनकर तैयार होंगे जिससे

विद्यार्थियों को ज्यादा सुविधाएं प्राप्त होंगी. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से विश्वविद्यालय अपने पाठ्यक्रमों का निर्माण और

क्रियान्वयन कर रहा है. विश्वविद्यालय साप्ताहिक गौर उत्सव मना रहा है और साथ ही समूचा सागर शहर और बुंदेलखंड उनको नमन कर रहा है यह डॉ. गौर के प्रति लोगों की श्रद्धा और प्रेम ही है. उन्होंने कहा कि डॉ. गौर के आदर्शों पर हम नित दिन कार्य करें और अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दें. यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी.

मुख्य अतिथि केन्द्रीय राज्यमंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि डॉ. गौर ने कहा था कि राष्ट्र का धन कल-कारखाने, मशीनों के पुर्जे और सोना -चांदी नहीं है बल्कि जीवित मनुष्य ही राष्ट्र का असली धन हैं. उन्होंने कहा जिस प्रकार धरती प्रकृति प्रदत्त चीजों को संजोकर रखती है, सींचती है, संरक्षित रखती है उसी प्रकार उससे लाभान्वित होने वाले व्यक्ति का कर्तव्य है कि उसकी रक्षा करे और उसके विकास में अपना योगदान दे. डॉ. गौर द्वारा स्थापित इस विश्वविद्यालय के प्रति भी जनमानस और विशेष रूप से यहाँ पढने वाले छात्रों को का भी कर्तव्य है कि डॉ. गौर और उनके सपनों के संस्थान के प्रति सदैव कृतज्ञ रहें और इसको बनाए रखने के लिए अपना हर संभव योगदान दें. उन्होंने कहा कि डॉ. गौर ने बुंदेलखंड में गया का दीप जलाया. उनके भागीरथ प्रयास से यह विश्वविद्यालय स्थापित हुआ. उनके जैसा महादानी और महापुरुष हिन्दुस्तान में दूसरा नहीं है. उन्होंने कहा की शिक्षा का मतलब जिम्मेदारी स्वीकारना और उसे पूर्ण करना है. बिना शिक्षा के दुनिया की चुनौतियों का सामना नहीं किया जा सकता. जहां एक तरह दुनिया की महाशक्तियां युद्ध की रचना कर उसका सामना कर रही हैं वहीं भारत पूरे विश्व में शान्ति का सन्देश दे रहा है और सभी देश इस पर अमल कर रहे हैं. यही भारत की ताकत है. उन्होंने कहा कि 21वीं शताब्दी ज्ञान की शताब्दी है. नई शिक्षा नीति के माध्यम से संस्कार देने वाली और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का क्रियान्वयन किया जा रहा है. इसे दृढ़ मन और संकल्प के साथ लागू किया जाना चाहिए. बुंदेलखंड स्वतंत्रता के अमर शहीदों की धरती रही है. आज इतिहास फिर से लिखा जा रहा है. ऐसे अमर व्यक्तित्वों को याद रखने का यही तरीका है कि हम उनके द्वारा बताये गए मूल्यों और आदर्शों में से किसी एक आदर्श को अपने जीवन में अपना कर देखें और अपने संकल्प का मूल्यांकन करें. संकल्प का कोई विकल्प नहीं होता. संकल्प से महानतम कार्य सिद्ध हो जाते हैं और संकल्प व्यक्ति के अंतःकरण से ही निकलता है इसमें दूसरे का कोई सहयोग नहीं होता है.

सम्बद्ध महाविद्यालयों ने दी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति

कालबेलिया, कठपुतली नृत्य, भजन और देशभक्ति गीतों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोहा

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर से सम्बद्ध महाविद्यालयों बी.टी. इन्स्टीटयूट ऑफ एक्सीलेन्स मकरोनिया , सागर के विद्यार्थियों ने गणेश वंदना व देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया. टाइम्स कालेज दमोह के छात्र-छात्राओं ने कठपुतली नृत्य, समूह नृत्य

व एकल नृत्य प्रस्तुत किया. बी.के.पी. महाविद्यालय मालथौन के विद्यार्थियों ने मूक अभिनय, बी.टी. इन्स्टीटयूट ऑफ एक्सीलेन्स के विद्यार्थियों ने राजस्थान का प्रसिद्ध कालबेलिया नृत्य, राजीव लोचनाचार्य महाविद्यालय खुरई के विद्यार्थियों ने मराठी समूह नृत्य, बी.टी. इन्स्टीटयूट ऑफ एक्सीलेन्स महाविद्यालय एकल व समूह गायन, बी.के.पी. महाविद्यालय मालथौन के

विद्यार्थियों ने कालवेलिया डांस, ओम श्री महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने एकल गायन भजन, टाइम्स कालेज दमोह के विद्यार्थियों ने डॉ. गौर के जीवन पर संबंधित नाटिका, सुन्दरलाल श्रीवास्तव महाविद्यालय, बी.टी. इन्स्टीटयूट ऑफ एक्सीलेन्स, सुन्दरलाल श्रीवास्तव महाविद्यालय रजाखेड़ी सागर द्वारा कालबेलिया डांस, टाइम्स कालेज दमोह द्वारा पिता के व्यक्तित्व पर नृत्य एवं नाटिका, ओम श्री महाविद्यालय सदर सागर द्वारा एकल गायन भजन एवं समूह गायन, बी.टी. इन्स्टीटयूट ऑफ एक्सीलेन्स, एकल नृत्य शास्त्रीय, पं. भागीरथ विलगैया महाविद्यालय बीना द्वारा एकल नृत्य शास्त्रीय एवं डांस की प्रस्तुति दी. मंच का संचालन डॉ. अवनीश मिश्रा ने किया. संबंद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यकम धन्यवाद प्रस्ताव डॉ. राजू टंडन प्राचार्य बी. टी. आई. ई. सागर द्वारा किया गया.

सांस्कृतिक कार्यक्रम के पूर्व अतिथियों द्वारा गौर समाधि पर दी गई पुष्पांजलि

केन्द्रीय राज्यमंत्री माननीय प्रहलाद सिंह पटेल, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार ने गौर प्रांगण स्थित गौर समाधि पहुंचकर डॉ. हरीसिंह गौर को श्रद्धांजलि दी.

अधिवक्ता एकादश ने पत्रकार एकादश को 8 विकेट से हराकर फाइनल में किया प्रवेश

गौर उत्सव के दूसरे दिन अब्दुल गनी स्टेडियम में दूसरा सेमीफाइनल पत्रकार एकादश एवं अधिवक्ता एकादश के मध्य खेला गया जिसमें अधिवक्ता एकादश ने पत्रकार एकादश को 8 विकेट से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया इसके पूर्व मैदान पर डॉ आर के त्रिवेदी , श्री शैलेंद्र ठाकुर संरक्षक पत्रकार एकादश निदेशक डॉ . उतसव आनन्द ने दोनों टीम के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया मैच में अधिवक्ता एकादश ने टॉस जीतकर क्षेत्र रक्षक चुना 15 ओवर के इस मैच में पत्रकार एकादश ने 8 विकेट खोकर 91 रन बनाए दिनेश परिहार ने सर्वाधिक 37 रन एवं बृजेश दुबे ने 13 रन बनाए अधिवक्ता की ओर से चंद्रप्रकाश

ने सर्वाधिक 3 विकेट लिए जवाबी पारी खेलते हुए अरविंद नेमा ने 48 एवं दिव्यांशु एवं संदीप ने 12 -12 रन बनाकर लक्ष्य हासिल किया पत्रकार एकादश की ओर से शत्रुघ्न और दिनेश ने एक-एक विकेट लिया इस अवसर पर डॉ सुमन पटेल , विनय शुक्ला, अनवर खान शारीरिक शिक्षा विभाग से उपस्थित रहे. मैच के अंपायर हिमांशु तिवारी रेहान खान एवं उत्कर्ष चौबे थे.

22 नवम्बर आयोजित कार्यक्रम

गौर उत्सव- केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 04 के विद्यार्थियों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुति

विश्वविद्यालय में डॉ. सर हरिसिंह गौर की 153वीं जयंती के उपलक्ष्य में 20-26 नवंबर 2022 तक गौर उत्सव 2022 के अंतर्गत विद्यालयीन सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन केन्द्रीय विद्यालय क्र. 4 डीएचएसजीवीवी, सागर में किया गया। कार्यक्रम की

शुरुआत चित्रकला आधारित प्रदर्शनी के साथ हुई जिसमें विद्यालय के छात्र/छात्राओ द्वारा विभिन्न कलाकृतियों का प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. नवीन कांगो ने किया। इसके उपरांत समागत अतिथियो व छात्रों द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया और प्रदर्शनी की भूरि भूरि प्रशंसा की गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रारंभ मुख्यातिथि

एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा मा सरस्वती और गौर साहब के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन करके किया गया। विद्यालय के प्राचार्य महोदय डॉ. ब्रजेश कुमार पाण्डेय द्वारा अतिथियों का स्वागत हरित पौधा भेंट कर किया गया। विद्यालय के प्राचार्य महोदय द्वारा अतिथियों का वाचिक स्वागत किया गया। स्वस्तिवाचन मंत्रों की मनमोहक प्रस्तुति के बाद गणेश वंदना के माध्यम से शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत किया गया , जिसमें संतुलन , समन्वय और शक्ति का चित्रण किया गया। नौवीं कक्षा की छात्रा शानवी सेन द्वारा सर डॉं हरिसिंह गौर के जीवन पर प्रकाश डालते हुये उनके व्यक्तित्व व कृतित्व को बताते हुये अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। तदनंतर नन्हे-मुन्ने बच्चो द्वारा "माता-पिता का सम्मान करना" विषय पर नाटिका प्रस्तुत की गई , जिसने हमें जीवन के लिए एक सीख दी। विद्यालय की संगीत शिक्षिका के निर्देशन में राजस्थानी नृत्य का विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शन किया गया। मुख्यातिथि तथा समागत अतिथियो द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त वाले छात्रों को पुरस्कार वितरण किए गए| कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को डॉं हरि सिंह गौर के जीवन के विभिन्न आदर्शो के बारे में अवगत कराया। मुख्यातिथि द्वारा एकात्म शक्ति के रूप में डॉं गौर को परिभाषित किया। कार्यक्रम में प्रो.सुबोध कुमार जैन , प्रो.आर.के त्रिवेदी, प्रो.श्वेता यादव, डॉ.दीपाली जाट, डॉ.भावना रेवाड़ीकर

की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती दीपा गुप्ता ने किया। कार्यक्रम का संयोजन श्री आनंद कुमारजैन द्वारा किया गया । कार्यक्रम के अंत में श्री मनोज कुमार नेमा ने पूरे विद्यालय परिवार की ओर से समस्त अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

T-20 मैत्री क्रिकेट मैच फाइनल मैच ग्रुप ए विजेता बनाम ग्रुप बी विजेता

गौर उत्सव के तीसरे दिन अब्दुल गनी स्टेडियम में फाइनल मैच संबंधित महाविद्यालय एकादश एवं अधिवक्ता एकादश के मध्य खेला गया जिसमें अधिवक्ता एकादश ने फाइनल मैच जीता मैदान पर डॉ आर के त्रिवेदी , कुलसचिव संतोष सहगोरा, परीक्षा नियंत्रक श्री सुरेंद्र गादेवार, प्रभारी निदेशक डॉ. उतसव आनन्द ने

दोनों टीम के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया मैच में अधिवक्ता एकादश ने टॉस जीता इस अवसर पर डॉ सुमन पटेल , डॉक्टर रंजन मोहंती, विनय शुक्ला, अनवर खान शारीरिक शिक्षा विभाग से उपस्थित

रहे मैच के अंपायर हिमांशु तिवारी रेहान खान एवं उत्कर्ष चौबे थे.

23 नवम्बर आयोजित कार्यक्रम

गौर उत्सव में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा काव्यांजलि का आयोजन

इश्क झूठा है किसे नहीं मालूम, और वो भी झूठा है जिसे नहीं मालूम...

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय , सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता , संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 153वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में 'गौर उत्सव' के अंतर्गत विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में काव्यांजलि का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में प्रभारी कुलपति प्रो पी के कठल , गौर उत्सव के मुख्य समन्वयक प्रो सुबोध जैन, सह समन्वयक प्रो संजय जैन , कुलसचिव (प्र.) संतोष सोहगौरा , कार्यक्रम के संयोजक प्रो नवीन कानगो सहित विश्वविद्यालय के कवि कर्मचारी , अधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित रहे। प्रो पी के कठल ने उद्घाटन वक्तव्य देते हुए कहा कि सभी के मन में कवि हृदय होता है। मनुष्य के भीतर जब कोई भाव आता हैं तो सबसे पहला माध्यम कविता ही होती है। डॉ गौर ने भी अपने जीवन काल में कई कविताएं लिखीं। आजादी न मिल पाने की पीड़ा में उन्होंने अपनी कविताओं में अपनी भावनाएं व्यक्त की हैं। विश्वविद्यालय के शिक्षक , कर्मचारी और अधिकारी इस आयोजन के माध्यम से ऊनी संवेदनाएं , भावनाएं इस मंच के माध्यम से व्यक्त कर पाएंगे और उनकी सृजनशीलता भी सामने आएगी। प्रो नवीन कानगो ने कहकशां हूँ मैं , सारे सितारे मुझमें.......गजल की प्रस्तुति दी। डॉ आफरीन ने युवा मन की आकांक्षा और अपेक्षा पर आधारित कविता सुनाई। महेश कुर्मी ने गौर गौरव पर आधारित कविता पाठ किया। डॉ किरण ने संस्कृत में सस्वर कविता पाठ की। आमंत्रित कविगणों में प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत , प्रो. जी.एल. पुनताम्बेकर , डॉ. अभिषेक कुमार जैन , कुलसचिव संतोष सोहगौरा , डॉ.दीपाली जाट, डॉ.अलीम अहमद खान , डॉ.रामहेत गौतम , डॉ.राजेन्द्र यादव, डॉ.दय श्रीवास्तव, डॉ.अवधेश कुमार, डॉ.अवधेश तोमर, डॉ.आशुतोष, डॉ.कालीनाथ झा, डॉ.अफरोज बेगम, डॉ.हिमांशु कबीर, डॉ.देवकी नंदन शर्मा , डॉ.अभिषेक ऋषि , डॉ.नीरज उपाध्याय , डॉ.नौनिहाल गौतम , डॉ.अनूपी समैया , शहर के प्रसिद्ध कवि डॉ नलिन जैन एवं कपिल चौबे ने अपनी काव्य प्रस्तुतियां दीं. कार्यक्रम में स्वागत भाषण प्रो नवीन कानगो ने दिया। संचालन डॉ हिमांशु, डॉ अभिषेक ने किया. कार्यक्रम में शिक्षक, विद्यार्थी, कर्मचारी और शहर के गणमान्य नागरिक काफी संख्या में मौजूद थे.

24 नवम्बर आयोजित कार्यक्रम

विश्वविद्यालय के लिए एलुमनाई अनमोल खजाने की तरह हैं जिससे विश्वविद्यालय जिंदा रहता है- प्रो. नीलिमा गुप्ता

विश्वविद्यालय :भारतीय ज्ञान परंपरा एवं चरित्र निर्माण विषय पर गौर व्याख्यानमाला का आयोजन हुआ

डॉ.हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में गौर उत्सव के अंतर्गत गौर व्याख्यानमाला का आयोजन विश्वविद्यालय एलुमनाई एसोसिएशन के तत्त्वावधान में किया गया जिसका विषय था भारतीय ज्ञान परंपरा एवं चरित्र निर्माण था। मुख्य वक्ता विवि के पूर्व कुलपति प्रो.एस.पी व्यास थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने की. मंच पर प्रो. आर के त्रिवेदी, प्रो. के एस पित्रे एलुमनाई एशोशिएसन के अध्यक्ष मौजूद रहे. कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने कहा कि आज विश्वविद्यालय की ख्याति पूरे शहर, प्रदेश और हर जगह व्याप्त है. उन्होंने कहा कि एलुमनाई विश्वविद्यालय के लिए वह चीज है जिससे विश्वविद्यालय जिंदा रहता है। उन्होंने कहा कि

हमारी प्राचीन गुरुकुल परंपरा में व्यक्ति का व्यक्तित्व विकास गुरु ही करते हैं। यदि हम शिक्षा को आगे ले जाना चाहते हैं तो हमें एलुमनाई को साथ में लेना होगा। एक अच्छा शिक्षक समस्या से पार ले जाता है. हमें यह सोचना है कि जिंदगी में हम क्या करना या पाना चाहते हैं तभी हम लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं। हमें चाहिए कि लाख आंधियां चलें लेकिन दीपक जलता रहे, इस तरह के श्रम और दृढ़ संकल्प से ही लक्ष्य हासिल होता है।

सार्थक जीवन ही सफलता का पैमाना है - प्रो. व्यास

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो व्यास ने कहा कि जिंदगी में यह मायने नहीं रखता कि हम जिंदगी में कितने सफल हुए , बल्कि

मायने यह रखता है कि जिंदगी हमने कितने सार्थक ढंग से जी है। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा में बुद्ध, कबीर, गांधी तथा तुलसीदास का उल्लेख करते हुए बताया कि हमारी भारतीय ज्ञान परंपरा में सच को पहचानने तथा ज्ञान को अर्जित करना इन मनीषियों ने आसान किया है। कबीर ने वह कहा जो उन्होंने देखा. जब मैं था तब हरि नहीं अब मैं हूं हरि नाही। यही दर्शन है। जो हमने देखा है वही सत्य है. ज्ञान के आयोजन से व्यक्ति का चरित्र निर्माण और व्यक्तित्व विकास होता है जो उसके मानव धर्म निभाने में दिखता है। उन्होंने कहा कि सर हरिसिंह गौर नाम उन सर्वोपरि महान दानवीर में से एक है जो जानते थे कि हमने शिक्षा पा लिया तो सब कुछ पाया जा सकता है। स्वागत भाषण एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रो. के एस पित्रे ने दिया. सचिव प्रो. पुणतांबेकर ने एसोसिएशन का विवरण प्रस्तुत किया और जनवरी

2023 में आयोजित की जाने वाली मेगा मीट का भी विवरण प्रस्तुत किया. दिया. उन्होंने 75 पेंटिंग्स भेंट करने के संकल्प को पूर्ण करते हुए विश्वविद्यालय को अपनी बनाई पेंटिंग्स भेंट की. प्रो.ओपी अग्रवाल ने कार्यक्रम में एलुमनाई एसोसिएशन को पुनः जीवंत करने के लिए कुलपति प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता का धन्यवाद किया और प्रो. व्यास का परिचय प्रस्तुत किया। संचलान डॉ शालिनी चोइथरानी ने किया. पूर्व छात्र अमरकांत जैन ने आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में प्रो.चंदा बेन, प्रो सुबोध जैन, प्रो पाटिल, कुलसचिव संतोष सोहगौरा, विवि के कई शिक्षक, छात्र और अधिकारी मौजूद रहे. कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकगण तथा समस्त छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

कुलपति ने किया गौर साहित्य प्रदर्शनी का उद्धाटन

विश्वविद्यालय के जवाहर लाल नेहरू ग्रंथालय परिसर में डॉ. हरीसिंह गौर से संबंधित साहित्य की प्रदर्शनी का उद्धाटन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने किया. यह प्रदर्शनी अगले दो दिन लगेगी. इस प्रदर्शनी में डॉ. हरीसिंह गौर द्वारा

लिखित पुस्तकों, चित्रों एवं अन्य दुर्लभ साहित्य आगंतुकों के लिए लगाई गई है जिससे डॉ. गौर के विराट व्यक्तित्व के आयामों को जाना- समझने में मदद मिलेगी. विभिन्न भवनों का शिलान्यास/भूमिपूजन (फार्मेसी , लाईब्रेरी, एम.बी.ए. अंग्रेजी के भवनों का विस्तार एवं लैबोरेट्री काम्पलेक्स विथ लेक्चर हॉल, इंटिग्रेटेड बिल्डिंग ऑफ एनवायरानमेंटल साइंस, पत्रकारिता एंड इंडिजिनस नॉलेज) किया गया.

आमंत्रण

गुरूवार, 24 नवम्बर 2022

26 नवम्बर
सागर गौरव दिवस

जिला प्रशासन, सागर एवं
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
का संयुक्त आयोजन

युवाओं के साथ संवाद
श्री आशुतोष राणा

प्रसिद्ध सिने अभिनेता एवं साहित्यकार

गौर उत्सव
153 वीं जयन्ती
20–26, नवम्बर 2022

श्री आशुतोष राणा
प्रसिद्ध सिने अभिनेता एवं साहित्यकार

अध्यक्षता
प्रो. नीलिमा गुप्ता
माननीया कुलपति
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

- 24 नवम्बर 2022
- अपरान्ह 2:00 बजे
- स्वर्ण जयन्ती सभागार

कार्यक्रम में आप सादर आमंत्रित हैं.

भवदीय,

दीपक आर्य आई.ए.एस.
जिला कलेक्टर, सागर

संतोष सोहगौरा
कुलसचिव (प्र.)
डॉक्टर हरीसिंह गौर वि.वि., सागर

व्यक्ति का प्रसिद्ध होने से ज्यादा जरूरी है सिद्ध होना- आशुतोष राणा

प्रख्यात सिने अभिनेता एवं साहित्यकार आशुतोष राणा का विद्यार्थियों के साथ संवाद कार्यक्रम

डॉ हरीसिंह गौर की 153वीं जयंती के अवसर पर गौर उत्सव और सागर गौरव दिवस के अंतर्गत विश्वविद्यालय एवं सागर जिला प्रशासन के संयुक्त तत्त्वावधान में प्रख्यात सिने अभिनेता एवं साहित्यकार आशुतोष राणा का 'विद्यार्थियों के साथ संवाद ' कार्यक्रम विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति

प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की. अभिनेता एवं साहित्यकार आशुतोष राणा के सहपाठी डॉ मनोज शर्मा और विश्वविद्यालय के कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने चौपाल पर प्रश्नोत्तरी के माध्यम से संवाद सत्र का संयोजन किया. डॉ गौर के जीवन से प्रभावित होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि डॉ गौर एक व्यक्ति से व्यक्तित्व बने जब उन्होंने अपनी पूंजी से इस विश्वविद्यालय की स्थापना की और आज हम सबके बीच वे एक विचार के रूप में स्थापित है. उन्होंने सागर विश्वविद्यालय को स्थापित कर यहाँ शिक्षा की नींव रखी। उन्होंने डॉ गौर को शिक्षक के रूप में सराहा और कहा कि सच्चे अर्थों में शिक्षित व्यक्ति वही है जो सम्पूर्ण समाज को शिक्षित करता है. यही कार्य डॉ गौर ने इस विवि के माध्यम से किया.

विवि की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने भी उनसे संवाद करते हुए इस विवि से छात्र जीवन में उनकी अपेक्षाएं, सपने और विवि की बेहतरी के लिए सुझाव भी मांगे. उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता या कार्यक्रम में प्रतिनिधित्व का सपना वे देखते थे , जिसमें वे युवा उत्सव, एन एस एस के माध्यम से भाग लेते थे. उन्होंने कुलपति से अनुरोध करते हुए सुझाव दिया की सागर विवि में एनएसडी जैसा संस्थान फिल्म एंड टेलीविज़न इंस्टिट्यूट , स्थापित हो। उन्होंने कहा कि इस विवि से निकला हुआ हर विद्यार्थी क्षमता एवं दक्षता के साथ निकले जो स्वयं में एक विवि का प्रतिनिधित्व बने। सहपाठी रहे मनोज शर्मा ने उनके विद्यार्थी जीवन से जुड़े कई रोचक प्रसंग छेड़े. जैसे उनके हॉस्टल के कमरे में कभी ताला क्यों नहीं लगा , उनके खाने के मित्रों के बारे में , दूसरों की शर्ट आदि पहनने के रोचक किस्से उन्होंने विस्तारपूर्वक बताये. उन्होंने कई दिलचस्प किस्से साझा किये जैसे वह परीक्षा के लिए तैयारी कैसे करते थे. उन्होंने बताया कि सहपाठी जो पढ़ते थे वे बस उन्हें ज़ोर से पढ़ने को कहते थे और सुन कर ही उन्हें याद कर

लेते थे. इस प्रश्न से उन्होंने विद्यार्थियों को श्रवण शक्ति एवं श्रुति आधारित भारतीय ज्ञान परंपरा का महत्व समझाया। विद्यार्थियों के आग्रह पर उन्होंने रश्मिरथी की पंक्तिया , शिव तांडव, प्रिय तुम, बचपन याद आता है एवं माँ पर आधारित कविता सुनाई।

उन्होंने अपनी पुस्तक से व्यंग्य "मनोविज्ञान के क्रांतिकारी सूत्र" का भी पाठ किया. उन्होंने विद्यार्थियों के अन्य सवाल जैसे निरंतर प्रयास करने के बावज़ूद सफलता न मिलना, आध्यात्मिकत चिंतन को कैसे बढ़ाये आदि गहन प्रश्नों के भी सरलता से उत्तर दिया एवं कहा कि असफलता जैसी कोई चीज़ नहीं होती , हमें बस इच्छित फल प्राप्त नहीं होता है. नियति को स्वीकारते हुए हमें प्रकृति पर भरोसा करना चाहिए कि इससे कुछ और बेहतर होगा. उन्होंने कहा कि असल सुख लक्ष्य की प्राप्ति हेतु जो प्रक्रिया है उसी में होता है क्यूंकि लक्ष्य प्राप्ति के बाद हम फिर कोई दूसरा लक्ष्य निर्धारित कर लेते हैं. कार्यक्रम में उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद

करते हुए विस्तारपूर्वक जीवन और शिक्षा के क्षेत्र की जरूरी बातें साझा कीं. उन्होंने तीनबत्ती के कई किस्से साझा किये. उन्होंने अपने कई मित्रों का भी जिक्र किया. कार्यक्रम में सागर जिला कलेक्टर दीपक आर्य, पुलिस अधीक्षक तरुण नायक ने भी संवाद किया.संचालन सांस्कृतिक परिषद के समन्वयक डॉ राकेश सोनी ने किया. परिचय डॉ. आशुतोष ने प्रस्तुत किया.. इस अवसर पर युवा नेता गौरव सिरोठिया, सागर नगर के अनेक गणमान्य नागरिक, पत्रकार, समाजसेवी, जिला प्रशासन के कई अधिकारी, पूर्व और वर्तमान छात्र, शिक्षक, कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे.

आमंत्रण

शुक्रवार, 25 नवम्बर 2022

26 नवम्बर

सागर गौरव दिवस

जिला प्रशासन, सागर एवं
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
का संयुक्त आयोजन

सीधा संवाद
श्री मुकेश तिवारी के साथ

प्रसिद्ध सिने अभिनेता

गौर उत्सव

153 वीं जयन्ती

20-26, नवम्बर 2022

श्री मुकेश तिवारी
प्रसिद्ध सिने अभिनेता

अध्यक्षता
प्रो. नीलिमा गुप्ता
माननीया कुलपति
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

25 नवम्बर 2022

अपरान्ह 3:00 बजे से

स्वर्ण जयन्ती सभागार

कार्यक्रम में आप सादर आमंत्रित हैं.

भवदीय,

दीपक आर्य आई.ए.एस.
जिला कलेक्टर, सागर

संतोष सोहगौरा
कुलसचिव (प्र.)
डॉक्टर हरीसिंह गौर वि.वि., सागर

25 नवम्बर आयोजित कार्यक्रम

डॉ. गौर ऐसे व्यक्ति थे जिन्हें अपने सपनों की खूबसूरती पर पूरा यकीन था – मुकेश तिवारी

प्रख्यात सिने अभिनेता मुकेश तिवारी का विद्यार्थियों के साथ संवाद कार्यक्रम

डॉ हरीसिंह गौर की 153वीं जयंती के अवसर पर गौर उत्सव और सागर गौरव दिवस के अंतर्गत विश्वविद्यालय एवं सागर जिला प्रशासन के संयुक्त तत्त्वावधान में प्रख्यात सिने अभिनेता मुकेश तिवारी का 'विद्यार्थियों के साथ सीधा संवाद ' कार्यक्रम विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित किया गया. कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी की विशिष्ट उपस्थिति रही.

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि डॉ गौर को उनके योगदान के लिए हम एक दिन या

एक सप्ताह नहीं परन्तु जीवन भर याद करेंगे एवं उनके उद्देश्य को पूरा करेंगे। इस विश्वविद्यालय से हर क्षेत्र के विज्ञान से लेकर सिने जगत के महान कलाकार निकले हैं। गौर उत्सव भी विवि सभी की भागीदारी से मनाया जा रहा है , जिसमे केंद्रीय विद्यालय के बच्चे, महिला क्लब, विवि के कर्मचारी एवं विद्यार्थी सभी के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुए। उन्होंने कहा कि मुकेश तिवारी जी जैसे एलुमनाई विवि को अपना मान कर इससे जुड़े हैं. आशा है कि आज के विद्यार्थी भी ऐसे ही इस विवि से हमेशा

जुड़े रहेंगे। आशुतोष एवं संतोष सोहगौरा ने मुकेश तिवारी के साथ संवाद किया. डॉ गौर के बारे में अपने विचारों को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि डॉ गौर के चिंतन की संवेदनशीलता को समझने की आज हमें ज़रूरत है जिन्होंने उस समय , भारत के एक ऐसे क्षेत्र में विवि की स्थापना की जहाँ न कोई उद्योग लगाने की इच्छा रखता था न ही अपनी बेटी की शादी करवाने की. उन्होंने यहाँ के युवाओं को अपने पैरों पर खड़ा करने हेतु महादान दिया। उनके दृष्टिकोण में डॉ गौर ऐसे व्यक्ति थे जिन्हे अपने सपनों की खूबसूरती पर पूरा यकीन था। डॉ गौर के प्रेरणादायक व्यक्तित्व के बारे में उल्लेख करते हुए कहा कि डॉ गौर सभी के जीवन का अभिन्न अंग होना चाहिए। उनका व्यक्तित्व सिर्फ एक दिन को याद करने के लिए नहीं है. उन्होंने विवि प्रशासन से अनुरोध किया कीया कि डॉ गौर के ऊपर एक लाइट एंड साउंड शो बनना चाहिए जिसे सप्ताहांत में सुनाया जाए ताकि उनके योगदान को लम्बे समय तक लोग याद रख पायें.

सिने जगत से सम्बंधित बातों को साझा करते हुए उन्होंने बताया कि 'चाइनागेट' में नेगेटिव रोल करने के बाद उनके पास 1-2 साल तक काम नहीं था पर यह सभी कलाकारो के संघर्ष का हिस्सा होता है। उन्होंने बुंदेली सिनेमा पर अपने विचार रखते हुए

कहा कि बुंदेलखंड में सिनेमाघरों की कमी है जिससे इसका प्रदर्शन कम होता है इस कारण बुंदेली सिनेमा आगे नहीं बढ़ पा रहा है। अधिकांश चर्चित हिट फिल्मों में बोली का ही प्रयोग किया जाता है क्योंकि बोली से भाव अभिव्यक्त होते हैं जबकि भाषा सिर्फ विद्वता दर्शाती है। उन्होंने कहा कि मुंबई जैसी नगरी मैंने अपने बुंदेली मानुष को जगाये रखा , क्यूंकि वह जब भी पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ते हैं उस को बुंदेली लहज़े में पढ़ते हैं। विद्यार्थियों ने उनसे कई सवाल किये छोटे शहर के लोग जिनके पास संसाधन की कमी है वह कैसे आगे बढ़ें, पुराने एवं नये सिनेमा में क्या अंतर है जिससे उनके हिट या फ्लॉप होना निर्धारित होता है, कॉमेडी रोल को बखूबी निभाने के राज़ , अपने पंसीदा किरदार, कॉलेज के दौरान किसी कि रैगिंग की है क्या , कोई किरदार आप के व्यक्तित्व पर हावी हुआ है, रोमांटिक किरदार की चाह रखना आदि शामिल थे।

इस विवि की कौनसी छवि उनको याद आती है , जहां से वह पढ़े है के जवाब में उन्होंने कहा कि इस विवि की छवि उनके लिए एक परिवार की तरह है न की एक विवि की तरह। इस विवि के लोग संर्वागीण विकास की ओर केंद्रित रहते थे। उन्होंने बताया की जब वे गणित विषय में फेल हुए तब उन्हें समझ आया कि उन्हें कला संकाय से जुड़ना चाहिए। सिनेमा के नए स्वरूप और इसकी बढती बाजारवादी प्रवृत्ति पर भी उन्होंने विचार व्यक्त किये. विश्वविद्यालय के छात्र कलाकारों के साथ मुकेश तिवारी ने बधाई नृत्य भी किया. फिल्म चाइनागेट का चर्चित डायलाग भी सुनाया.

मुकेश तिवारी की आवाज़ में हरिसिंह गौर की गाथा का संक्षिप्त आडियो प्रसारण भी किया गया. अंत में रैपिड फायर सत्र भी हुआ जिसमें उनके पसंदीदा चीजों और नापसंद चीजों के बारे में प्रश्न पूछा गया. शहर के पत्रकारों, पूर्व छात्रों और अनेक गणमान्य नागरिकों ने भी उनसे कई सवाल किये. संचालन डॉ. संजीव सर्राफ ने किया. आभार प्रदर्शन डॉ राकेश सोनी ने किया. कार्यक्रम में सागर जिला कलेक्टर दीपक आर्य, पुलिस अधीक्षक तरुण नायक भी अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. सागर नगर के अनेक गणमान्य नागरिक, पत्रकार, समाजसेवी, जिला प्रशासन के कई अधिकारी, पूर्व और वर्तमान छात्र, शिक्षक, कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे.

गौर जयंती पर रेडियो पर विशेष प्रसारण

गौर जयंती के अवसर पर डॉक्टर गौर पर रेडियो वार्ता का विशेष प्रसारण आकाशवाणी सागर से सुबह 10.10 बजे से कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता की वार्ता की गई तत्पश्चात गौर गीत का प्रसारण किया गया.

डॉ गौर कौशल विकास मेला–2.0

विश्वविद्यालय। गौर उत्सव सप्ताह के छठवे दिन शुक्रवार को सुबह 11 बजे विश्वविद्यालय के कम्यूनिटी कॉलेज के छात्रों द्वारा निर्मित वस्तुओं की प्रदर्शनी गौर समाधि प्रांगण में डॉ गौर कौशल विकास मेला 2.0 का उदघाटन किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी रहे। अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने की।

विशिष्ट अतिथि कुलसचिव संतोष सोहगौरा रहे। मेला दो दिवसीय रहेगा जिसमें विधार्थियों द्वारा लगभग19 स्टॉल तैयार की गई है। शुक्रवार को दोपहर 12 बजे गौर समाधि प्रांगण में मेला की शुरूआत हुई। कम्युनिटी कॉलेज के नोडल अधिकारी प्रो श्वेता यादव ने बताया कि इस बार मेला दूसरी बार आयोजित किया जा रहा है। इस बार 19 स्टॉल विधार्थियों की है। इसके साथ ही लोकल टू बोकल के साथ शहर के युवा साथियों को मौका दिया गया है। कुलसचिव संतोश सोहगौरा ने कहा

कि माननीय कुलपति के प्रयास गौर उत्सव में नवाचार किया गया है। साथ ही मेले के साथ फ्लॉवर डेकोरेशन शो नवीन प्रशासनिक भवन परिसर में आयोजन किया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलाधिपति प्रो बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2022 के तहत हमें डिग्री के साथ कौशल पर ध्यान देने की आवश्यकता है। माननीय कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने कहा कि हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2022 के साथ ही विधार्थियों के कौशल पर कार्य कर रहे है। हमने पांच गांव गोद लिये है। हम वहां के लोगों को हुनरमंद बनाने का प्रयास भी करेगें। कार्यक्रम का संचालन डॉ शलिनी चौथराईन ने किया। आभार प्रकट सर्वेन्द्र यादव ने किया। इस मौके पर डॉ जीके तिवारी, डॉ अनिल कशयप,डॉ वंदना राजौरिया,डॉ सुशमा यादव,डॉ सोनिया कौशिक, डॉ अश्विनी कुमार, सहित कम्युनिटी कॉलेज के निशांक शर्मा, अनुराग बृजपुरिया,बसंत मांझी, राकेश कुमार, विपिन बाल्मिकी मौजूद रहे।

20 स्टॉल से सजा मेला

कम्युनिटी कॉलेज इस बार लगभग 20 स्टॉल लगाई गई। मनोविज्ञान विभाग ने व्यक्तित्व प्रशिक्षण किया,फैशन डिप्लोमा की लक्ष्मी परैता, रूबी खान, रितंभरा चौरसिया, सौरभ जैन, नेहा ठाकुर ने अलग

अलग स्टॉल लगाये। इसी प्रकार गौमय अकांक्षा मलैया, विचार मंच, नगरनिगम ईकाइ के विक्रम जैन, मिटटी के वर्तन नरेश प्रजापति, वर्मीकम्पोट यूनिट रामसेवक कुशवाहा,फूड प्रोजेक्ट में संदीप श्रीवास्तव,सुंदर रजक, लोहे की डिजाईन दवेश कोरी, आईटी सलाहकार श्रीकांत द्विवेदी, एसबीएन विश्वविद्यालय शशीबाला बागरी,ज्योति सिंह आत्मनिर्भर भारत सहित अन्य स्टॉल मौजूद रही।

ओपन मंच विधार्थियों ने दी प्रस्तुति

मेले में विधार्थियों को एक ओपन मंच भी दिया गया था। जहां विधार्थियों द्वारा गायन एवं डांस पर अपनी अपनी प्रस्तुति दी। जूलॉजी विभाग के आशुतोश मिश्रा, भाग्यश्री साहू, दिव्या, सुर्यश जैन, प्रिंसी सेन, विजय राजपूत सहित अन्य विधार्थियों ने अपनी प्रस्तुति दी।

फ्लावर एवं डेकोरेशन शो नवीन प्रशासनिक भवन

गौर उत्सव सप्ताह के छठवे दिन शुक्रवार को नवीन प्रशासनिक भवन में फ्लावर शो का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलाधिपति प्रो बलवंतराय शांतिलाल जानी रहे। कार्यक्रम की

अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने की।

शुकवार को दोपहर 12.30 पर फ्लावर शो का उदघाटन किया गया। फ्लावर शो में इस क्षेत्र में रूचि रखने वाले विधार्थियों ने अपनी रचनात्मकता की प्रस्तुति दी। प्रतिभागियों ने अपने आकर्षक पौधे एवं गमले भी रखे। कार्यक्रम की अध्यक्ष माननीय कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने कहा कि कम समय में विधार्थियों द्वारा बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ इस प्रकार के गतिविधियों में भाग लेना चाहिये। जिससे विधार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने का मौका भी मिलता है। नोडल

अधिकारी प्रो श्वेता यादव ने कहा कि फ्लावर शो प्रतियोगिता है इसमें विधार्थियों द्वारा अपने आकर्षक पौधे एवं गमले, फूलों की रंगोली का प्रदर्शन किया गया। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही मलैया नर्सरी और मातृ सेवा नर्सरी ने अपने अपने डिजाईन वाले गमले भी प्रतियोगिता में शमिल किये। फ्लावर शो के प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिये जायेगें। इस मौके पर डॉ वंदना राजौरिया, डॉ सुशमा यादव, डॉ किरण आर्य, डॉ शालिनी चौथराईन, डॉ सोनिया कौश्कि सहित मौजूद रहे।

26 नवम्बर आयोजित कार्यक्रम

सहयोग, समर्पण और कर्म से डॉ. गौर के सपनों में रंग भरें- कुलपति
गौर जयंती के अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा ने तीनबत्ती पर किया संबोधित

महान दानवीर, विधिवेत्ता एवं डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक सर डॉ हरीसिंह गौर की 153 वीं जयन्ती के अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने सागर शहर के तीनबत्ती पहुँचकर डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और सभा को संबोधित किया. उन्होंने भारतीय मेधा के प्रखर स्तम्भ और बुन्देली पुरुषार्थ के जागतिक पुरूष डॉ. हरीसिंह गौर के जन्मदिवस की सभी को हार्दिक बधाई दी. उन्होंने कहा कि आज से 153वर्ष पहले सूरज वैसे ही निकला होगा जैसे आज निकला

है, हवा में वैसी ही एक गुनगुनी सी ठंडक होगी जैसा आज है। पर उस दिन सूरज के साथ उसके एक ऐसे सहचर ने जन्म लिया था जो आगे चलकर पूरे बुन्देलखंड की आबरू बन गया। उन्होंने कहा कि गौर साहब के संघर्षों से हम सभी परिचित हैं. कितनी कठिन मुश्किलों और अभावों के बीच वे पले और बढ़े जिसका ख्याल और बोध हम सभी को है। सागर में पढ़ाई की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण बहुत दुःख के साथ उन्हें सागर छोड़ना पड़ा था। अपने उस दुःख को उन्होंने एक महान संकल्प में बदल लिया कि जैसे भी हो सागर में उच्च अध्ययन की व्यवस्था होना ही चाहिए। और उन्होंने अपने उस संकल्प को साकार करके दिखाया भी।

18 जुलाई 1946 को इस धरती पर डॉ. हरीसिंह गौर ने ज्ञान का जो विरवा रोपा था , आज वह ज्ञान के एक विशाल और छतनार कल्पवृक्ष में परिवर्तित हो चुका है। प्रगति और उन्नयन की अनेक उपलब्धियाँ विश्वविद्यालय के साथ जुड़ती जा रही हैं। उन्होंने बताया कि नये भवनों और नये पाठ्यक्रमों के

साथ अपनी अधिरचना में विस्तार करने के साथ ही हमारा विश्वविद्यालय ज्ञान-विज्ञान क्षेत्र में प्रखरतम विद्यार्थी और सचेत एवं संवेदनशील नागरिक तैयार कर रहा है। उन्होंने इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट में शुरू किये जा रहे पाठ्यक्रमों की जानकारी साझा की. उन्होंने यह भी बताया कि जल्द ही इंस्टिट्यूट ऑफ़ पैरामेडिकल साइंसेस भी खुलने जा रहा है जहां नए-नए पाठ्यक्रम शुरू किये जा रहे हैं. उन्होंने विद्यार्थियों और शिक्षकों की उपलब्धियों को साझा करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में मेरी कोशिष है कि मैं डॉ. हरीसिंह गौर के सपनों को अपने प्रत्येक विद्यार्थी की आँखों में झलकता देखूँ।

उन्होंने कहा कि मैं पूरे गर्व के साथ कहना चाहती हूँ कि आप एक श्रेष्ठ शहर के कृतज्ञ नागरिक हैं। आप सभी गौर साहब के प्रति न सिर्फ श्रद्धा का भाव रखते हैं बल्कि उसे उल्लास के साथ व्यक्त भी कर रहे हैं। डॉ. गौर का विश्वविद्यालय निरन्तर प्रगति-पथ पर अग्रसर है। पर अभी इसे और आगे जाना है। समय आ गया है कि अब हम सभी अपने सवालों को सहयोग में , अपनी श्रद्धा को समर्पण में और अपनी निष्ठा को कर्म में रूपान्तरित कर अपने गौर साहब के सपनों में रंग भरें।

कार्यक्रम में सागर शहर के जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, विद्यार्थी, विश्वविद्यालय एवं जिला प्रशासन के अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक एवं जनसामान्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे.

डॉ. गौर जयन्ती पर निकली भव्य शोभायात्रा

परम्परानुसार शहर के तीनबत्ती से बैंड बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकली जो प्रमुख मार्गों से होती हुई विश्वविद्यालय पहुँची. इस दौरान शहर के नागरिक , जनप्रतिनिधि, विद्यार्थी और आमजन इस शोभायात्रा का हिस्सा बने. शोभायात्रा का जगह-जगह स्वागत हुआ.

मुख्य समारोह

महान दानवीर, विधिवेत्ता एवं डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक सर डॉ हरीसिंह गौर की 153 वीं जयन्ती के अवसर पर विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं उच्च शिक्षा सलाहकार, उप्र. सरकार प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह जी , विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी एवं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने संबोधित किया.

डॉ. गौर सच्चे अर्थों में सामाजिक समता और न्याय के पुरोधा थे- कुलाधिपति

कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कहा कि डॉ गौर ने दासत्व की पीड़ा समझी। वे सह शिक्षा के पक्षधर थे. उन्होंने

बाल विवाह आदि कुप्रथाओं के बारे में सोचा और इसके लिए विधि लेकर आए। उनके जीवन के इस अनेक उदाहरण है जो नारी सशक्तिकरण और नारी चेतना को समझने में मदद करते है। अंतर्जातीय विवाह की संतान को संपत्ति में मान्यता दी। उन्होंने सामाजिक चेतना को बदलने पर ध्यान दिया, कुप्रथाओ को बदला और समाज को बदला। नागरिकता को लेकर लड़े। समानता का भाव रखा. आज से कई वर्ष पहले उन्होंने सामुदियक रूप से विकास को महत्व दिया। विधि के आधार पर सभी कुप्रथाओं को तोड़ने का काम किया। जिस तरह अंबेडकर बुद्ध धर्म अधिकार करके बुद्ध वादी बन गए वे भी बने। पहली बार दिल्ली विश्वविद्यालय में भारतीय भाषा के अध्ययन की भूमिका बनी। हम उनके जैसे बुद्धिजीवी बनें जिससे राष्ट्र को हम परम वैभव के शिखर पर ले जा सके।

डॉ. गौर ने बुंदेलखंड का नाम विश्वपटल पर स्थापित किया- प्रो. डीपी सिंह

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो डी पी सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉ गौर सिर्फ सागर ही नहीं बल्कि देश के महान सपूत जिन्होने बुंदेलखंड की मिट्टी का नाम देश और विदेश में रोशन किया। हमारे चिंतन में डॉ गौर हमेशा बने रहे ऐसी कामना करते हुए उन्होंने गौर जयंती की सभी को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि वे सदैव सागर के ऋणी रहेंगे , सागर उनकी सांसों में बसता है।

उनके शैक्षिक पदो की यात्रा सागर से शुरू हुई थी जिसमें उन्होंने सबसे कम उम्र के कुलपति बनने का अवसर मिला। उन्होंने कहा

कि डॉक्टर गौर के व्यक्तिव एवं कृतत्व के बारे में सभी जानते है। हम सभी को विवि के भविष्य के बारे में सोचना चाहिए कि वह कैसे और ऊंचाई पर जाए। देश के विकास में शिक्षा व्यवस्था का योगदान अहम होता है। तकनीक और विज्ञान के साथ आज की आवश्यकता अनुसार , व्यवसायिक, कौशल विकास , कंटीन्यूइंग शिक्षा सम्मिलित कर नए सिरे से बनाना चाहिए। सभी शैक्षिक व्यवस्था एवं गतिविधियों को विद्यार्थी केंद्रित बनाना चाहिए। सभी के लिए गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो यह भारत सरकार का लक्ष्य है, शिक्षा तक जिसकी पहुंच न हो शिक्षा वहां पहुंचनी चाहिए। विवि को एक्सटेंशन एवं रिक्रूटमेंट जैसे केंद्र की शुरुआत करनी चाहिए। अपनी नेटवर्किंग बढ़ाने के विश्वसनीयता का प्रचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विवि को अपनी प्रोफाइल सशक्त बनानी चाहिए एवं नेक आदि विदेशी रैंकिंग में प्रतिभागिता करनी चाहिए। विवि को अपने आप में अनूठा बनाने का प्रयास करना चाहिए। विवि की विशिष्टता ही उसकी मुख्य ताकत होनी चाहिए। उन्होंने कहा की विद्यार्थियो को डॉ गौर से यह सीख अवश्य लेनी चाहिए की आप चाहे जहां भी रहें एक बाद अपनी जन्म स्थली के लिए लौट कर कुछ करें। डॉ गौर ने बुंदेलखंड क्षेत्र के विकास के लिए शिक्षा का माध्यम चुना। कोठारी आयोग की रिपोर्ट में भी शिक्षा को देश के समूचे विकास से जोड़ा गया था। आज जब नई शिक्षा नीति का क्रियान्वन इस विवि में हो रहा है , यह एक उपलब्धि की बात है। इसके लिए उन्होंने सभी को बधाई दी और यही कामना की इस विवि की उपलब्धियां हर क्षेत्र में उल्लेखित हों।

डॉ. गौर का जीवन और कर्म हम सभी के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत है- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने शैक्षिक एवं सामाजिक नवजागरण के अद्वितीय नायक और विश्वविद्यालय के संस्थापक पितृपुरुष

डॉ. हरीसिंह गौर जी की 153वीं जयंती सभी को बधाई देते हुए कहा कि हरीसिंह गौर की जयंती हमारे विश्वविद्यालय के लिए, बुन्देलखण्ड के लिए और पूरे देष के लिए ज्ञान की उज्ज्वल चेतना का महापर्व है। आज का यह दिन हमें विष्वास दिलाता है कि मनुष्य की सामर्थ्य से कुछ भी बड़ा नहीं है, हारा वही है जो लड़ा नहीं है। उन्होंने कहा कि घोर अभाव और मुष्किलें जोर आजमाइष करती रहीं पर गौर साहब ने अपने इस्पाती इरादों सेएक सामान्य सी लगने वाली जिन्दगी को असाधारण अफसाने में बदल दिया। सागर के शनीचरी से कैम्ब्रीज विश्वविद्यालय तक की उनकी यात्रा एक किरदार का किस्से में रूपान्तरित होते जाने की महागाथा है। गौर साहब का जीवन और कर्म उन सबके के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत है जो समाज-हित में कुछ नया और सुन्दर करना चाहते हैं। डॉ. गौर का सम्पूर्ण जीवन मनुष्य के अदम्य पुरुषार्थ की जय-गाथा है। प्रतिकूल जीवन-संदर्भों के बीच अपनी मातृभूमि के उन्नयन के लिए आपने जो सपना देखा था उसे सर्वस्व अर्पण कर पूरा किया।

उन्होंने कहा कि मैं पूरे विश्वास के साथ कहना चाहती हूँ कि यह गौर साहब का इस्पाती-इरादा ही था कि उन्होंने अपने सपने को सरोकार में , मिट्टी को चंदन में और अपनी मातृभूमि को ज्ञान के तीर्थ में बदल दिया। मैं विशेष तौर पर

अपने विद्यार्थियों को याद दिलाना चाहती हूँ कि आप डॉ. हरीसिंह गौर जैसे आधुनिक युग के दधीचि की तपस्या और त्याग के परिसर में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। अध्ययन , शोध और चिन्तन के क्षेत्र में आप सबकी सजगता और उपलब्धियाँ हमारे विश्वविद्यालय के यष में श्रीवृद्धि करेंगी। आज हमारा विश्वविद्यालय अपने श्रेष्ठ शिक्षकों , योग्य अधिकारियों, कर्मठ कर्मचारियों तथा संस्कारी विद्यार्थियों के प्रेरक समन्वय साथ निरन्तर प्रगति की ओर उन्मुख है। हमें इस बात का गर्व है कि हम डॉ. गौर जैसे मसीहा के सपनों के सिपाही हैं।

उन्होंने कहा कि हम शैक्षिक नवाचार , प्रशासनिक दक्षता एवं अकादमिक दृढ़ता के साथ राष्ट्रीय षिक्षा नीति- 2020 का क्रियान्वयन इस अकादमिक सत्र से कर रहे हैं। जिससे कि हमारे विद्यार्थी ज्ञान-विज्ञान की वैष्विक दुनिया और भविष्य की चुनौतियों के समक्ष स्वयं को एक सक्षम विकल्प के रूप में तैयार कर सकें। उन्होंने विश्वविद्यालय की अकादमिक उपलब्धियों की लंबी श्रृंखला प्रस्तुत की जिसमें बहुत से शिक्षकों और विद्यार्थियों ने अकादमिक उपलब्धियां हासिल की हैं और कहा कि हमारे शिक्षक और विद्यार्थी विश्वविद्यालय की श्रेष्ठ अकादमिक निरन्तरता को जीवंत बनाये रखें हुए हैं. उन्होंने सभी शिक्षकों , विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों-अधिकारियों को बधाई प्रेषित की. उन्होंने विश्वविद्यालय में आयोजित किये गए विभिन्न अकादमिक , एवं सह शैक्षणिक गतिविधियों के संबंध में प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए आगामी रूपरेखा पर विस्तार पूर्वक चर्चा की और कहा कि हमारा विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों के चतुर्दिक विकास हेतु अपनी अकादमिक प्रतिबद्धता और अपने सामाजिक सरोकारों को नये सिरे से मूल्याकिंत , सृजित और विस्तृत कर रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय अपने अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सर्वोच्च हितों के संरक्षण के लिए कृत संकल्पित है। मैं इस विश्वविद्यालय की कुलपति के रूप में विश्वविद्यालय के शिक्षकों की गरिमा एवं अधिकारों के प्रति बचनबद्ध हूँ। आज हमारा सबसे बड़ा कर्तव्य है कि हम सभी आत्मिक श्रद्धा और

समर्पण भाव से अपनी भूमिका का निर्वहन करें जिससे कि शैक्षिक नवजागरण के पुरोधा और बुन्देली आकांक्षा के महासूर्य डॉ. हरीसिंह गौर का स्वप्न पूरे वैभव के साथ इस धरती पर उतर सके।स्वागत भाषण कुलसचिव संतोष सहगोरा ने दिया. गौर उत्सव के मुख्य समन्वयक प्रो सुबोध जैन ने सात दिवासीय गौर उत्सव का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। सभी अतिथियों को शाल , श्रीफल एवं स्मृति चिंह भेंट किया गया. विभिन्न दानदाताओं के नाम पर पदक एवं पुरस्कारों को प्रदान किया गया. खेल प्रतियोगिताओं में विजित टीम और प्रतिभागियों को भी पुरस्कार प्रदान किये गये. अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थियों द्वारा लिखित कई पुस्तकों का विमोचन भी अतिथियों द्वारा किया गया.

गौर पीठ शोध एवं अध्ययन का अनूठा केंद्र बनेगा- कुलपति
विश्वविद्यालय में हुआ गौर पीठ का उदघाटन

तीन बत्ती और मुख्य समारोह में अपने संबोधन के दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय में गौर पीठ की स्थापना की घोषणा भी और इसमें सहयोग करने की भी अपील की. उन्होंने कहा कि यह केंद्र शोध एवं अध्ययन का अनूठा केंद्र बनेगा. उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार से मेरी गुजारिश है कि डॉ गौर संग्रहालय स्थापित करने में सहयोग करें ताकि उनके जीवन से जुडी तमाम उन चीजों का संग्रह और प्रदर्शन किया जा सके और ज्यादा से ज्यादा लोग उनके जीवन , संघर्ष और उनके विचारों के बारे में जान सकें. उन्होंने जनसहयोग के लिए भी सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया. मुख्य समारोह आरम्भ होने के पूर्व अतिथियों की उपस्थिति में गौर पीठ का उद्घाटन भी हुआ. गौर प्रांगण स्थित गौर समाधि पर सभी अतिथियों ने पुष्पांजलि दी. गौर समाधि प्रांगण में प्रातः 11.00 बजे से गौर जयंती मुख्य समारोह एवं राष्ट्रीय संविधान दिवस की शपथ, 26 नवम्बर प्रातः 10.30 बजे राष्ट्रीय रूपक " ज्ञान दानी सागर रत्न डा.गौर" लेखक डा.ललित मोहन, प्रस्तुति-डा.संजय सिंह की रही.

नैनो टेक भवन का लोकार्पण

वि.वि. नैनोटेक्नोलॉजी भवन का वर्चुअल माध्यम से लोकार्पण किया. सायं 7:30 बजे से गौर समाधि प्रांगण में विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

पढ़ाई की दिनचर्या में ‘हैप्पीनेस’ के लिए भी समय देना आवश्यक है : कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

विश्वविद्यालय में अंतर अध्ययनशाला देशज खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का कुलपति ने किया शुभारंभ

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय , सागर सांस्कृतिक परिषद के तत्त्वावधान में अंतर अध्ययनशाला देशज खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का शुभारंभ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इसी के साथ विश्वविद्यालय के वर्तमान फाइन आर्ट्स एन्ड परफॉर्मिंग आर्ट्स विभाग के परिसर में 'हैप्पीनेस सेंटर' का भी शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि हम पारंपरिक खेलों के माध्यम से हम भारतीय परंपरा और संस्कृति को पुनर्जीवित करने की दिशा में बढ़ रहे हैं. हैप्पीनेस सेंटर का उदघाटन करते हुए उन्होंने कहा कि आज की तनाव भरी जिन्दगी में खुश रहना बहुत जरूरी है.

हमारी दिनचर्या में खुशी महसूस करनेके लिए कई प्रकार की गतिविधियों में शामिल होकर अपने मस्तिष्क और शरीर को स्वस्थ रखें. खुशी के साथ एक महत्त्वपूर्ण बात यह है कि इसे जितना बाँटिये उससे और अधिक खुशी मिलती है. एक खुशदिल इंसान अपने आस-पास के लोगों को भी खुश रख सकता है. हमारे विद्यार्थी पढ़ाई-लिखाई और तमाम तरह के तनाव से मुक्त रखकर

और अधिक ऊर्जा और परिश्रम से अपना काम कर सकें इसी उद्देश्य से यह सेंटर शुरू किया जा रहा है. परिसर में ऐसे वातावरण को निर्मित करने में मदद मिलेगी जहां विद्यार्थी सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करने वाली विभिन्न गतिविधियों में शामिल होकर अपने तनाव को दूर कर पायेंगे. एक मजबूत इरादे के साथ की गई शुरुआत का परिणाम सदैव अच्छा होता है. मुझे विश्वास है कि विद्यार्थी अपने भविष्य को बेहतर बनाने में खुशी के इस परिसर का उपयोग करेंगे जहां विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियाँ भी होंगी. उन्होंने कहा कि गौर उत्सव की श्रृंखला में यह आयोजन विश्वविद्यालय की गतिविधियों को और वृहद् स्तर पर समृद्ध कर रहा है.

पिट्टू खेलकर कुलपति ने किया पारंपरिक खेलों का शुभारम्भ:

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने पिट्टू खेलकर पारंपरिक खेलों का शुभारम्भ किया. उन्होंने कहा कि ऐसे कई पारंपरिक खेलों को मैंने भी अपने बचपन में खेला है. ऐसे खेल काफी आनंददायी होते हैं. विद्यार्थियों द्वारा निर्मित प्रतीकात्मक 'गौर उत्सव टीवी ' से कुलपति महोदय ने संबोधित करते हुए सभी को शुभकामनाएं प्रदान की.

सांस्कृतिक परिषद के समन्वयक डॉ राकेश सोनी ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययनशालाओं के विद्यार्थी इसमें प्रतिभाग करेंगे जिसमें भारतीय पारंपरिक खेल जैसे पिट्टू , कुश्ती, लंगड़ी, कबड्डी, काना दुआ आदि प्रतियोगिताएं आयोजित कीं जाएंगी। इसी तरह विभिन्न विधाओं जैसे नृत्य, संगीत, नाटक, प्रहसन, भाषण, प्रश्नमंच सहित अन्य सांस्कृतिक गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि अब तक विश्वविद्यालय के लगभग 2200 विद्यार्थी इस आयोजन में सहभागिता के लिए अपना पंजीकरण करा चुके हैं जो विभिन्न गतिविधियों में भाग लेंगे. इस अवसर पर कुलानुशासक प्रो चंदा बेन , छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो.ए डी शर्मा , कुलसचिव संतोष सोहगौरा , डॉ ललित मोहन , डॉ. राजेन्द्र यादव , डॉ. शालिनी, डॉ. श्री भागवत , डॉ. संजय शर्मा , डॉ अवधेश , डॉ. राहुल स्वर्णकार सहित विभिन्न संकायों के विद्यार्थी उपस्थित थे।

तबला वादन से हुआ गौर गौरव उत्सव का आगाज़

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के स्वर्ण जयंती सभागार में कल दिन शुक्रवार 18 नवंबर को तबला वादन प्रतियोगिता के साथ 9 दिवसीय गौर गौरव उत्सव का शुभारंभ मुख्य अतिथि , प्रभारी कुलपति प्रो. पी.के. कठल , अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. ए. डी. शर्मा , प्रो. आशीष वर्मा एवं कुलानुशासक प्रो. चंदा बेन की उपस्थिति में हुआ।

सर्वप्रथम तबला वादन प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल द्वारा डॉ गौर एवं सरस्वती पूजन तथा माल्यार्पण के उपरांत प्रतियोगिता आरंभ हुई। निर्णायक मंडल में डॉ. राहुल स्वर्णकार , शैलेंद्र सिंह राजपूत एवं पार्थो घोष थे। प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों के प्रतिभागियों ने अपनी सराहनीय प्रस्तुति दी। इसके पश्चात मूक अभिनय प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल के रूप में रोहित रजक , शुभांगिनी श्रीवास, एवं बालमुकुंद अहिरवार जी उपस्थित रहे। मूकाभिनय में प्रतिभागियों द्वारा बिना किसी संवाद के विचारों की अभिव्यक्ति का शानदार प्रदर्शन किया गया। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के कणाद भवन में प्रश्नमंच प्रतियोगिता भी संपन्न हुई जिसमें बुंदेलखंड की विरासत से संबंधित प्रश्न पूछे गए। प्रतियोगिता में डॉ. पंकज सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके उपरांत बहुप्रतीक्षित विधा एकल गायन के प्रतिभागियों ने गौर गौरव उत्सव के अफसाने को बरकरार

रखते हुए दर्शकों और निर्णायकों को अपनी प्रस्तुति से प्रभावित किया। गायन विधा में डॉ अवधेश तोमर , पार्थो घोष एवं यश गोपाल श्रीवास्तव ने निर्णायक की भूमिका निभाई। प्रतिभागियों की प्रस्तुति का मूल्यांकन गीत चयन , प्रस्तुति शैली, स्वर, ताल , मंचीय प्रभाव एवम उपरोक्त समस्त बिंदुओं में प्रतिभागी के समन्वयन क्षमता के आधार पर किया गया। मंच पार्श्व के कलाकारों में संगीत विभाग के छात्र रहे। गौर गौरव उत्सव के पहले दिवस की प्रतियोगिताओं एवम प्रस्तुतियों ने आयोजन को एक अलग उत्साह प्रदान किया जिसके अनुरूप प्रथम दिवस का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

ना हमसफर ना हमनशी से निकलेगा , हमारे पैर का कांटा हमीं से निकलेगा

किसानों का घर टपकता है तब भी दुआ बारिश की करता है (छात्र छात्राओं द्वारा कही गई लाइन)

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक परिषद द्वारा आयोजित किए जा रहे 9 दिवसीय गौर गौरव उत्सव के तृतीय दिवस में मिमिक्री एवं भाषण प्रतियोगिता विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में संपन्न हुई।

मिमिक्री में छात्रों ने जानवरों , फिल्मी कलाकारों, नेताओं, वाहनों आदि की आवाज़ों को निकाल कर दर्शकों को खूब हंसाया। छात्र प्रदीप रजक ने मुर्गे , गधे और कुत्ते की आवाज़ निकल कर वाह वाही लूट ली। भाषण प्रतियोगिता के विषय "आत्मनिर्भर भारत एवं ग्रामीण विकास" पर छात्र कुलदीप केशरवानी ने लिज़्जत पापड़ कंपनी का उदाहरण देते हुए , अपना वक्तव्य दिया जोकि सात महिलाओं से शुरू हुई थी और आज 45 हजार महिलाए उसके द्वारा रोजगार प्राप्त कर रही हैं। अदिति नाहर ने कोविड 19 के बाद विश्व गुरु बनने पर भारत की जीत पर जोर दिया। दीनदयाल अहिरवार ने डॉ हरीसिंह गौर के उदाहरण से आत्मनिर्भरता पर विचार रखे। केतुल जैन ने वर्तमान सरकार की चुनौतियों पर विचार रखे। महक देवलिया ने कहा कि गांधी के पदचिन्ह ही आत्मनिर्भरता की नींव है। अलीशा आफरीन खान ने स्वदेशी औषधियों और खान पान पर जोर दिया। ऋतिक नागर ने केरल और तमिलनाडु की सरकारों के द्वारा पंचायतों को दिए अधिकारों की बात कही। रिती तिवारी ने भारतीय किसानों की पारंपरिक तरीकों पर जोर देने की बात कही। साहिल खान ने मेक इन इंडिया पर विचार रखे। मिमिक्री प्रतियोगिता में सात स्कूलों ने भाग लिया तथा भाषण प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों के 37 छात्र छात्राओं ने भाग लिया।

भाषण प्रतियोगिता के निर्णायक डॉ. किरण आर्य , डॉ. बबलू राय, डॉ. अरविंद कुमार गौतम एवं मिमिक्री विधा के निर्णायक डॉ. राकेश सोनी, श्री बालमुकुंद अहिरवार, एवम श्री राघवेन्द्र सिंह लोधी थे।

कार्यक्रम के अतिथि प्रभारी कुलपति प्रो. पी के कठल, प्रो. आर के त्रिवेदी, डॉ. राजू टंडन, प्राचार्यबीटीआईई महाविद्यालय, डॉ. आशीष पटैरिया, प्राचार्य बीकेपी महाविद्यालय थे। उपसंहार तथा आभार, राष्ट्रीय छात्र सांसद के विजयी छात्र प्रताप राज तिवारी ने पढ़ा।मंच संचालन छात्रा अर्ची, देवकुमार, सौरभ एवं श्रुति ने किया।

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर की सांस्कृतिक परिषद के द्वारा विश्वविध्यालय के आचार्य शंकर भवन में गौर उत्सव के चौथे दिन रंगोली , क्ले मॉडलिंग , पोस्टर मेकिंग , मेहंदी, कार्टूनिंग एवं इंस्टॉलेशन प्रतियोगिताओं में विभिन्न स्कूलों के प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की जिसमें निर्णायक मंडल में श्री असरार अहमद , श्रीमती अंशिता बजाज, डॉ. शालिनी चोइथरानी, डॉ. आफ़रीन खान एवं डॉ. रश्मि सिंह थे। रंगोली प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने सामाजिक कुप्रथा को रोकने का संदेश दिया, साथ ही डॉ. गौर का छायाचित्र बनाया, वहीं क्ले मॉडलिंग के माध्यम से भारतीय संस्कृति को दर्शाया।
मेहंदी प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने दुल्हन मेहंदी , ऐरबिक डिज़ाइन को संदर तरह से उकेरा। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में

प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण के विषय पर ध्यान आकर्षित किया एवं कार्टूनिंग में प्रतिभागियों ने सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव को दिखाया, राजनीतिक तंज कसे वहीं सुप्रसिद्ध कार्टूनिस्ट आर. के. लक्ष्मण जी के कार्टून को सुंदर तरीक़े से दर्शाया गया।

वहीं युवा उत्सव की इंस्टॉलेशन की प्रतियोगिता में छात्र छात्राओं ने अनुपयोगी सामग्री से वॉटर साइकल , घड़ी, मोर इत्यादि मॉडल बनाए। प्रतियोगिताओं के मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. के. के. एन. शर्मा , छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए. डी. शर्मा उपस्थित रहे जिनका स्वागत सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. राकेश सोनी द्वारा किया गया।
उत्सव में सचिन पटेल , वीरेंद्र कुमार , प्रसन्न विश्वकर्मा, प्रियंका यादव, कृष्णा, अनुज जैन आदि समेत लगभग 300 प्रतिभागियों ने सहभागिता की।

गौरव उत्सव के अंतर्गत देशज खेलों में हुए रस्सा कस्सी , कुश्ती, लंगडी, पिट्टू, रस्सा कस्सी जैसे खेल कार्यक्रम डॉ. राकेश सोनी के नेतृत्व में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे प्रो. आर. के. त्रिवेदी , प्रो. सुबोध जैन,प्रो. चंदाबेन, डॉ. उत्सव आनंद और डॉ. विवेक विसारिया।

निर्णायक मंडल में डॉ. भारत साहू ,विनय शुक्ला और अनवर खान मौजूद रहे। रस्सा कस्सी का खेल अति रोमांचक रहा। राकेश सोनी द्वारा रुमाल लहराकर हुआ खेल का आरंभ किया गया। इन खेल क्रीडाओं में विभिन्न स्कूलों की प्रतिभागिता देखने को

मिली जिनमें से कुछ हैं - स्कूल ऑफ ह्यूमनिटीज एंड सोशियल साइंसेज , स्कूल आफ लॉ, स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड इंफॉर्मेशन साइंसेस.

रस्सा कसी (महिला) में स्कूल ऑफ लॉ की टीम प्रथम रही वहीं लंगड़ी (महिला) की प्रथम विजेता थी निधि पथल (एस ओ एल) अथवा रस्सा कसी (पुरुष) में भी स्कूल ऑफ लॉ की टीम रही सर्वप्रथम। पिट्टू (महिला) में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेकनोलॉजी की टीम रही प्रथम। इसके अलावा अभी कुछ परिणाम शेष हैं जो कि कल घोषित किए जाएंगे। छात्रों की सुरक्षा हेतु फिजियोथैरेपिस्ट और फर्स्ट ऐड किट तैयार रखी गई थी।

कुश्ती के परिणाम कुछ इस तरह थे - (महिला) :- 50 किलो रक्षा बाल्मीकि , 53किलो प्राचीता दुबे , 55किलो प्रीति मिश्रा ,

54किलो श्रुति द्विवेदी , 59किलो अदिति त्रिपाठी , 62किलो पारुल अग्रवाल , 68किलो निधि सिंह , 72किलो आस्था चौबे , 76किलो वंशिका दुबे।

कुश्ती (पुरुष) :- 55किलो अमन चौरसिया ,57किलो सत्यम नामदेव, 61किलो नम्र नीत नामदेव, 65 किलो सत्यम ,74किलो विपिन, 78 किलो मनोज कुमार डांगी , 80 किलो अभिनव दुबे , 84किलो संचित साहू , 92 किलो अभिषेक उपाध्याय , 100 किलो प्रताप राज तिवारी, 70 किलो प्रभास कुमार ।

कबड्डी कबड्डी कबड्डी....

विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में हुआ देशज खेलों का आयोजन , छात्र-छात्राओं में दिखा जोश और जुनून गौर उत्सव के अंतर्गत गौर प्रांगण में आयोजित खेलों में विभिन्न खेल देखने को मिले जैसे- काना दुआ , नींबू चम्मच और कबड्डी। खेलों का आयोजन

सांस्कृतिक परिषद के तहत किया जा रहा है। कार्यक्रम के अतिथि संतोष सोहगौरा , डॉ आशुतोष , डॉ विवेक जसवाल , डॉ आफरीन, डॉ रश्मि सिंह, डॉ शालिनी उपस्थित थे। प्रतियोगिता की शुरुआत संस्कृतिक परिषद के समन्वयक डॉ राकेश सोनी ने सिक्का उछाल कर किया। कबड्डी के निर्णायक मंडल में डॉ. भरत कुमार साहू , विकास कोरी, विनय शुक्ला, अनवर खान और प्रदीप आठिया एवं अन्य प्रतियोगिताएं विभिन्न निर्णायकों की उपस्तिथि में गौर समाधि प्रांगण में संपन्न हुआ।

इन खेलों में विश्वविद्यालय की विभिन्न स्कूलों की प्रतिभागिता रही। चयन प्रकिया के अनुसार पहले अलग-अलग स्कूल का इंटर-स्कूल मैच हुआ और फिर अंतिम चयन हुआ।

स्कूल ऑफ लॉ , स्कूल ऑफ एजुकेशन , स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज के विभिन्न विभागों की अधिक प्रतिभागिता दिखी। साथ ही इन खेल क्रीड़ाओं में लड़को की अपेक्षा लड़कियों की प्रतिभागिता अधिक रही।

नींबू चम्मच (पुरुष) की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर प्रशांत तिवारी, द्वितीय स्थान पर प्रसन्न विश्वकर्मा, तृतीय स्थान पर कनिष्क श्रीवास्तव रहे और महिला वर्ग में योगिता और प्रगति श्रीवास्तव रहे अव्व्ल।

काना दुआ(बालिका) प्रथम स्थान पर अपूर्वा भदौरिया और सिमरन जैन (AIS) रहे।

द्वितीय स्थान पर अंजली गौर और सची जैन(SES), तृतीय स्थान पर साक्षी राजपूत और श्रद्धा विश्वकर्मा (SES)

काना दुआ (पुरुष) प्रथम स्थान पर रहे सृजन आठिया एवं पवन पटेल (EAT), द्वितीय स्थान पर रहे रूखमणी दत्त एवं अमन गुप्ता (SES), तृतीय स्थान पर रहे दीपांशु निरंजन एवं मोहित भात्रे (SAL) कबड्डी (महिला) प्रथम स्थान पर एच एस एस , द्वितीय स्थान पर एस ओ एल , तृतीय स्थान पर एस ए एल की टीम रही। वहीं कबड्डी (पुरुष) प्रथम स्थान पर एस ई एस और द्वितीय स्थान पर एस ए एल की टीम रही। प्रतियोगिता का संचालन छात्र परिषद के सदस्यों ने किया एवं आभार सांस्कृतिक परिषद के समन्वयक डॉ राकेश सोनी ने किया।

---------------------------//-----------------------

ख़बरों में गौर उत्सव - 2022

डॉ. गौर हम सभी के हैं, सामूहिक संकल्प और सहयोग से उनके सपनों को साकार करेंगे : कुलपति

सागर दिनकर

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 153वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 20 नवंबर से 26 नवंबर तक 'गौर उत्सव' 2022 का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में विश्वविद्यालय के अतिथि गृह के सम्मेलन कक्ष में आयोजित पत्रकार-वार्ता कार्यक्रम में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय सात दिनों तक विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। सागर शहर और विश्वविद्यालय परिवार अपने पितृ पुरुष की जन्म जयन्ती को मिल जुलकर उत्साहपूर्वक एक उत्सव के रूप में मनायेगा। उन्होंने कहा कि डॉ. गौर के संकल्प और सपनों को साकार करना हमारा दायित्व है. गौर उत्सव को यादगार बनाने के उद्देश्य से पूरे सप्ताह कई अकादमिक-सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित की जायेंगी. इस बार मध्य प्रदेश शासन द्वारा गौर जयंती को 'सागर गौरव उत्सव' के रूप में मनाया जा रहा है जिसमें मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जी का भी कार्यक्रम प्रस्तावित है। उन्होंने 'गौर पीठ' की स्थापना के संबंध में बातचीत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय पूरी तैयारी कर रहा है कि जल्द ही 'गौर पीठ' की स्थापना हो और इसमें डॉ. गौर के बहुआयामी व्यक्तित्व और कृतित्व के पर शोध एवं अनुसंधान हो। इसकी तैयारी चल रही है। डॉ गौर को भारत रत्न दिलाने संबंधी प्रयासों को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि हम लोग इसके लिए पूर्ण प्रयासरत हैं। सांस्थानिक, राजनीतिक और सामाजिक प्रयासों की एकजुटता से हम डॉ. गौर को देश का सर्वोच्च सम्मान दिलाने में हम जरूर सफल हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि आजकल सोशल मीडिया का प्रचलन बढ़ गया है। हम सबका पूरा प्रयास है कि डॉ. गौर को चाहने वाले, जो देश-विदेश के विभिन्न हिस्सों में फैले हैं उन्हें भी वर्चुअल माध्यम से जुड़ने का मौका मिल सके. उन्होंने कहा कि यह केवल विश्वविद्यालय का ही आयोजन नहीं बल्कि पूरे सागर शहर का आयोजन है. उन्होंने कहा कि गौर उत्सव के विविध आयोजनों में शहर और विश्वविद्यालय से जुड़े प्रत्येक नागरिक का स्वागत और अभिनन्दन है और पत्रकार बंधुओं से अपेक्षा है कि मीडिया के माध्यम से डॉ. गौर जयन्ती के अवसर पर विभिन्न गतिविधियों का व्यापक प्रचार-प्रसार करें, उनके विचारों, कार्यों और सपनों को जन-जन तक पहुचाएं। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

गौर उत्सव आयोजन के मुख्य समन्वयक प्रो. सुबोध जैन ने सात दिवसीय आयोजन की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल ने किया तथा आभार कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने ज्ञापित किया. इस अवसर पर सह समन्वयक प्रो. एस. के जैन, डॉ. पंकज तिवारी, डॉ. राकेश सोनी, डॉ. हिमांशु कुमार, माधव चंद्र मौजूद रहे।

सागर, गुरुवार 17 नवंबर, 2022 | 04

पहली बार लगेगा गौर मेला, फ्लॉवर डेकोरेशन-शो भी देख सकेंगे लोग

भास्कर संवाददाता | सागर

सागर विश्वविद्यालय के संस्थापक दानवीर डॉ. हरीसिंह गौर के 153वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में 20 से 26 नवंबर तक गौर उत्सव-2022 मनेगा। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बुधवार को पत्रकारवार्ता में कहा सागर शहर और विश्वविद्यालय परिवार अपने पितृ पुरुष की जन्म जयंती को मिलजुलकर उत्साहपूर्वक एक उत्सव के रूप में मनाएगा। डॉ. गौर के संकल्प और सपनों को साकार करना हमारा दायित्व है। मध्यप्रदेश शासन द्वारा गौर जयंती को सागर गौरव दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने संबंधी प्रयासों को बताते हुए उन्होंने कहा हम लोग इसके लिए पूर्ण प्रयासरत हैं। सांस्थानिक, राजनीतिक और सामाजिक प्रयासों की एकजुटता से डॉ. गौर को देश का सर्वोच्च सम्मान दिलाने में हम जरूर सफल हो सकते हैं। उन्होंने कहा आजकल सोशल मीडिया का प्रचलन बढ़ गया है। हम सबका पूरा प्रयास है कि डॉ. गौर को चाहने वाले, जो देश-विदेश के विभिन्न हिस्सों में फैले हैं उन्हें भी वर्चुअल माध्यम से जुड़ने का मौका मिल सके। यह केवल विश्वविद्यालय का ही आयोजन नहीं बल्कि पूरे सागर शहर का आयोजन है। इस बार हम पहली बार जयंती पर गौर मेला लगा रहे हैं। यह 25 से 26 नवंबर तक गौर समाधि प्रांगण में ही लगेगा। इसके साथ ही 25 नवंबर को नवीन प्रशासनिक भवन के सामने फ्लॉवर डेकोरेशन-शो भी होगा। गौर उत्सव के विविध आयोजनों में शहर और विश्वविद्यालय से जुड़े प्रत्येक नागरिक का स्वागत और अभिनंदन है। गौर उत्सव आयोजन के मुख्य समन्वयक प्रो. सुबोध जैन ने सात दिवसीय आयोजन की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। संचालन मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल ने किया। आभार कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने माना। इस मौके पर सह समन्वयक प्रो. एसके जैन, डॉ. पंकज तिवारी, डॉ. राकेश सोनी, डॉ. हिमांशु कुमार, माधवचंद्र आदि मौजूद रहे। गौर जयंती के उपलक्ष्य में आकाशवाणी सागर से विशेष प्रसारण 25 नवंबर को सुबह 10 बजकर 10 मिनट से होगा। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की वार्ता के बाद गौर गीत का प्रसारण होगा। 26 नवंबर को सुबह 10.30 बजे से राष्ट्रीय रूपक "ज्ञान दानी सागर रत्न डा. गौर की प्रस्तुति आएगी। इसके लेखक डॉ. ललित मोहन हैं। प्रस्तुति डॉ. संजय सिंह की रहेगी।

पहली बार लगेगा गौर मेला, फ्लॉवर डेकोरेशन-शो भी देख सकेंगे लोग

भास्कर संवाददाता | सागर

सागर विश्वविद्यालय के संस्थापक दानवीर डॉ. हरीसिंह गौर के 153वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में 20 से 26 नवंबर तक गौर उत्सव-2022 मनेगा। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बुधवार को पत्रकारवार्ता में कहा सागर शहर और विश्वविद्यालय परिवार अपने पितृ पुरुष की जन्म जयंती को मिलजुलकर उत्साहपूर्वक एक उत्सव के रूप में मनाएगा। डॉ. गौर के संकल्प और सपनों को साकार करना हमारा दायित्व है। मध्यप्रदेश शासन द्वारा गौर जयंती को सागर गौरव दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने संबंधी प्रयासों को बताते हुए उन्होंने कहा हम लोग इसके लिए पूर्ण प्रयासरत हैं। सांस्थानिक, राजनीतिक और सामाजिक प्रयासों की एकजुटता से डॉ. गौर को देश का सर्वोच्च सम्मान दिलाने में हम जरूर सफल हो सकते हैं। उन्होंने कहा आजकल सोशल मीडिया का प्रचलन बढ़ गया है। हम सबका पूरा प्रयास है कि डॉ. गौर को चाहने वाले, जो देश-विदेश के विभिन्न हिस्सों में फैले हैं उन्हें भी वर्चुअल माध्यम से जुड़ने का मौका मिल सके। यह केवल विश्वविद्यालय का ही आयोजन नहीं बल्कि पूरे सागर शहर का आयोजन है। इस बार हम पहली बार जयंती पर गौर मेला लगा रहे हैं। यह 25 से 26 नवंबर तक गौर समाधि प्रांगण में ही लगेगा। इसके साथ ही 25 नवंबर को नवीन प्रशासनिक भवन के सामने फ्लॉवर डेकोरेशन-शो भी होगा। गौर उत्सव के विविध आयोजनों में शहर और विश्वविद्यालय से जुड़े प्रत्येक नागरिक का स्वागत और अभिनंदन है। गौर उत्सव आयोजन के मुख्य समन्वयक प्रो. सुबोध जैन ने सात दिवसीय आयोजन की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। संचालन मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल ने किया। आभार कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने माना। इस मौके पर सह समन्वयक प्रो. एसके जैन, डॉ. पंकज तिवारी, डॉ. राकेश सोनी, डॉ. हिमांशु कुमार, माधवचंद्र आदि मौजूद रहे। गौर जयंती के उपलक्ष्य में आकाशवाणी सागर से विशेष प्रसारण 25 नवंबर को सुबह 10 बजकर 10 मिनट से होगा। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की वार्ता के बाद गौर गीत का प्रसारण होगा। 26 नवंबर को सुबह 10.30 बजे से राष्ट्रीय रूपक "ज्ञान दानी सागर रत्न डा. गौर की प्रस्तुति आएगी। इसके लेखक डॉ. ललित मोहन हैं। प्रस्तुति डॉ. संजय सिंह की रहेगी।

ग्रेटरपल सुविधायुक्त प्रकाशन
राष्ट्रीय हिन्दी मेल
न दबाव, न भेदभाव
इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और रायपुर से एक साथ प्रकाशित
दिनांक- 21/11/2022 पृष्ठ क्रमांक- 2 संस्करण- भोपाल प्रधान संपादक- विजय कुमार

गौर उत्सव का प्रारंभ विवि खेल मैदान पर टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच

सागर। रविवार को गौर उत्सव का प्रारंभ विवि खेल मैदान पर टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच ग्रुप में विवि शिक्षक अधिकारी कर्मचारी एकादश बनाम संबद्ध महाविद्यालय एकादश के बीच खेल हुआ। जिसमें संबद्ध महाविद्यालय विजयी हुआ। इसके पूर्व उद्घाटन समारोह में प्रो पीके कठल के मुख्य आतिथ्य एवं प्रो सुबोध जैन की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। समारोह में प्रो आरके त्रिवेदी, प्रो वी आई गुरु, प्रो संजय जैन, डॉ उतसव आनन्द, कुलसचिव संतोष सोहगौरा एवं विवि के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं शारीरिक शिक्षा विभाग के समस्त स्टाफ उपस्थित रहें। महिला खेलकूद प्रतियोगिता में विवि महिला शिक्षक अधिकारी एवं महिला क्लब के सदस्यों ने सहभागिता की। इसमें लेमन रेस, म्युनिक चेयर रेस, तिगड़ी रेस एवं डॉल बॉल प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। लेमन रेस में डॉ सुमन पटेल प्रथम, डॉ रश्मि माथुर द्वितीय एवं श्रीमति सीमा उपाध्याय तृतीय स्थान पर रहीं। म्युजिकल रेस में ओमिका सिंह प्रथम, कांति पैकरा द्वितीय, सरोज आनन्द तृतीय स्थान पर रहीं। तिगड़ी रेस में डॉ रश्मि सिंह एवं डॉ नीलम थापा प्रथम, प्रो अस्मिता गलमिए एवं डॉ संध्या पटेल द्वितीय स्थान पर रहे। डॉल बॉल में डॉ नवजोत कौर, डॉ रितु यादव, डॉ. अंजली भागवत, डॉ. आफरोज बेगम, श्रीमति ओमिका सिंह, अमिता सोनी, श्रीमति नूतन शर्मा, डॉ रेखा गर्ग सोलंकी, श्रीमति सरोज आनंद, डॉ रत्ना शुक्ला का ग्रुप विजयी रहा।

सागर विवि में 20 नवंबर से शुरू होगा गौर उत्सव, खेलकूद, काव्य पाठ, प्रदर्शनी का होगा आयोजन

प्रवेश संवाद ☀ सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 153वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में 20 नवंबर से 26 नवंबर तक गौर उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया कि विवि में 7 दिनों तक खेलकूद से लेकर काव्य पाठ, साहित्य प्रदर्शनी और गौर मेला आदि कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। कार्यक्रम का संचालन मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल ने किया और आभार कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने माना।

क्रिकेट मैच से होगी गौर उत्सव की शुरुआत: गौर उत्सव की शुरुआत 20 नवंबर को सुबह 10 बजे से क्रिकेट मैच के साथ की जाएगी। जिसमें विश्वविद्यालय शिक्षक और अधिकारी-कर्मचारी एकादश के बीच मैत्री मैच होगी। यह प्रतियोगिताएं अब्दुल गनी खान स्टेडियम में आयोजित की जाएंगी।

21 नवंबर- एडवोकेट एकादश और सागर पत्रकार एकादश के बीच क्रिकेट मैच होगा। इसके बाद स्वर्ण जयंती हाल में विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी।

22 नवंबर- केवी-4 के विद्यार्थी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देंगे और क्रिकेट का फाइनल मैच खेला जाएगा।

23 नवंबर- दोपहर 3 बजे से विश्वविद्यालय के शिक्षकों व अधिकारियों का काव्य पाठ स्वर्ण जयंती सभागार में होगा।

24 नवंबर- सुबह 11 बजे से गौर व्याख्यान माला एवं विश्वविद्यालय एल्युमनी एसोसिएशन का आयोजन और गौर साहित्य प्रदर्शनी जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय में आयोजित होगी।

25 नवंबर- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की वार्ता एवं गौर गीत का प्रसारण, गौर समाधि प्रांगण में गौर मेला, गौर मूर्ति तीनबत्ती पर दीप प्रज्वलन

26 नवंबर- सुबह 8.30 बजे से गौर मूर्ति तीनबत्ती पर माल्यार्पण, शोभायात्रा, गौर जयंती मुख्य समारोह आयोजन होगा।

अधिवक्ता एकादश ने पत्रकार एकादश को 8 विकेट से हराकर फाइनल में बनाई जगह

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. गौर उत्सव के दूसरे दिन अब्दुल गनी स्टेडियम में दूसरा सेमीफाइनल पत्रकार एकादश एवं अधिवक्ता एकादश के मध्य खेला गया। इसमें अधिवक्ता एकादश ने पत्रकार एकादश को 8 विकेट से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। इसके पूर्व मैदान पर प्रो. आरके त्रिवेदी, शैलेंद्र ठाकुर संरक्षक पत्रकार एकादश, निदेशक डॉ. आनंद उत्सव ने दोनों टीम के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया।

मैच में अधिवक्ता एकादश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। 15 ओवर के इस मैच में पत्रकार एकादश ने 8 विकेट खोकर 91 रन बनाए। दिनेश परिहार ने सर्वाधिक 37 रन और ब्रजेश दुबे ने 13 रन बनाए। अधिवक्ता की ओर से चंद्रप्रकाश ने सर्वाधिक 3 विकेट लिए। जवाबी पारी खेलते हुए अरविंद नेमा ने 48 व दिव्यांशु एवं संदीप ने 12-12 रन बनाकर लक्ष्य हासिल किया। पत्रकार एकादश की ओर से शत्रुघ्न और दिनेश ने एक-एक विकेट लिया। इस अवसर पर डॉ. सुमन पटेल, विनय शुक्ला, अनवर खान शारीरिक शिक्षा विभाग से उपस्थित रहे। मैच के अंपायर हिमांशु तिवारी, रेहान खान एवं उत्कर्ष चौबे थे।

फाइनल मैच...

आदित्य ज्योति/-सागर। गौर उत्सव के तीसरे दिन अब्दुल गनी स्टेडियम में फाइनल मैच महाविद्यालय एवं अधिवक्ता एकादश के मध्य खेला गया। जिसमें अधिवक्ता एकादश ने फाइनल मैच जीता । इस अवसर पर डॉ सुमन पटेल, डॉ. रंजन मोहंती, विनय शुक्ला, अनवर खान शारीरिक शिक्षा विभाग से उपस्थित रहे मैच के अंपायर हिमांशु तिवारी रेहान खान एवं उत्कर्ष चौबे थे।

तबला वादन से हुआ गौर गौरव उत्सव का आगाज़

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर की सांस्कृतिक परिषद के तत्वावधान में स्वर्ण जयंती सभागार में कल दिन शुक्रवार 18 नवंबर को तबला वादन प्रतियोगिता के साथ 9 दिवसीय गौर गौरव उत्सव का शुभारंभ मुख्य अतिथि , प्रभारी कुलपति प्रो. पी.के. कठ्ल, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. ए.डी. शर्मा, प्रो. आशीष वर्मा, कुलानुशासक प्रो. चंदा बेन एवं सांस्कृतिक समन्वयक डॉ राकेश सोनी की उपस्थिति में हुआ। सर्वप्रथम तबला वादन प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल द्वारा डॉ गौर एवं सरस्वती पूजन तथा माल्यार्पण के उपरांत ·प्रतियोगिता आरंभ हुई। निर्णायक मंडल में डॉ. राहुल स्वर्णकार, शैलेंद्र सिंह राजपूत ,एवम पार्थो घोष थे। प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों के प्रतिभागियों ने अपनी सराहनीय प्रस्तुति दी। इसके पश्चात मूक अभिनय प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल के रूप में रोहित रजक, शुभांगिनी श्रीवास, एवम बालमुकुंद अहिरवार उपस्थित रहे। मूकाभिनय में प्रतिभागियों द्वारा बिना किसी संवाद के विचारों की अभिव्यक्ति का शानदार प्रदर्शन किया गया। इसके साथ ही विवि के कणाद भवन में प्रश्नमंच प्रतियोगिता भी संपन्न हुई जिसमें बुंदेलखंड की विरासत से संबंधित प्रश्न पूछे गए। प्रतियोगिता में डॉ. पंकज़ सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके उपरांत बहुप्रतीक्षित विधा एकल गायन के प्रतिभागियों ने गौर गौरव उत्सव के अफसाने को बरकरार रखते हुए दर्शकों और निर्णायकों को अपनी प्रस्तुति से प्रभावित किया। गायन विधा में डॉ अवधेश तोमर, पार्थो घोष एवम यश गोपाल श्रीवास्तव ने निर्णायक की भूमिका निभाई। प्रतिभागियों की प्रस्तुति का मूल्यांकन गीत चयन, प्रस्तुति शैली, स्वर, ताल, मंचीय प्रभाव एवम उपरोक्त समस्त बिंदुओं में प्रतिभागी के समन्वयन क्षमता के आधार पर किया गया। मंच पार्श्व के कलाकारों में संगीत विभाग के छात्र रहे। गौर गौरव उत्सव के पहले दिवस में लगभग 200 छात्र छात्राओं ने प्रतिभागिता की। प्रथम दिवस को प्रतियोगिताओं एवम प्रस्तुतियों ने आयोजन को एक अलग उत्साह प्रदान किया जिसके अनुरूप प्रथम दिवस का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस आयोजन के द्वितीय दिवस में आज दिनांक 19 नवंबर शनिवार को स्वर्ण जयंती सभागार में 12 बजे से एकल एवम समूह नृत्यों की प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

विश्वविद्यालय सम्बद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम में दी अपनी प्रस्तुति

संकल्प का कोई विकल्प नहीं होता: पटेल

सागर आचरण

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक सर डॉ. हरीसिंह गौर की 153 वीं जयंती के उपलक्ष्य में गौर उत्सव सप्ताह 2022 के दूसरे दिन विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम 'शुभारम्भ' आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत ज्ञानदेवी सरस्वती एवं डॉ. गौर प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सरस्वती वंदना के साथ हुई। वंदना की प्रस्तुति सुन्दरलाल श्रीवास्तव महाविद्यालय, मकरोनिया की छात्राओं द्वारा दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केन्द्रीय राज्यमंत्री माननीय प्रहलाद सिंह पटेल, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति प्रो पी. के. कठ्ल, सागर सांसद राजबहादुर सिंह, नगर विधायक शैलेन्द्र जैन, वरिष्ठ समाजसेवी सुशील तिवारी, गौर उत्सव के मुख्य समन्वयक प्रो. सुबोध जैन, महाविद्यालयीन विकास परिषद के संचालक प्रो. बी. आई गुरु, संबद्ध महाविद्यालय संघ अध्यक्ष डॉ. आशीष पटैरिया, विश्वविद्यालय के कुलसचिव संतोष सोहगौरा उपस्थित रहे. स्वागत भाषण डॉ सुशील गुप्ता, टाइम्स कॉलेज, दमोह ने दिया। विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति प्रो. पी.के. कठ्ल ने विश्वविद्यालय के प्रगति को साझा करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय निरंतर अपने विकास के नए सोपान गढ़ रहा है. आने वाले समय में कई नए भवन बनकर तैयार होंगे जिससे विद्यार्थियों को ज्यादा सुविधाएं प्राप्त होंगी. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से विश्वविद्यालय अपने पाठ्यक्रमों का निर्माण और क्रियान्वयन कर रहा है. विश्वविद्यालय साप्ताहिक गौर उत्सव मना रहा है और साथ ही समूचा सागर शहर और बुंदेलखंड उनको नमन कर रहा है यह डॉ. गौर के प्रति लोगों की श्रद्धा और प्रेम ही है. उन्होंने कहा कि डॉ. गौर के आदर्शों पर हम नित दिन कार्य करें और अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दें। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

मुख्य अतिथि केन्द्रीय राज्यमंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि डॉ. गौर ने कहा था कि राष्ट्र का धन कल-कारखाने, मशीनों के पुर्जे और सोना-चांदी नहीं है बल्कि जीवित मनुष्य ही राष्ट्र का असली धन है। उन्होंने कहा जिस प्रकार धरती प्रकृति प्रदत्त चीजों को संजोकर रखती है, सींचती है, संरक्षित रखती है उसी प्रकार उससे लाभान्वित होने वाले व्यक्ति का कर्तव्य है कि उसकी रक्षा करे और उसके विकास में अपना योगदान दे. डॉ. गौर द्वारा स्थापित इस विश्वविद्यालय के प्रति भी जनमानस और विशेष रूप से यहाँ पढने वाले छात्रों को का भी कर्तव्य है कि डॉ. गौर और उनके सपनों के संस्थान के प्रति सदैव कृतज्ञ रहें और इसको बनाए रखने के लिए अपना हर संभव योगदान दें. उन्होंने कहा कि डॉ. गौर ने बुंदेलखंड में शिक्षा का दीप जलाया. उनके भागीरथ प्रयास से यह विश्वविद्यालय स्थापित हुआ. उनके जैसा महादानी और महापुरुष हिन्दुस्तान में दूसरा नहीं है. उन्होंने कहा की शिक्षा का मतलब जिम्मेदारी स्वीकारना और उसे पूर्ण करना है. बिना शिक्षा के दुनिया की चुनौतियों का सामना नहीं किया जा सकता. जहां एक तरह दुनिया की महाशक्तियां युद्ध की रचना कर उसका सामना कर रही है वहीं भारत पूरे विश्व में शान्ति का सन्देश दे रहा है और सभी देश इस पर अमल कर रहे हैं. यही भारत की ताकत है. उन्होंने कहा कि 21वीं शताब्दी ज्ञान की शताब्दी है. नई शिक्षा नीति के माध्यम से संस्कार देने वाली और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का क्रियान्वयन किया जा रहा है. इसे दृढ़ मन और संकल्प के साथ लागू किया जाना चाहिए. बुंदेलखंड स्वतंत्रता के अमर शहीदों की धरती रही है. आज इतिहास फिर से लिखा जा रहा है. ऐसे अमर व्यक्तित्वों को याद रखने का यही तरीका है कि हम उनके द्वारा बताये गए मूल्यों और आदर्शों में से किसी एक आदर्श को अपने जीवन में अपना कर देखें और अपने संकल्प का मूल्यांकन करें. संकल्प का कोई विकल्प नहीं होता. संकल्प से महानतम कार्य सिद्ध हो जाते हैं और संकल्प व्यक्ति के अंतःकरण से ही निकलता है इसमें दूसरे का कोई सहयोग नहीं होता है। सम्बद्ध महाविद्यालयों ने दी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति कालबेलिया, कठपुतली नृत्य, भजन और देशभक्ति गीतों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोहा डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर से सम्बद्ध महाविद्यालयों बी.टी. इन्स्टीटयूट ऑफ एक्सीलेन्स मकरोनिया, सागर के विद्यार्थियों ने गणेश वंदना व देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया. टाइम्स कालेज दमोह के, छात्र-छात्राओं ने कठपुतली नृत्य, समूह नृत्य व एकल नृत्य प्रस्तुत किया. बी.के.पी. महाविद्यालय मालथौन के विद्यार्थियों ने मूक अभिनय, बी.टी. इन्स्टीटयूट ऑफ एक्सीलेन्स के विद्यार्थियों ने राजस्थान का प्रसिद्ध कालबेलिया नृत्य, राजीव लोचनाचार्य महाविद्यालय खुरई के विद्यार्थियों ने मराठी समूह नृत्य, बी.टी. इन्स्टीटयूट ऑफ एक्सीलेन्स महाविद्यालय एकल व समूह गायन, बी.के.पी. महाविद्यालय मालथौन के विद्यार्थियों ने कालबेलिया डांस, ओम श्री महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने एकल गायन भजन, टाइम्स कालेज दमोह के विद्यार्थियों ने डॉ. गौर के जीवन पर संबंधित नाटिका, सुन्दरलाल श्रीवास्तव महाविद्यालय, बी.टी. इन्स्टीटयूट ऑफ एक्सीलेन्स, सुन्दरलाल श्रीवास्तव महाविद्यालय रजाखेड़ी सागर द्वारा कालबेलिया डांस, टाइम्स कालेज दमोह द्वारा पिता के व्यक्तित्व पर नृत्य एवं नाटिका, ओम श्री महाविद्यालय सदर सागर द्वारा एकल गायन भजन एवं समूह गायन, बी.टी. इन्स्टीटयूट ऑफ एक्सीलेन्स, एकल नृत्य शास्त्रीय, पं. भागीरथ विलगैया महाविद्यालय बीना द्वारा एकल नृत्य शास्त्रीय एवं डांस की प्रस्तुति दी. मंच का संचालन डॉ. अवनीश मिश्रा ने किया. संबंद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यकम धन्यवाद प्रस्ताव डॉ. राजू टंडन प्राचार्य बी. टी. आई. ई. सागर द्वारा किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के पूर्व अतिथियों द्वारा गौर समाधि पर दी गई पुष्पांजलि केन्द्रीय राज्यमंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार ने गौर प्रांगण स्थित गौर समाधि पहुंचकर डॉ. हरीसिंह गौर को श्रद्धांजलि दी।

गौर उत्सव में केंद्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुति

आदित्य ज्योति/- सागर

विश्वविद्यालय में डॉ. सर हरिसिंह गौर की 153वीं जयंती के उपलक्ष्य में 20-26 नवंबर 2022 तक गौर उत्सव के अंतर्गत विद्यालयीन सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन केन्द्रीय विद्यालय क्र 4 डीएचएसजीवीवी, सागर में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत चित्रकला आधारित प्रदर्शनी के साथ हुई । जिसमें विद्यालय के छात्र-छात्राओ द्वारा विभिन्न कलाकृतियों का प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनी का

उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. नवीन कांगो ने किया। प्राचार्य डॉ. ब्रजेश कुमार पाण्डेय द्वारा अतिथियों का स्वागत किया । गणेश वंदना के माध्यम से शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत किया गया जिसमें संतुलन, समन्वय और शक्ति का चित्रण किया गया। नौवीं कक्षा की छात्रा शानवी सेन द्वारा सर डॉ हरिसिंह गौर के जीवन पर प्रकाश डालते हुये उनके व्यक्तित्व व कृतित्व को बताते हुये अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। नन्हे-मुन्ने बच्चो द्वारा माता-पिता का सम्मान करना विषय पर नाटिका प्रस्तुत की गई। अतिथियों द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त वाले छात्रों को पुरस्कार वितरण किए गए। कार्यक्रम में प्रो. सुबोध कुमार जैन, प्रो. आरके त्रिवेदी, प्रो. श्वेता यादव, डॉ दीपाली जाट, डा भावना रेवाड़ीकर उपस्थित थीं।

गौर उत्सव • विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी

डॉ. गौर के जैसा महादानी, महापुरुष हिंदुस्तान में दूसरा नहीं है, उनके सपनों के संस्थान के प्रति सदैव कृतज्ञ रहें : पटेल

भास्कर संवाददाता | सागर

सागर विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर की 153वीं जयंती के उपलक्ष्य में गौर उत्सव सप्ताह-2022 के दूसरे दिन स्वर्ण जयंती सभागार में विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया। मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा डॉ. गौर ने कहा था राष्ट्र का धन कल-कारखाने, मशीनों के पुर्जे और सोना-चांदी नहीं हैं बल्कि जीवित मनुष्य ही राष्ट्र का असली धन हैं। जिस प्रकार धरती प्रकृति प्रदत्त चीजों को संजोकर रखती है, सींचती है, संरक्षित रखती है। उसी प्रकार उससे लाभान्वित होने वाले व्यक्ति का कर्तव्य है कि उसकी रक्षा करे और उसके विकास में अपना योगदान दे। डॉ. गौर द्वारा स्थापित इस विश्वविद्यालय के प्रति भी जनमानस और विशेष रूप से यहां पढ़ने वाले छात्रों का भी कर्तव्य है कि डॉ. गौर और उनके सपनों के संस्थान के प्रति सदैव कृतज्ञ रहें और इसको बनाए रखने के लिए अपना हर संभव योगदान दें। डॉ. गौर ने बुंदेलखंड में शिक्षा का दीप जलाया। उनके भागीरथी प्रयास से यह विश्वविद्यालय स्थापित हुआ। उनके जैसा महादानी और महापुरुष हिंदुस्तान में दूसरा नहीं है। बुंदेलखंड स्वतंत्रता के अमर शहीदों की धरती रही है। आज इतिहास फिर से लिखा जा रहा है। ऐसे अमर व्यक्तित्वों को याद रखने का यही तरीका है कि हम उनके द्वारा बताए गए मूल्यों और आदर्शों में से किसी एक आदर्श को अपने जीवन में अपनाकर देखें और अपने संकल्प का मूल्यांकन करें। संकल्प का कोई विकल्प नहीं होता। संकल्प से महानतम कार्य सिद्ध हो जाते हैं और संकल्प व्यक्ति के अंतःकरण से ही निकलता है। इसमें दूसरे का कोई सहयोग नहीं होता है। प्रभारी कुलपति प्रो. पीके कठल ने कहा विश्वविद्यालय निरंतर अपने विकास के नए सोपान गढ़ रहा है। आने वाले समय में कई नए भवन बनकर तैयार होंगे, जिससे विद्यार्थियों को ज्यादा सुविधाएं प्राप्त होंगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से विश्वविद्यालय अपने पाठ्यक्रमों का निर्माण और क्रियान्वयन कर रहा है। विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में बीटी इंस्टीट्यूट ऑफ एक्सीलेंस मकरोनिया के विद्यार्थियों ने गणेश वंदना, देशभक्ति गीत कालबेलिया नृत्य, एकल व समूह गायन प्रस्तुत किया। टाइम्स कॉलेज दमोह के विद्यार्थियों ने कठपुतली नृत्य, समूह नृत्य व एकल नृत्य प्रस्तुत किया। बीकेपी महाविद्यालय मालथौन के विद्यार्थियों ने मूक अभिनय, कालबेलिया नृत्य, राजीव लोचनाचार्य महाविद्यालय खुरई के विद्यार्थियों ने मराठी समूह नृत्य, ओमश्री महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने एकल गायन भजन, सुंदरलाल श्रीवास्तव महाविद्यालय रजाखेड़ी द्वारा कालबेलिया नृत्य, ओमश्री महाविद्यालय सदर द्वारा एकल गायन भजन एवं समूह गायन, पं. भागीरथ बिलगैया महाविद्यालय बीना द्वारा एकल नृत्य शास्त्रीय एवं डांस की प्रस्तुति दी गई। संचालन डॉ. अवनीश मिश्रा ने किया। आभार प्राचार्य डॉ. राजू टंडन ने माना। मंत्री पटेल ने गौर समाधि पहुंचकर डॉ. गौर को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में सांसद राजबहादुर सिंह, विधायक शैलेन्द्र जैन, महापौर प्रतिनिधि डॉ. सुशील तिवारी, गौर उत्सव के मुख्य समन्वयक प्रो. सुबोध जैन, कुलसचिव संतोष सोहगौरा, महाविद्यालयीन विकास परिषद के संचालक प्रो. वीआई गुरु, संबद्ध महाविद्यालय संघ के अध्यक्ष डॉ. आशीष पटैरिया आदि मौजूद थे। स्वागत भाषण डॉ. सुशील गुप्ता ने दिया।

गौर साहित्य प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. विश्वविद्यालय के जवाहर लाल नेहरू ग्रंथालय परिसर में डॉ. हरि सिंह गौर से संबंधित साहित्य की प्रदर्शनी का उद्घाटन कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने किया। यह प्रदर्शनी दो दिन और लगेगी। इस प्रदर्शनी में डॉ. हरीसिंह गौर द्वारा लिखित पुस्तकों, चित्रों एवं अन्य दुर्लभ साहित्य लगाई गई हैं, जिससे डॉ. गौर के विराट व्यक्तित्व के आयामों को जाना- समझने में मदद मिलेगी।

आयोजन। रस्सा कस्सी, कुश्ती, पिट्ठू खेलों का गौर समाधि ग्राउंड पर आज 11 बजे से होगा आयोजन

विवि के गौर प्रांगण में हुआ देशज खेलों का आयोजन छात्र-छात्राओं में दिखा जुनून

आचरण संवाददाता।

सागर। गौर उत्सव के अंतर्गत गौर प्रांगण में आयोजित खेलों में विभिन्न खेल देखने को मिले जैसे-काना दुआ, नीबू चम्मच और कबड्डी। खेलों का आयोजन सांस्कृतिक परिषद के तहत किया जा रहा है। कार्यक्रम के अतिथि संतोष सोहगौरा, डॉ आशुतोष, डॉ विवेक जसवाल, डॉ आफरीन, डॉ रश्मि सिंह, डॉ शालिनी उपस्थित थे। प्रतियोगिता की शुरुआत सांस्कृतिक परिषद के समन्वयक डॉ राकेश सोनी ने सिक्का उछाल कर किया। कबड्डी के निर्णायक मंडल में डॉ. भरत कुमार साहू, विकास कोरी, विनय शुक्ला, अनवर खान और प्रदीप आठिया एवं अन्य प्रतियोगिताएं विभिन्न निर्णायकों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इन खेलों में विवि की विभिन्न स्कूलों की प्रतिभागिता रही। चयन प्रकिया के अनुसार पहले अलग-अलग स्कूल का

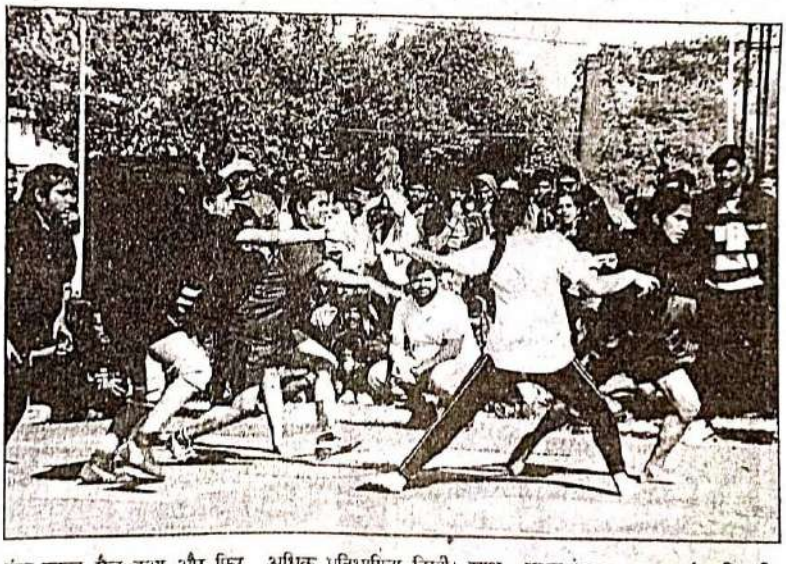

इंटर-स्कूल मैच हुआ और फिर अंतिम चयन हुआ। स्कूल ऑफ लॉ, स्कूल ऑफ एजुकेशन स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज के विभिन्न विभागों की अधिक प्रतिभागिता दिखी। साथ ही इन खेल क्रीड़ाओं में लड़कों की अपेक्षा लड़कियों की प्रतिभागिता अधिक रही। नीबू चम्मच (पुरुष) की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर प्रशांत तिवारी, द्वितीय स्थान पर प्रसन्न विश्वकर्मा, तृतीय स्थान पर कनिष्क श्रीवास्तव रहे और महिला वर्ग में योगिता और प्रगति श्रीवास्तव रहे अव्वल। काना दुआ(बालिका) प्रथम स्थान पर अपूर्वा भदौरिया और सिमरन जैन (AIS) रहे। द्वितीय स्थान पर अंजली गौर और सची जैन(SES), तृतीय स्थान पर साक्षी राजपूत और श्रद्धा विश्वकर्मा (स्थर्स) काना दुआ (पुरुष) प्रथम स्थान पर रहे। (सृजन आठिया एवं पवन पटेल (EAT), द्वितीय स्थान पर रहे रूखमणी दत्त एवं अमन गुप्ता (SES), तृतीय स्थान पर रहे दीपांशु निरंजन एवं मोहित भात्रे (SAL) कबड्डी (महिला) प्रथम स्थान पर एचएसएस, द्वितीय स्थान पर एसओएल, तृतीय स्थान पर एसएएल की टीम रही। वहीं कबड्डी (पुरुष) प्रथम स्थान पर एसईएस और द्वितीय स्थान पर एसएएल की टीम रही। प्रतियोगिता का संचालन छात्र परिषद के सदस्यों ने किया एवं आभार सांस्कृतिक परिषद के समन्वयक डॉ राकेश सोनी ने किया।

संवाद । डॉ. हरीसिंह गौर ने विवि के माध्यम से सारे समाज को शिक्षित किया

छात्र संवाद में बोले अभिनेता राणा व्यक्ति का प्रसिद्ध होने से ज्यादा जरूरी है सिद्ध होना

सागर, आचरण संवाददाता।

24 नवंबर डॉ हरीसिंह गौर की 153वीं जयंती के अवसर पर गौर उत्सव और सागर गौरव दिवस के अंतर्गत विश्वविद्यालय एवं सागर जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में प्रख्यात सिने अभिनेता एवं साहित्यकार आशुतोष राणा का विद्यार्थियों के साथ संवाद कार्यक्रम विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। अभिनेता एवं साहित्यकार आशुतोष राणा के सहपाठी डॉ मनोज शर्मा और विश्वविद्यालय के कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने चौपाल पर प्रश्नोत्तरी के माध्यम से संवाद सत्र का संयोजन किया. डॉ गौर के जीवन से प्रभावित होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि डॉ गौर एक व्यक्ति से व्यक्तित्व बने जब उन्होंने अपनी पूंजी से इस विश्वविद्यालय की स्थापना की और आज हम सबके बीच वे एक विचार के रूप में स्थापित है. उन्होंने सागर विश्वविद्यालय को स्थापित कर यहाँ शिक्षा की नींव रखी। उन्होंने डॉ गौर को शिक्षक के रूप में सराहा और कहा कि सच्चे अर्थों में

शिक्षित व्यक्ति वही है जो सम्पूर्ण समाज को शिक्षित करता है. यही कार्य डॉ गौर ने इस विवि के माध्यम से किया।

विवि की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने भी उनसे संवाद करते हुए इस विवि से छात्र जीवन में उनकी अपेक्षाएं, सपने और विवि की बेहतरी के लिए सुझाव भी मांगे. उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता या कार्यक्रम में प्रतिनिधित्व का सपना वे देखते थे, जिसमें वे युवा उत्सव, एन एस एस के माध्यम से भाग लेते थे. उन्होंने कुलपति से अनुरोध करते हुए सुझाव दिया की सागर विवि में एनएसडी जैसा संस्थान फिल्म एंड टेलीविज़न इंस्टिट्यूट, स्थापित हो। उन्होंने कहा कि इस विवि से निकला हुआ हर विद्यार्थी क्षमता एवं दक्षता के साथ निकले जो स्वयं में एक विवि का प्रतिनिधित्व बने।

सहपाठी रहे मनोज शर्मा ने उनके विद्यार्थी जीवन से जुड़े कई रोचक प्रसंग छेड़े. जैसे उनके हॉस्टल के कमरे में कभी ताला क्यों नहीं लगा, उनके खाने के मित्रों के बारे में , दूसरों की शर्ट आदि पहनने के रोचक किस्से उन्होंने विस्तारपूर्वक बताये. उन्होंने कई दिलचस्प किस्से साझा किये जैसे वह परीक्षा के लिए तैयारी कैसे करते थे. उन्होंने बताया कि सहपाठी जो पढ़ते थे वे बस उन्हें ज़ोर से पढ़ने को कहते थे और सुन कर ही उन्हें याद कर लेते थे।

इस प्रश्न से उन्होंने विद्यार्थियों को श्रवण शक्ति एवं श्रुति आधारित भारतीय ज्ञान परंपरा का महत्व समझाया। विद्यार्थियों के आग्रह पर उन्होंने रश्मिरथी की पंक्तिया, शिव तांडव, प्रिय तुम, बचपन याद आता है एवं माँ पर आधारित कविता सुनाई। उन्होंने अपनी पुस्तक से व्यंग्य मनोविज्ञान के क्रांतिकारी सूत्र का भी पाठ किया. उन्होंने विद्यार्थियों के अन्य सवाल जैसे निरंतर प्रयास करने के बावजूद सफलता न मिलना, आध्यात्मिकत चिंतन को कैसे बढ़ाये आदि गहन प्रश्नों के भी सरलता से उत्तर दिया एवं कहा कि असफलता जैसी कोई चीज़ नहीं होती, हमें बस इच्छित फल प्राप्त नहीं होता है. नियति को स्वीकारते हुए हमें प्रकृति पर भरोसा करना चाहिए कि इससे कुछ और बेहतर होगा. उन्होंने कहा कि असल सुख लक्ष्य की प्राप्ति हेतु जो प्रक्रिया है उसी में होता है क्यूंकि लक्ष्य प्राप्ति के बाद हम फिर कोई दूसरा लक्ष्य निर्धारित कर लेते है।

कार्यक्रम में उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए विस्तारपूर्वक जीवन और शिक्षा के क्षेत्र की जरूरी बातें साझा कीं. उन्होंने तीनबत्ती के कई किस्से साझा किये. उन्होंने अपने कई मित्रों का भी जिक्र किया। कार्यक्रम में सागर जिला कलेक्टर दीपक आर्य, पुलिस अधीक्षक तरुण नायक ने भी संवाद किया। संचालन सांस्कृतिक परिषद के समन्वयक डॉ राकेश सोनी ने किया. परिचय डॉ. आशुतोष ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर युवा नेता गौरव सिरोठिया, सागर नगर के अनेक गणमान्य नागरिक, पत्रकार, समाजसेवी, जिला प्रशासन के कई अधिकारी, पूर्व और वर्तमान छात्र, शिक्षक, कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

अभिनेता आशुतोष राणा ने युवाओं से संवाद में कहा स्व. गौर ने भविष्य देखा

पीपुल्स संवाददाता ● सागर

मो.नं. 9826021098

डॉ. हरिसिंह गौर की 153 वीं जंयती के अवसर पर मनाये जा रहे, गौर उत्सव के अंतर्गत गुरुवार को विवि के स्वर्ण जंयती सभागार में प्रसिद्ध सिनेमा अभिनेता एवं साहित्यकार आशुतोष राणा ने युवाओं से संवाद किया। कार्यक्रम में विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, कलेक्टर दीपक आर्य, पुलिस अधीक्षक तरूण नायक, जिला पंचायत सीईओ क्षितिज सिघंल, प्रभारी कुल सचिव संतोष सोहगौरा, गौरव सिरोठिया, अभिषेक भार्गव, मनोज शर्मा, विवि के प्रध्यापकगण और छात्र-छात्राएं मौजूद थे। युवा संवाद में राणा ने कहा कि विवि की स्थापना के पीछे डॉ. गौर की बड़ी सोच थी कि इस पिछड़े क्षेत्र में शिक्षा का उजाला फैले और यहां की प्रतिभाओं को देश-विदेश में नाम कमाने का मौका मिले। डॉ. गौर ने पिछडे क्षेत्र में शिक्षा का बडा केन्द्र खोला। राणा ने कहा कि उनका सौभाग्य है कि उन्हें यहां पढ़ने का अवसर मिला। यह विवि ही है, जिससे एक गाडरवाड़ा जैसे छोटे स्थान से एक लड़के को इतने उंचाईयां चढने लायक बनाया।

दैनिक भास्कर | सागर | सागर, मंगलवार 22 नवंबर, 2022 02

गौर उत्सव • चौथे दिन रंगोली, क्ले-मॉडलिंग, पोस्टर मेकिंग, मेहंदी, कार्टूनिंग एवं इंस्टॉलेशन प्रतियोगिताएं हुईं, विवि सांस्कृतिक परिषद का आयोजन

क्ले मॉडलिंग में दिखी भारतीय संस्कृति की झलक, रंगोली में कुप्रथाएं रोकने का संदेश

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक परिषद के द्वारा आचार्य शंकर भवन में गौर उत्सव के चौथे दिन सोमवार को रंगोली, क्ले-मॉडलिंग, पोस्टर मेकिंग, मेहंदी, कार्टूनिंग एवं इंस्टॉलेशन प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि प्रो. देवेन्द्र शर्मा एवं प्रो. एडी शर्मा रहे। प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों के प्रतिभागियों ने सहभागिता की। रंगोली प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने सामाजिक कुप्रथा को रोकने का संदेश दिया। साथ ही डॉ. गौर का छायाचित्र बनाया। वहीं क्ले मॉडलिंग के माध्यम से भारतीय संस्कृति को दर्शाया गया। मेहंदी प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने दुल्हन मेहंदी एवं ऐतिहासिक डिजाइन को आकर्षक ढंग से उकेरा। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण के विषय पर ध्यान आकर्षित किया। कार्टूनिंग प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव को दिखाया गया। साथ ही राजनीतिक तंज कसे। वहीं सुप्रसिद्ध कार्टूनिस्ट आरके लक्ष्मण के कार्टून को सुंदर तरीके से दर्शाया गया। युवा उत्सव की इंस्टॉलेशन प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं द्वारा अनुपयोगी सामग्री से वाटर साइकिल, घड़ी, मोर इत्यादि मॉडल बनाए गए। निर्णायक मंडल में असरार अहमद, अंकिता बजाज, डॉ. शालिनी चोइथरानी, डॉ. आफरीन खान एवं डॉ. रश्मि सिंह शामिल थे। इस दौरान डॉ. राकेश सोनी, सचिन पटेल, वीरेंद्र कुमार, प्रसन्न विश्वकर्मा, प्रियंका यादव, कृष्णा, अनुज जैन सहित लगभग 300 प्रतिभागियों ने सहभागिता की।

आज कबड्डी-काना दुआ प्रतियोगिता : गौर दिवस के पांचवे दिन विश्वविद्यालय के डॉ. गौर प्रांगण में दोपहर 12 बजे से कबड्डी, काना दुआ एवं नींबू चम्मच प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है। इन प्रतियोगिताओं में भी विद्यार्थी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं।

पेंटिंग

क्ले मॉडलिंग

रंगोली

मेहंदी

आयोजन । अंतर अध्ययनशाला देशज खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का शुभारंभ

पढ़ाई की दिनचर्या में 'हैप्पीनेस' के लिए भी समय देना आवश्यक है: गुप्ता

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर सांस्कृतिक परिषद के तत्वावधान में अंतर अध्ययन शाला देश खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का शुभारंभ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इसी के साथ विश्वविद्यालय के वर्तमान फाइन आर्ट्स एन्ड परफॉर्मिंग आर्ट्स विभाग के परिसर में हैप्पीनेस सेंटर का भी शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि हम पारंपरिक खेलों के माध्यम से हम भारतीय परंपरा और संस्कृति को पुनर्जीवित करने की दिशा में बढ़ रहे हैं। हैप्पीनेस सेंटर का उदघाटन करते हुए उन्होंने कहा कि आज की तनाव भरी जिन्दगी में खुश रहना बहुत जरूरी है। हमारी दिनचर्या में खुशी महसूस करनेके लिए कई प्रकार की गतिविधियों में शामिल होकर अपने मस्तिष्क और शरीर को स्वस्थ रखें. खुशी के साथ एक महत्त्वपूर्ण बात यह है कि इसे जितना बाँटिये उससे और अधिक खुशी मिलती है. एक खुशदिल इंसान अपने आस-पास के लोगों को भी खुश रख सकता है। हमारे विद्यार्थी पढ़ाई-लिखाई और तमाम तरह के तनाव से मुक्त रखकर और अधिक ऊर्जा और परिश्रम से अपना काम कर सकें इसी उद्देश्य से यह सेंटर शुरू किया जा रहा है. परिसर में ऐसे वातावरण को निर्मित करने में मदद मिलेगी जहां विद्यार्थी सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करने वाली विभिन्न गतिविधियों में शामिल होकर अपने तनाव को दूर कर पायेंगे. एक मजबूत इरादे के साथ की गई शुरुआत का परिणाम सदैव अच्छा होता है. मुझे विश्वास है कि विद्यार्थी अपने भविष्य को बेहतर बनाने में खुशी के इस परिसर का उपयोग करेंगे जहां विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियाँ भी होंगी. उन्होंने कहा कि गौर उत्सव की श्रृंखला में यह आयोजन विश्वविद्यालय की गतिविधियों को और वृहद स्तर पर समृद्ध कर रहा है।

पिट्ठू खेलकर कुलपति ने किया पारंपरिक खेलों का शुभारम्भ

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने पिट्ठू खेलकर पारंपरिक खेलों का शुभारम्भ किया. उन्होंने कहा कि ऐसे कई पारंपरिक खेलों को मैंने भी अपने बचपन में खेला है. ऐसे खेल काफी आनंददायी होते हैं. विद्यार्थियों द्वारा निर्मित प्रतीकात्मक 'गौर उत्सव टीवी' से कुलपति महोदय ने संबोधित करते हुए सभी को शुभकामनाएं प्रदान कीं। सांस्कृतिक परिषद के समन्वयक डॉ राकेश सोनी ने बताया कि विवि के विभिन्न अध्ययनशालाओं के विद्यार्थी इसमें प्रतिभाग करेंगे जिसमें भारतीय पारंपरिक खेल जैसे पिट्ठू, कुश्ती, लंगड़ी, कबड्डी, काना दुआ आदि प्रतियोगिताएं आयोजित कीं जाएंगी। इसी तरह विभिन्न विधाओं जैसे नृत्य, संगीत, नाटक, प्रहसन, भाषण, प्रश्नमंच सहित अन्य सांस्कृतिक गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि अब तक विश्वविद्यालय के लगभग 2200 विद्यार्थी इस आयोजन में सहभागिता के लिए अपना पंजीकरण करा चुके हैं जो विभिन्न गतिविधियों में भाग लेंगे। इस अवसर पर कुलानुशासक प्रो चंदा बेन, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो.एडी शर्मा, कुलसचिव संतोष सोहगौरा, डॉ ललित मोहन, डॉ. राजेन्द्र यादव, डॉ. शालिनी, डॉ. भागवत, डॉ. संजय शर्मा, डॉ अवधेश, डॉ. राहुल स्वर्णकार सहित विभिन्न संकायों के विद्यार्थी उपस्थित थे।

डॉ हरी सिंह गौर विश्वविद्यालय के प्रांगण में हुई विभिन्न प्रतियोगिता प्रतिभागियों में दिखा उत्साह

आदित्य ज्योति/- सागर

डॉ हरी सिंह गौर विश्वविद्यायल के गौर प्रांगण में आयोजित खेलों में विभिन्न खेल देखने को मिले जहाँ काना दुआ, नींबू चम्मच और कबड्डी खेलों का आयोजन सांस्कृतिक परिषद के तहत किया जा रहा है। प्रतियोगिताएं विभिन्न निर्णायकों की उपस्तिथि में गौर समाधि प्रांगण में संपन्न हुआ।इन खेलों में विश्वविद्यालय की विभिन्न स्कूलों की प्रतिभागिता रही। चयन प्रकिया के अनुसार पहले अलग-अलग स्कूल का इंटर-स्कूल मैच हुआ और फिर अंतिम चयन हुआ। स्कूल ऑफ लॉ, स्कूल ऑफ एजुकेशन, स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज के विभिन्न विभागों की अधिक प्रतिभागिता दिखी।साथ ही इन खेल क्रीड़ाओं में लड़को की अपेक्षा लड़कियों की प्रतिभागिता अधिक रही। नींबू चम्मच (पुरुष) की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर प्रशांत तिवारी, द्वितीय स्थान पर प्रसन्न विश्वकर्मा, तृतीय स्थान पर कनिष्क श्रीवास्तव रहे और महिला वर्ग में योगिता और प्रगति श्रीवास्तव रहे अव्व्ल। काना दुआ(बालिका) प्रथम स्थान पर अपूर्वा भदौरिया और सिमरन जैन रहे। द्वितिया स्थान पर अंजली गौर और सची जैन , तृतीय स्थान पर साक्षी राजपूत और श्रद्धा विश्वकर्मा काना दुआ (पुरुष) प्रथम स्थान पर रहे सृजन आठिया एवं पवन पटेल , द्वितीय स्थान पर रहे रूखमणी दत्त एवं अमन गुप्ता , तृतीय स्थान पर रहे दीपांशु निरंजन एवं मोहित भात्रे कबड्डी (महिला) प्रथम स्थान पर एच एस एस, द्वितीय स्थान पर एस ओ एल, तृतीय स्थान पर एस ए एल की टीम रही। वहीं कबड्डी (पुरुष) प्रथम स्थान पर एस ई एस और द्वितीय स्थान पर एस ए एल की टीम रही। संचालन छात्र परिषद के सदस्यों ने किया एवं आभार सांस्कृतिक परिषद के समन्वयक डॉ राकेश सोनी ने किया।

आयोजन

भारतीय ज्ञान परंपरा एवं चरित्र निर्माण विषय पर गौर व्याख्यानमाला का आयोजन

विश्वविद्यालय के लिए एलुमनाई अनमोल खजाने की तरह हैं जिससे विश्वविद्यालय जिंदा रहता है: गुप्ता

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में गौर उत्सव के अंतर्गत गौर व्याख्यानमाला का आयोजन विश्वविद्यालय एलुमनाई एसोसिएशन के तत्वावधान में किया गया जिसका विषय भारतीय ज्ञान परंपरा एवं चरित्र निर्माण था। मुख्य वक्ता विवि के पूर्व कुलपति प्रो एसपी व्यास थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने की. मंच पर प्रो. आर के त्रिवेदी, प्रो. के एस पित्रे एलुमनाई एशोशिएसन के अध्यक्ष मौजूद रहे। कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने कहा कि आज विश्वविद्यालय की ख्याति पूरे शहर, प्रदेश और हर जगह व्याप्त है. उन्होंने कहा कि एलुमनाई विश्वविद्यालय के लिए वह चीज है जिससे विश्वविद्यालय जिंदा रहता है। उन्होंने कहा कि हमारी प्राचीन गुरुकुल परंपरा में व्यक्ति का व्यक्तित्व विकास गुरु ही करते हैं। यदि हम शिक्षा को आगे ले जाना चाहते हैं तो हमें एलुमनाई को साथ में लेना होगा। एक अच्छा शिक्षक समस्या से पार ले जाता है. हमें यह सोचना है कि जिंदगी में हम क्या करना या पाना चाहते हैं तभी हम लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं। हमें चाहिए कि लाख आंधियां चलें लेकिन दीपक जलता रहे, इस तरह के श्रम और दृढ़ संकल्प से ही लक्ष्य हासिल होता है।

सार्थक जीवन ही सफलता का पैमाना है: प्रो. व्यास

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो व्यास ने कहा कि जिंदगी में यह मायने नहीं रखता कि हम जिंदगी में कितने सफल हुए, बल्कि मायने यह रखता है कि जिंदगी हमने कितने सार्थक ढंग से जी है। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा में बुद्ध, कबीर, गांधी तथा तुलसीदास का उल्लेख करते हुए बताया कि हमारी भारतीय ज्ञान परंपरा में सच को पहचानने तथा ज्ञान को अर्जित करना इन मनीषियों ने आसान किया है।

कबीर ने वह कहा जो उन्होंने देखा. जब मैं था तब हरि नहीं अब मैं हूं हरि नाही। यही दर्शन है। जो हमने देखा है वही सत्य है. ज्ञान के आयोजन से व्यक्ति का चरित्र निर्माण और व्यक्तित्व विकास होता है जो उसके मानव धर्म निभाने में दिखता है। उन्होंने कहा कि सर हरिसिंह गौर नाम उन सर्वोपरि महान दानवीर में से एक है जो जानते थे कि हमने शिक्षा पा लिया तो सब कुछ पाया जा सकता है।

स्वागत भाषण एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रो. के एस पित्रे ने दिया। सचिव प्रो. पुणतांबेकर ने एसोसिएशन का विवरण प्रस्तुत किया और जनवरी 2023 में आयोजित की जाने वाली मेगा मीट का भी विवरण प्रस्तुत किया उन्होंने 75 पेंटिंग्स भेंट करने के संकल्प को पूर्ण करते हुए विश्वविद्यालय को अपनी बनाई पेंटिंग्स भेंट की. प्रो.ओपी अग्रवाल ने कार्यक्रम में एलुमनाई एसोसिएशन को पुनः जीवंत करने के लिए कुलपति प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता का धन्यवाद किया और प्रो. व्यास का परिचय प्रस्तुत किया। संचलान डॉ शालिनी चोइथरानी ने किया. पूर्व छात्र अमरकांत जैन ने आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में प्रो.चंदा बेन, प्रो सुबोध जैन, प्रो पाटिल, कुलसचिव संतोष सोहगौरा, विवि के कई शिक्षक, छात्र और अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकगण तथा समस्त छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

गौर साहित्य प्रदर्शनी का उद्घाटन

विश्वविद्यालय के जवाहर लाल नेहरू ग्रंथालय परिसर में डॉ. हरीसिंह गौर से संबंधित साहित्य की प्रदर्शनी का उद्घाटन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने किया. यह प्रदर्शनी अगले दो दिन लगेगी. इस प्रदर्शनी में डॉ. हरीसिंह गौर द्वारा लिखित पुस्तकों, चित्रों एवं अन्य दुर्लभ साहित्य आगंतुकों के लिए लगाई गई है जिससे डॉ. गौर के विराट व्यक्तित्व के आयामों को जाना- समझने में मदद मिलेगी।

सागर, आचरण। डॉ. हरीसिंह गौर की जयंती के उपलक्ष्य में विवि के पुस्तकालय में तीन दिवसीय साहित्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने फीता काटकर इस प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान कुलपति ने वरिष्ठ पत्रकार राजेश श्रीवास्तव का सम्मान किया। डॉ. गौर के विचारों को हिन्दी में अनुवाद कर 7 लाइव्स पुस्तक के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने के लिए उन्होंने श्रीवास्तव को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर कुलसचिव संतोष सहगौरा, डॉ. सुबोध जैन, डॉ. एसके जैन, डॉ. नीलम थापा, संध्या बोहरे, मुकेश साहू, संजीव सराफ, वरिष्ठ पत्रकार सुदेश तिवारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

केंद्रीय विद्यालय क्रं.4 के विद्यार्थियों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुति

सागर, आचरण।
विश्वविद्यालय में डॉ.सर हरिसिंह गौर की 153वीं जयंती के उपलक्ष्य में 20.26 नवंबर 2022 तक गौर उत्सव 2022•के अंतर्गत विद्यालयीन सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन केन्द्रीय विद्यालय क्रं.4 डीएचएसजीवी, सागर में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत चित्रकला आधारित प्रदर्शनी के साथ हुई जिसमें विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न कलाकृतियों का प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो.नवीन कांगो ने किया। इसके उपरांत समागत अतिथियों व छात्रों द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया और प्रदर्शनी की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रारंभ मुख्यातिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा मा सरस्वती और गौर साहब के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन करके किया गया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ.ब्रजेश कुमार पाण्डेय द्वारा अतिथियों का स्वागत हरित पौधा भेंट कर किया गया। तदनंतर विद्यालय के प्राचार्य महोदय द्वारा अतिथियों का वाचिक स्वागत किया गया। स्वस्तिवाचन मंत्रों की मनमोहक प्रस्तुति के बाद गणेश वंदना के माध्यम से शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत किया गया, जिसमें संतुलन, समन्वय और शक्ति का चित्रण किया गया। नौवीं कक्षा की छात्रा शानवी सेन द्वारा सर डॉ. हरिसिंह गौर के जीवन पर प्रकाश डालते हुये उनके व्यक्तित्व व कृतित्व को बताते हुये अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। तदनंतर नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा माता-पिता का सम्मान करना, विषय पर नाटिका प्रस्तुत की गईए जिसने हमें जीवन के लिए एक सीख दी। विद्यालय की संगीत शिक्षिका के निर्देशन में राजस्थानी नृत्य का विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शन किया गया। मुख्यातिथि तथा समागत अतिथियों द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त वाले

छात्रों को पुरस्कार वितरण किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को डॉ. हरिसिंह गौर के जीवन के विभिन्न आदर्शों के बारे में अवगत कराया।
मुख्यातिथि द्वारा एकात्म शक्ति के रूप में डॉ.गौर को परिभाषित किया। कार्यक्रम में प्रो.सुबोध कुमार जैन, प्रो.आर.के.त्रिवेदी, प्रो.श्वेता यादव, डॉ. दीपाली जाट, डॉ.भावना रेवाड़ीकर की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती दीपा गुप्ता ने किया। कार्यक्रम का संयोजन आनंद कुमार जैन ने किया। मनोज कुमार नेमा ने विद्यालय परिवार की ओर से समस्त अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

विद्यार्थियों से फिल्म अभिनेता मुकेश तिवारी ने किया संवाद

डॉ. गौर ऐसे व्यक्ति थे, जिन्हें अपने सपनों की खूबसूरती पर पूरा यकीन था: तिवारी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ गौर के चिंतन की संवेदनशीलता को समझने की आज हमें जरूरत है, जिन्होंने उस समय, भारत के एक ऐसे क्षेत्र में विवि की स्थापना की जहां न कोई उद्योग लगाने की इच्छा रखता था न ही कोई अपनी बेटी देता था। यहां के युवाओं को अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए महादान दिया। यह बात शुक्रवार को स्वर्ण जयंती सभागार में सिने अभिनेता मुकेश तिवारी ने सर गौर से जुड़े प्रश्न पर कहे। उन्होंने कहा कि दृष्टिकोण में डॉ गौर ऐसे व्यक्ति थे, जिन्हे अपने सपनों की खूबसूरती पर पूरा यकीन था। डॉ. गौर के प्रेरणादायक व्यक्तित्व के बारे में उल्लेख करते हुए कहा कि डॉ. गौर सभी के जीवन का अभिन्न अंग होना चाहिए।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के *कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय* शांतिलाल जानी की विशिष्ट

गौर समाधी पर की गई आकर्षक साज-सज्जा।

उपस्थिति रही। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि डॉ. गौर को उनके योगदान के लिए हम एक दिन या एक सप्ताह नहीं, लेकिन जीवन भर याद करेंगे। डॉ. आशुतोष और संतोष सोहगौरा ने मुकेश तिवारी के साथ संवाद किया। विश्वविद्यालय के छात्र कलाकारों के साथ मुकेश तिवारी ने बधाई नृत्य भी किया। फिल्म चाइनागेट का चर्चित डायलाग भी सुनाया। मुकेश तिवारी की आवाज में हरिसिंह गौर की गाथा का संक्षिप्त आडियो प्रसारण भी किया गया।

सवाल: 'चाइनागेट' में नेगेटिव रोल करने के बाद 1-2 साल तक काम नहीं था।
जवाब: यह सभी कलाकारो के संघर्ष का हिस्सा होता है।
सवाल: बुदेंली सिनेमा का भविष्य है क्या?
जवाब: बुंदेलखंड में सिनेमाघरों की कमी है, जिससे इसका प्रदर्शन कम होता है। इस कारण बुंदेली सिनेमा आगे नहीं बढ़ पा रहा है। अधिकांश चर्चित हिट फिल्मों में बोली का ही प्रयोग किया जाता है, क्योंकि बोली से भाव अभिव्यक्त होते हैं।

इश्क झूठा है किसे नहीं मालूम और वो भी झूठा है जिसे नहीं मालूम...

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 153वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में 'गौर उत्सव' के अंतर्गत विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में काव्यांजलि का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में प्रभारी कुलपति प्रो पी के कठल, गौर उत्सव के मुख्य समन्वयक प्रो सुबोध जैन, सह समन्वयक प्रो संजय जैन, कुलसचिव (प्र.) संतोष सोहगौरा, कार्यक्रम के संयोजक प्रो नवीन कानगो सहित विश्वविद्यालय के कवि कर्मचारी, अधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित रहे। प्रो पी के कठल ने उद्घाटन वक्तव्य देते हुए कहा कि सभी के मन में कवि हृदय होता है।

मनुष्य के भीतर जब कोई भाव आता हैं तो सबसे पहला माध्यम कविता ही होती है। डॉ गौर ने भी अपने जीवन काल में कई कविताएं लिखीं। आजादी न मिल पाने की पीड़ा में उन्होंने अपनी कविताओं में अपनी भावनाएं व्यक्त की हैं। विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी और अधिकारी इस आयोजन के माध्यम से ऊनी संवेदनाएं, भावनाएं इस मंच के माध्यम से व्यक्त कर पाएंगे और उनकी सृजनशीलता भी सामने आएगी। प्रो नवीन कानगो ने कहकशां हूँ मैं, सारे सितारे मुझमें....... गजल की प्रस्तुति दी।

डॉ आफरीन ने युवा मन की आकांक्षा और अपेक्षा पर आधारित कविता सुनाई। महेश कुर्मी ने गौर गौरव पर आधारित कविता पाठ किया। डॉ किरण ने संस्कृत में सस्वर कविता पाठ की। आमंत्रित कविगणों में प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत, प्रो. जी.एल. पुनताम्बेकर, डॉ. अभिषेक कुमार जैन, कुलसचिव संतोष सोहगौरा, डॉ. दीपाली जाट, डॉ. अलीम अहमद खान, डॉ. रामहेत गौतम, डॉ. राजेन्द्र यादव, डॉ. उदय श्रीवास्तव, डॉ. अवधेश कुमार, डॉ. अवधेश तोमर, डॉ. आशुतोष, डॉ. कालीनाथ झा, डॉ. अफरोज बेगम, डॉ. हिमांशु कबीर, डॉ. देवकी नंदन शर्मा, डॉ. अभिषेक ऋषि, डॉ. नीरज उपाध्याय, डॉ. नौनिहाल गौतम, डॉ. अनूपी समैया, शहर के प्रसिद्ध कवि डॉ नलिन जैन एवं कपिल चौबे ने अपनी काव्य प्रस्तुतियां दीं. कार्यक्रम में स्वागत भाषण प्रो नवीन कानगो ने दिया। संचालन डॉ हिमांशु, डॉ अभिषेक ने किया. कार्यक्रम में शिक्षक, विद्यार्थी, कर्मचारी और शहर के गणमान्य नागरिक काफी संख्या में मौजूद थे।

सर गौर पर रेडियो वार्ता आज

सिने अभिनेता तिवारी करेंगे विद्यार्थियों से संवाद

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरि सिंह गौर पर रेडियो वार्ता कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के उद्बोधन का प्रसारण शुक्रवार सुबह 10 बजे से आकाशवाणी सागर से होगा।

सिने अभिनेता मुकेश तिवारी का छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम दोपहर 3 बजे से विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता करेंगी। सुबह 11 बजे गौर कौशल विकास मेला का आयोजन विश्वविद्यालय के कम्यूनिटी कॉलेज के छात्रों द्वारा निर्मित वस्तुओं की प्रदर्शनी गौर प्रांगण में किया जायेगा। साथ ही फ्लॉवर डेकोरेशन शो नवीन प्रशासनिक भवन परिसर में होगा। गौर जयन्ती की पूर्व संध्या पर सायं छह बजे गौर मूर्ति तीनबत्ती पर दीप प्रज्ज्वलन कार्यक्रम कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता व सागर शहर के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में किया जाएगा।

पत्रिका विस्तृत खबरों और फोटोग्राफ्स के लिए देखें... patrika.com

सागर. स्वर्ण जयंती सभागार में गौर गौरव उत्सव में प्रस्तुति देती छात्राएं।

बरेदी, घूमर और कालबेलिया नृत्यों ने बांधा समा, कलाकारों ने बटोरी तालियां

गौर सप्ताह के दूसरे दिन स्वर्ण जयंती समारोह में हुआ आयोजन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विवि के सांस्कृतिक परिषद द्वारा आयोजित किए जा रहे 9 दिवसीय गौर गौरव उर्त्सव के दूसरे दिन एकल व समूह शास्त्रीय, बॉलीवुड, लोक नृत्यों की प्रतियोगिता विवि के स्वर्ण जयंती सभागार में हुई। इस अवसर पर छात्रों ने अलग - अलग लोकनृत्यों, जिसमें बरेदी, घूमर, भांगड़ा, कालबेलिया, मटकी फोड़ आदि नृत्यों की प्रस्तुति दी।

शास्त्रीय नृत्य में कथक व भरतनाट्यम की प्रस्तुति ने दर्शकों का मनमोह लिया। इसी श्रृंखला में बॉलीवुड गीतों पर सहशास्त्रीय प्रस्तुतियों से प्रतिभागियों ने दर्शक दीर्घा को बांधे रखा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अधिष्ठाता प्रो. जीएस गिरी, प्रो. देवराज अत्री (पंजाब), प्रो. सत्येंद्र पाल (पंजाब), प्रो. अंकित्त शर्मा (हरियाणा), डॉ. नवीन कौशिक (देहरादून) उपस्थित थे।

कार्यक्रम में प्रस्तुति देती छात्राएं।

इस अवसर पर सागर के गौरव पद्मश्री लोकनर्तक रामसहाय पांडे का सम्मान सांस्कृतिक परिषद के समन्वयक डॉ. राकेश सोनी, प्रतापराज तिवारी, राशि सोनी और रोहित रजक द्वारा शाल एवं श्रीफल से किया गया। नृत्य विधा के निर्णायक मंडल में डॉ. सुधीर तिवारी, डॉ. अपर्णा चचौंदिया, शुभांगिनी श्रीवास, एवम आशुतोष पांडेय ने ताल, संगीत , पद संचालन आदि विभिन्न बिंदुओं पर प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया। उत्सव के तीसरे दिन रविवार को भाषण व मिमिक्री विधा की प्रतियोगिता स्वर्ण जयंती सभागार में दोपहर 12 बजे से आयोजित की जाएगी।

विवि के आचार्य शंकर भवन में गौर उत्सव पर हुई प्रतियोगिताएं आयोजित

आचरण संवाददाता।

सागर। डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर की सांस्कृतिक परिषद के द्वारा विश्वविध्यालय के आचार्य शंकर भवन में गौर उत्सव के चौथे दिन रंगोली, क्ले मॉडलिंग, पोस्टर मेकिंग, मेहंदी, कार्टूनिंग एवं इंस्टॉलेशन प्रतियोगिताओं में विभिन्न स्कूलों के प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की जिसमें निर्णायक मंडल में असरार अहमद, श्रीमती अंशिता बजाज, डॉ. शालिनी चोइथरानी, डॉ. आफ़ुरीन खान एवं डॉ. रश्मि सिंह थे। रंगोली प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने सामाजिक कुप्रथा को रोकने का संदेश दिया, साथ ही डॉ. गौर का छयाचित्र बनाया, वहीं क्ले मॉडलिंग के माध्यम से भारतीय संस्कृति को दर्शाया। मेहंदी प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने दुल्हन मेहंदी, ऐरबिक डिज़ाइन को संदर तरह से उकेरा। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण के विषय पर ध्यान आकर्षित किया एवं कार्टूनिंग में प्रतिभागियों ने सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव को दिखाया, राजनीतिक तंज कसे वहीं सुप्रसिद्ध कार्टूनिस्ट आर. के. लक्ष्मण जी के कार्टून को सुंदर तरीक़े से दर्शाया गया। वहीं युवा उत्सव की इंस्टॉलेशन की प्रतियोगिता में छत्र छत्राओं ने अनुपयोगी सामग्री से वॉटर साइकल, घड़ी, मोर इत्यादि मॉडल बनाए। प्रतियोगिताओं के मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. के. के. एन. शर्मा, छत्र कल्याण अधिष्ठता प्रो.ए.डी.शर्मा उपस्थित रहे। जिनका स्वागत सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. राकेश सोनी द्वारा किया गया। उत्सव में सचिन पटेल, वीरेंद्र कुमार, प्रसन्न विश्वकर्मा, प्रियंका यादव, कृष्णा, अनुज जैन आदि समेत लगभग 300 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। गौर गौरव दिवस के पांचवे दिवस का आयोजन गौर प्रांगण में 12 बजे से किया जाएगा। जिसमें कबड्डी, काना दुआ एवं नींबू चम्मच आदि प्रतियोगिताओं का आयोजित किया जाएगा।

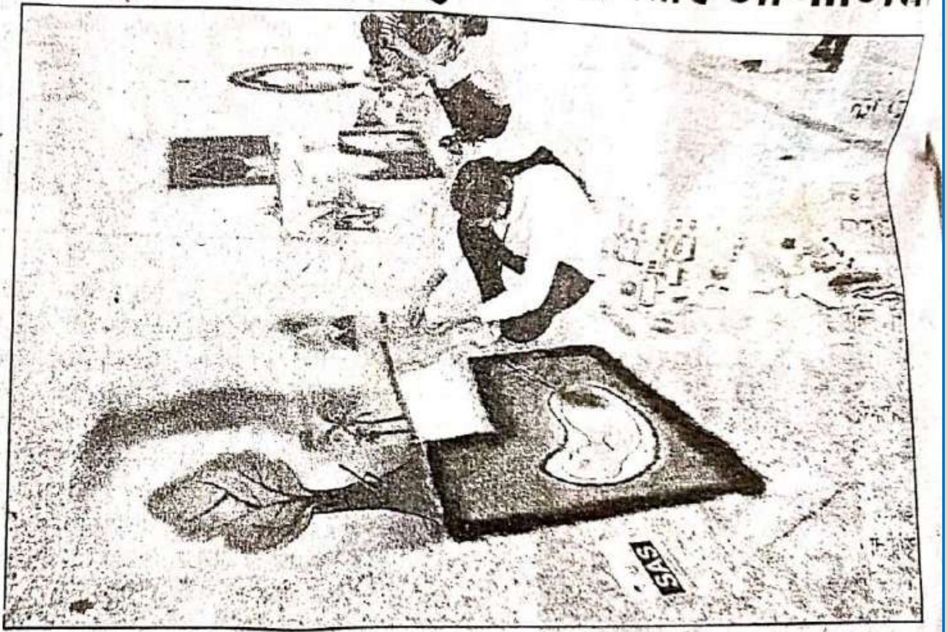

स्वर्ण जयंती सभागार में संवाद कार्यक्रम, विद्यार्थी सिर्फ 4 प्रश्न ही पूछ पाए

जीवन में असफलता जैसा कुछ नहीं, सिर्फ इच्छापूर्ति नहीं होना है: राणा

भास्कर संवाददाता | सागर

गुरुवार से गौर जयंती उत्सव के कार्यक्रम शुरू हो गए। दोपहर 2.30 बजे से स्वर्ण जयंती सभागार में संवाद कार्यक्रम हुआ। इसमें अभिनेता एवं साहित्यकार आशुतोष राणा ने छात्र-छात्राओं व साथियों के प्रश्नों के उत्तर दिए। इस दौरान उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि जीवन में असफलता जैसा कुछ नहीं होता है, केवल इच्छा की पूर्ति नहीं होना है। ज्यादातर प्रश्न मंच से ही पूछे गए। मंच से नीचे से केवल दो प्रश्न ही लिए गए।

पूछे गए प्रश्न व आशुतोष राणा के जवाब

• **संतोष सोहगौरा Q डॉ. गौर की ज्यादा प्रभावित करने वाली बात क्या है?**

- सबसे ज्यादा प्रभावित करने वाला शिक्षा के प्रति समर्पण है। डॉ. गौर ने अपने पूरे जीवन की कमाई लक्ष्मी को सरस्वती साधना केंद्र विश्वविद्यालय के लिए खर्च किया। असली शिक्षित वही है जो खुद शिक्षित होने के बाद अपने आसपास व समाज को शिक्षित कर दे। डॉ. गौर ने खुद शिक्षित होने के बाद पीढ़ियों को शिक्षित कर दिया, आगे भी करते रहेंगे।

• **मनोज शर्मा Q कमरा नंबर 63 में ताला क्यों नहीं डलता?**

- मैं कमरा नंबर 63 में करीब 9 साल रहा, इस दौरान कभी ताला नहीं डला। इसका बड़ा कारण कमरे में जो कुछ लूटने लायक (खुद की ओर इशारा) था वह कमरे में नहीं होता था तो ताला डालने की जरूरत ही नहीं होती थी, इसके अलावा कमरे में कोई भी ऐसी वस्तु नहीं होती थी जो कोई लूट सके।

कुलपति नीलिमा गुप्ता Q विवि से क्या अपेक्षाएं थीं, सुझाव क्या हैं?

- कोई भी विद्यालय, विश्वविद्यालय की आत्मा विद्यार्थी व प्रोफेसर होते हैं। आत्मा के बगैर दिव्य शरीर भी पार्थिव शरीर हो जाता है। यहां दुनिया की सबसे बड़ी लाइब्रेरी थी, इसमें रखी पुस्तकें बुलाती थीं। यहां के प्रोफेसर व ऑडियो विजुअल विभाग के डॉ. विष्णु पाठक सीखने के लिए चाहत जगाते थे। प्रोफेसर ऐसे जो पढ़ाते नहीं शिक्षित करते थे।

• **मनोज शर्मा Q पढ़ाई के समय रिवीजन जोर- जोर से बोलकर क्यों करते थे?**

- मेधावी छात्रों से दोस्ती थी, वे नोट्स तैयार करते, परीक्षा की तैयारी करते। पेपर का समय आता तो एक दिन पहले जाकर रिवीजन जोर-जोर से बोलकर करने के लिए कहते। ऐसे में हमारी परीक्षा की तैयारी हो जाती थी व उनका रिवीजन हो जाता था। इसके लिए जरूरी है कि श्रवण शक्ति अच्छी हो। श्रवण शक्ति से मतलब चित्त से चिंतन के साथ सुनना है। यही कारण कि भारत की शिक्षा श्रुतियों पर आधारित रही है।

• **मनोज शर्मा Q हॉस्टल में कपड़ा साफ करने वालों, प्रेस करने वालों में टेरर रहता था ऐसा क्यों?**

- हम यहां पढ़ने आए थे इसलिए केवल पढ़ते थे। किसी भी रूम में शर्ट पर प्रेस दिखा व अपने नाप की हुई तो अपनी शर्ट उतारी, वह शर्ट पहनकर चले जाते। जो शर्ट उतारते थे उसका भी पता नहीं होता था कि किसकी थी, वह जिसकी होती वह खुद ही ले जाता।

• **विधि छात्र मनोज दांगी Q अभिनेता नहीं होते तो क्या होते?**

- पिताजी का कहना था कि देश के कानूनों की जानकारी होना बेहद जरूरी है इसलिए कानूनों को जाना, समझा। वैसे वकील होता तो भी धमाकेदार होता।

• **ललित नागर Q बार-बार प्रयास के बाद असफलता क्यों मिलती है?**

- जिंदगी में असफलता जैसा कुछ नहीं होता है वह केवल इच्छापूर्ति का नहीं होना है, हम केवल अपनी प्रिय वस्तु व काम को पूरा होना देखना चाहते हैं लेकिन प्रकृति या नियति हमारा हितकर देखती है, इस कारण हमारी इच्छा होते हुए भी वह पूरी नहीं होती। गीता में भी कहा गया है कि कर्म करने का अधिकार है फल पर अधिकार नहीं है, वह कैसे मिलेगा? क्या होगा? वह हम तय नहीं कर सकते हैं। हम कृति हैं जब कृति प्रकृति की एक इच्छा होती है तो वह पूरी हो जाती है।

» यह भी हुआ... कलेक्टर के एक आग्रह को नहीं माना

कलेक्टर ने आशुतोष राणा से पत्नी रेणुका को लिखे पत्र को सुनाने व हासिल फिल्म का डायलॉग सुनाने को कहा। राणा ने पत्नी रेणुका को लिखा पत्र तो सुना दिया लेकिन डायलॉग सुनाने का आग्रह स्वीकार नहीं किया। कहा परिवार की बात करेंगे। डायलॉग तो बाजार की बात है। एसपी तरुण नायक ने माता-पिता पर कविता सुनाने का आग्रह किया। इस आग्रह पर आशुतोष राणा ने मां पर कविता सुनाई।

» रश्मिरथी कविता सुनाई : कार्यक्रम में रामधारी सिंह दिनकर की रश्मिरथी कविता.. हो गया पूर्ण अज्ञात वास, पाडंव लौटे बन से सहास को सुनाया। एक छात्रा के आग्रह पर श्रीशिव तांडव स्त्रोत का हिन्दी अनुवाद भी सुनाया।

» आशुतोष राणा ने कुलपति से मांगा फिल्म ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट

कुलपति नीलिमा गुप्ता से आशुतोष राणा ने कहा कि विश्वविद्यालय अब केंद्रीय हो गया है, लगातार नए पाठ्यक्रम शुरू हो रहे हैं ऐसे में यहां एक फिल्म ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट या इसी तरह का कोई पाठ्यक्रम डिग्री कोर्स शुरू किया जाए। कुलपति गुप्ता ने इसे स्वीकार करते हुए कहा कि नए पाठ्यक्रम शुरू हो रहे हैं, प्रयास करेंगे कि इस तरह का कोई पाठ्यक्रम भी शुरू हो।

पत्र भी लिखा था। किया गया है।

गौर जयंती उत्सव : स्वर्ण जयंती सभागार में संवाद

90 के दशक की फिल्मों में समाज होता था : मुकेश तिवारी

भास्कर संवाददाता | सागर

गौर जयंती उत्सव के कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को स्वर्णजयंती सभागार में संवाद कार्यक्रम हुआ। इसमें अभिनेता मुकेश तिवारी से स्थानीय लोगों व छात्र-छात्राओं ने संवाद किया। प्रश्नों के उत्तर दिए। इस दौरान उन्होंने एक छात्र द्वारा पूछे गए प्रश्न के जवाब में कहा कि 90 दशक में फिल्मों में समाज होता था, माता-पिता, भैया-भाभी, बुआ-फूफा, भैया-बहन होते थे। समाज का प्रतिबिंब होती थीं, इसलिए फिल्में ब्लॉक बस्टर होती थीं। आज के दौर में ऐसा नहीं है, अति आधुनिक बनने के फेर में फिल्मों में समाज नहीं रहा, इसलिए समाज फिल्मों से कटता जा रहा। फिल्मों का विरोध हो रहा। संवाद कार्यक्रम 3.30 पर शुरू हुआ। यह करीब पौने दो घंटे चला। इसमें विश्वविद्यालय प्रशासन, मुकेश तिवारी के साथियों, शहर के पत्रकारों व छात्र- छात्राओं ने प्रश्न किए। मुकेश तिवारी ने बेबाकी से जवाब दिए। इस दौरान मुकेश तिवारी ने फिल्म चाइना गेट में जगीरा के किरदार के डायलॉग भी सुनाए। संवाद कार्यक्रम में कुलपति नीलिमा गुप्ता, कलेक्टर दीपक आर्य, एसपी तरुण नायक, राकेश सोनी सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

पूछे गए प्रश्न व मुकेश तिवारी के जवाब

• **अशुतोष मिश्रा Q गौर साहब को कैसे याद करते हैं?**

- उनकी संवेदनशीलता गजब की थी, हमेशा समाज के लिए जिये व समाज को बेहतर करने के लिए काम करते रहे। अपनी जीवनभर की कमाई समाज की बेहतरी में लगा दी। चाहते तो कोई बड़ी फैक्ट्री डाल सकते थे लेकिन उन्होंने शिक्षा की फैक्ट्री के लिए विश्वविद्यालय शुरू किया। वे कालातीत विचारक थे। महापुरुष थे।

आशुतोष मिश्रा Q बुंदेली फिल्म इंडस्ट्री विकास नहीं कर पा रही, फिल्में सफल न होने के क्या कारण हैं?

- फिल्में सफल होने के लिए जरूरी है कि सिनेमा हॉल हों, उनमें फिल्में लगें। बुंदेलखंड में सिनेमा हॉल ज्यादा नहीं हैं। सागर में ही कभी 7 से 8 हॉल हुआ करते थे, आज एक या दो ही हैं। बाजारवाद का दौर है, फिल्म चलेगी नहीं तो आगे नहीं बढ़ेगी।

संतोष सोहगौरा Q चाइना गेट में बुंदेली का उपयोग किया, यह विचार कहां से आया?

- बोली जोड़ती है भाषा काटती है, मां व उसके बच्चे में संवाद हमेशा बोली में होता है। ऐसे में बुंदेली का उपयोग करने का विचार आया, वह बेहद सफल भी रहा। भारतीय समाज में बोलियों की बड़ी अहमितयत है। यह भावों को व्यक्त करती है।

संतोष सोहगौरा Q अपने अंदर के मुकेश तिवारी को कब पहचाना?

- पहली बार जब मंच पर डायलॉग भूल गया था, तब लगा कि यह राह आसान तो बिल्कुल नहीं है। इसके बाद लगातार बेहतर करने का संकल्प लिया, खुद को बेहतर करने का प्रयास किया।

गजेंद्र पटेल Q अलग-अगल किरदार निभाए, सबसे ज्यादा कौन-सा पसंद है?

- सारे किरदार पसंद हैं, इनमें से कुछ फिल्में सफल रहीं, कुछ असफल। बाजारवाद के कारण सफल को ही श्रेष्ठ माना जा रहा है, पर ऐसा नहीं है, असफल भी श्रेष्ठ हो सकता है, जरूरी नहीं कि सफल श्रेष्ठ ही हो।

संदीप तिवारी Q डॉ. गौर की कौन-सी बात प्रभावित करती है, विश्वविद्यालय को क्या करना चाहिए?

- एक लाइट एंड साउंड शो तैयार करना चाहिए, उसे नियमित रूप से चलाना चाहिए। इससे लोगों को डॉ. गौर के संबंध में जानकारी होगी। यह विद्यार्थियों के साथ आम लोगों के लिए भी होना चाहिए।

छात्रा रत्ना Q छोटे शहरों के विद्यार्थी आगे कैसे बढ़ें, यहां ज्यादा मौके नहीं होते?

- बिस्मिल्ला खान का नाम सुना है, वे बनारस में रियाज गंगाजी के किनारे करते थे और टूर दुनियाभर में करते थे। मतलब अपने आप को यहीं मजबूत बनाइए, रियाज करते रहिए, दुनिया में जाकर प्रदर्शन करिए। सीखने के लिए कोई भी स्थान छोटा-बड़ा नहीं होता है।

क्विक सेशन भी हुआ : संवाद के दौरान अंत में डॉ. संतोष सोहगौरा ने क्विक सेशन भी किया। इसमें एक-एक कर तेजी से प्रश्न पूछे गए। इसमें मुकेश तिवारी की पसंद, नापसंद, पहला क्रश, मनपसंद स्थान, फिल्म, गुरु की सीख आदि से सबंधित करीब 25 प्रश्न पूछे। मुकेश तिवारी ने इनके जवाब दिए।

सहयोग, समर्पण और कर्म से शिक्षाविद् डॉ. गौर के सपनों में रंग भरें : कुलपति

पीपुल्स संवाददाता • सागर

मो.नं. 9826021098

महान दानवीर, विधिवेत्ता एवं डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक सर डॉ. हरीसिंह गौर की 153 वीं जयन्ती पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने तीनबत्ती पहुँचकर डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने संबोधित कर कहा कि सहयोग, समर्पण और कर्म से शिक्षाविद् डॉ. गौर के सपनों में रंग भरें। उन्होंने बुन्देली पुरुषार्थ के जागतिक पुरूष डॉ. हरीसिंह गौर के जन्मदिवस की सभी को हार्दिक बधाई दी। शहर के जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, विद्यार्थी, विश्वविद्यालय एवं जिला प्रशासन के अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक एवं जनसामान्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे.डॉ. गौर जयन्ती पर निकली भव्य शोभायात्रा परम्परानुसार शहर के तीनबत्ती से बैंड बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकली जो प्रमुख मार्गों से होती हुई विश्वविद्यालय पहुँची।

गौर-गौरव दिवस • यूजीसी के पूर्व चेयरमैन बोले- सबको शिक्षा-अच्छी शिक्षा के मंत्र को अपनाएं

जॉब ओरिएंटेड, स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम की आवश्यकता, बुंदेलखंड के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ें : पूर्व कुलपति प्रो. सिंह

भास्कर संवाददाता | सागर

सागर| गौर प्रांगण में आयोजित विश्वविद्यालय के मुख्य समारोह को संबोधित करते हुए प्रो. डीपी सिंह।

डॉ. गौर सागर से निकलकर कहां-कहां गए। कैंब्रिज में पढ़े, दिल्ली और नागपुर यूनिवर्सिटी के कुलपति रहे। अंत में अपनी मातृभूमि बुंदेलखंड की माटी की सौंधी सुगंध उन्हें यहां पुनः खींच लाई। डॉ. गौर से हमारी पीढ़ी, शिक्षाविदों, विद्यार्थियों को सीखना है तो यह कि जहां जन्म लिया, खेले और बड़े हुए हैं, वहां के लिए हम लौटकर कुछ न कुछ अवश्य करें। उसका ऋण चुकाने की कोशिश करें। डॉ. गौर शिक्षा के माध्यम से बुंदेलखंड का विकास करना चाहते थे। विश्वविद्यालय में बुंदेलखंड की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए जॉब ओरिएंटेड प्रोग्राम, स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम की और अधिक आवश्यकता है। यह बात यूजीसी के पूर्व चेयरमैन, सागर विवि के पूर्व कुलपति एवं यूपी में मुख्यमंत्री के उच्च शिक्षा सलाहकार प्रो. डीपी सिंह ने कही। वे डॉ. हरीसिंह गौर की 153वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में गौर प्रांगण में हुए मुख्य समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कही। उन्होंने कहा हमें सतत एजुकेशन की भी जरूरत है। गांव-देहात में हमारी माताएं अपना जीवन यापन करने के लिए कार्य करती हैं। उन लोगों को हम किस तरह से वैल्यू एडिशन कर सकते हैं। साइंस एंड टेक्नोलॉजी का इनपुट कर सकते हैं। इसकी भी आज आवश्यकता है। शांति निकेतन यूनिवर्सिटी की तरह स्किल के ट्रेनिंग सेंटर से आगे की स्किल डेवलपमेंट सेंटर के रूप में हम आगे की शुरुआत कर सकते हैं। बताया गया है राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के इम्प्लीमेंट में हमारा विवि आगे चल रहा है। हम बहुत सोच-समझकर यह तय करें कि हमारा विश्वविद्यालय किन चीजों में अनूठा है। हमें वह सब नहीं करना चाहिए जो दिल्ली विश्वविद्यालय कर रहा है। जेएनयू कर रहा है, बीएचयू कर रहा है, कोलकाता, मुंबई यूनिवर्सिटी कर रहे हैं। हमारी आंखों के सामने बुंदेलखंड के विद्यार्थी होना चाहिए। हमारे गरीब, मजदूरों किसानों के बच्चे भी होना चाहिए। एनईपी-2020 कहती है शिक्षा वंचितों के द्वार तक भी पहुंचे। सबको शिक्षा-अच्छी शिक्षा। इसको अपनाएं। हमें विवि के क्वालिटी प्रमोशन पर जोर देने की और अधिक आवश्यकता होगी। अलग-अलग रैंकिंग आज के जमाने में बहुत इंपोर्टेंट हो गई। फंड से लेकर इंटरनेशनल कोलेबोरेशन सभी में इन ग्रेडिंग और रैंकिंग का ध्यान रखा जाता हैं। मैं शिक्षकों से विशेष अपील करता हूं कि ऐसा काम करें कि हमारा विवि शिक्षा के क्षेत्र में ऊंची उड़ान लगाए। हर काम विद्यार्थियों को केंद्र में रखकर करें। एनईपी और प्रधानमंत्री यही कहते हैं कि जमीन से जुड़े रहते हुए हमें वैश्विक नागरिकों का निर्माण करना है। कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कहा डॉ. गौर सह शिक्षा के पक्षधर थे। उन्होंने बाल विवाह आदि कुप्रथाओं के बारे में सोचा और इसके लिए विधि लेकर आए। उन्होंने सामाजिक चेतना को बदलने पर ध्यान दिया, कुप्रथाओं को बदला और समाज को बदला। आज से कई वर्ष पहले उन्होंने सामुदायिक रूप से विकास को महत्व दिया।

डॉ. गौर का जीवन और कर्म हम सभी के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत है : कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा सागर के शनीचरी से कैंब्रिज विश्वविद्यालय तक की डॉ. गौर की यात्रा एक किरदार का किस्से में रूपान्तरित होते जाने की महागाथा है। गौर साहब का जीवन और कर्म उन सबके के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत है। आज हमारा विश्वविद्यालय अपने श्रेष्ठ शिक्षकों, योग्य अधिकारियों, कर्मठ कर्मचारियों तथा संस्कारी विद्यार्थियों के प्रेरक समन्वय के साथ निरंतर प्रगति की ओर उन्मुख है। हमें इस बात का गर्व है कि हम डॉ. गौर जैसे मसीहा के सपनों के सिपाही हैं। उन्होंने विवि की आगामी कार्ययोजना भी बताई। स्वागत भाषण कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने दिया। गौर उत्सव के मुख्य समन्वयक प्रो. सुबोध जैन ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। विभिन्न दानदाताओं के नाम पर पदक एवं पुरस्कार दिए गए। विवि के शिक्षक एवं विद्यार्थियों द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन किया गया।

परंपरागत शोभायात्रा निकली, शनीचरी पर गौर मूर्ति का अनावरण, गांव से आया अखाड़ा : सुबह तीन बत्ती से गौर जयंती की परंपरागत शोभायात्रा निकाली गई। कुलपति ने माल्यापर्ण कर भाषण दिया। शनीचरी स्थित गौर जन्म स्थली पर डॉ. गौर की मूर्ति का लोकार्पण हुआ। विवि तक पहुंची शोभायात्रा का रास्ते में जगह-जगह स्वागत हुआ। इस दौरान ग्राम बरखेरा खुमान से अखाड़ा दल भी विशेष रूप से शामिल हुआ। अखाड़े के उस्ताद कमोदी पटेल, गणेश, राजकुमार, नरेंद्र, राहुल आदि ने बताया हम आगे भी निरंतर शोभायात्रा में शामिल होंगे।

प्रवेश संवाद

डॉ. हरीसिंह गौर की 153वीं जयन्ती के अवसर पर कुलपति ने तीनबत्ती पर किया संबोधित

गौर पीठ शोध एवं अध्ययन का अनूठा केंद्र बनेगा: कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

प्रवेश संवाद ✲ सागर

डॉ. हरीसिंह गौर की 153 वीं जयंती के अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने सुबह 8.30 बजे तीनबत्ती पहुंचकर डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और सभा को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय में गौर पीठ स्थापित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह केंद्र शोध एवं अध्ययन का अनूठा केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार से मेरी गुजारिश है कि डॉ. गौर संग्रहालय स्थापित करने में सहयोग करें ताकि उनके जीवन से wजुड़ी तमाम उन चीजों का संग्रह और प्रदर्शन किया जा सके । ज्यादा से ज्यादा लोग उनके जीवन, संघर्ष और उनके विचारों के बारे में जान सकें। गौर साहब के संघर्षों से हम सभी परिचित हैं। कितनी मुश्किलों और अभावों के बीच वे पले और बढ़े जिसका ख्याल और बोध हम सभी को है। सागर में पढ़ाई की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण बहुत दुख के साथ उन्हें सागर छोड़ना पड़ा था। अपने उस दुख को उन्होंने एक महान संकल्प में बदल लिया कि जैसे भी हो सागर में उच्च अध्ययन की व्यवस्था होना ही चाहिए । उन्होंने अपने उस संकल्प को साकार करके भी दिखाया । 18 जुलाई 1946 को इस धरती पर डॉ. हरीसिंह गौर ने विश्वविद्यालय की स्थापना की थी, जो आज प्रगति और उन्नयन की अनेक उपलब्धियां हासिल कर रहा है। उन्होंने

इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट में शुरू किए जा रहे पाठ्यक्रमों की जानकारी दी और बताया कि जल्द ही इंस्टिट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंसेस भी खुलने जा रहा है । इसके बाद तीनबत्ती से बैंड बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकली, जो प्रमुख मार्गों से होती हुई विश्वविद्यालय पहुंची । इस दौरान शोभायात्रा का जगह-जगह स्वागत हुआ। विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं उच्च शिक्षा सलाहकार उप्र. सरकार प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह थे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी उपस्थित रहे । मुख्य समारोह आरम्भ होने के पहले अतिथियों की उपस्थिति में गौर पीठ का उद्घाटन भी हुआ।

डॉ. गौर सामाजिक समता और न्याय के पुरोधा थे : कुलाधिपति

कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कहा कि डॉ गौर ने दासत्व की पीड़ा समझी। वे सह शिक्षा के पक्षधर थे। उन्होंने बाल विवाह आदि कुप्रथाओं के बारे में सोचा और इसके लिए विधि लेकर आए। उनके जीवन के इस अनेक उदाहरण है जो नारी सशक्तिकरण और नारी चेतना को समझने में मदद करते है। अंतर्जातीय विवाह की संतान को संपत्ति में मान्यता दी। हम उनके जैसे बुद्धिजीवी बनें जिससे राष्ट्र को हम परम वैभव के शिखर पर ले जा सके।

डॉ. गौर ने बुंदेलखंड का नाम विश्वपटल पर स्थापित किया- प्रो. डीपी सिंह

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो डीपी सिंह ने कहा कि डॉ गौर सिर्फ सागर ही नहीं बल्कि देश के महान सपूत थे, जिन्होंने बुंदेलखंड की मिट्टी का नाम देश और विदेश में रोशन किया। हम सभी को विवि के भविष्य के बारे में सोचना चाहिए कि वह कैसे और ऊंचाई पर जाए। देश के विकास में शिक्षा व्यवस्था का योगदान अहम होता है। तकनीक और विज्ञान के साथ आज की आवश्यकता अनुसार, व्यवसायिक, कौशल विकास, कंटीन्यूइंग शिक्षा सम्मिलित कर नए सिरे से बनाना चाहिए।

सागर, आचरण। डॉ. हरिसिंह की जयंती पर विवि में आयोजित मुख्य समारोह में पत्रकारिता विभाग के छात्रों द्वारा निकाले गये प्रायोगिक समाचार पत्र समय का लोकार्पण अतिथियों द्वारा किया गया।

सागर, आचरण। डॉ. गौर की जयंती पर डॉ. बलवंत राय जॉनी और कुलपति नीलिमा गुप्ता, प्रो. डीपी सिंह ने डॉ. गौर को नमन किया। कुलपति ने तीनबत्ती, गौर जन्म स्थली पर आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। विवि के मुख्य समारोह में संबोधित करते प्रो. डीपी सिंह।

आयोजन । डॉ. गौर का जीवन और कर्म हम सभी के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत है: प्रो. नीलिमा

डॉ. गौर ने बुंदेलखंड का नाम विश्वपटल पर स्थापित किया: डीपी

सागर, आचरण संवाददाता।

महान दानवीर, विधिवेत्ता एवं डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक सर डॉ हरीसिंह गौर की 153 वीं जयन्ती के अवसर पर विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं उच्च शिक्षा सलाहकार, उ.प्र. सरकार प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी एवं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने संबोधित किया।

डॉ. गौर सच्चे अर्थों में सामाजिक समता और न्याय के पुरोधा थे: कुलाधिपति

कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कहा कि डॉ गौर ने दासत्व की पीड़ा समझी। वे स्त्री शिक्षा के पक्षधर थे. उन्होंने बाल विवाह आदि कुप्रथाओं के बारे में सोचा और इसके लिए विधि लेकर आए। उनके जीवन के इस अनेक उदाहरण है जो नारी सशक्तिकरण और नारी चेतना को समझने में मदद करते है। अंतर्जातीय विवाह की संतान को संपत्ति में मान्यता दी। उन्होंने सामाजिक चेतना को बदलने पर ध्यान दिया, कुप्रथाओं को बदला और समाज को बदला। नागरिकता को लेकर लड़े। समानता का भाव रखा। आज से कई वर्ष पहले उन्होंने सामुदायिक रूप से विकास को महत्व दिया। विधि के आधार पर सभी कुप्रथाओं को तोड़ने का काम किया। जिस तरह अंबेडकर बुद्ध धर्म अधिकार करके बुद्ध वादी बन गए वे भी बने। पहली बार दिल्ली विश्वविद्यालय में भारतीय भाषा के अध्यापन की भूमिका बनी। हम उनके जैसे बुद्धिजीवी बने जिससे राष्ट्र को हम परम वैभव के शिखर पर ले जा सकें।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो डी पी सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉ गौर सिर्फ सागर ही नहीं बल्कि देश के महान सपूत जिन्होंने बुंदेलखंड की मिट्टी का नाम देश और विदेश में रोशन किया। हमारे चिंतन में डॉ गौर हमेशा बने रहे ऐसी कामना करते हुए उन्होंने गौर जयंती की सभी को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि वे सदैव सागर के ऋणी रहेंगे, सागर उनकी सांसों में बसता है। उनके शैक्षिक पदों की यात्रा सागर से शुरू हुई थी जिसमें उन्होंने सबसे कम उम्र के कुलपति बनने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि डॉक्टर गौर के व्यक्तित्व एवं कृतत्व के बारे में सभी जानते है। हम सभी को विवि के भविष्य के बारे में सोचना चाहिए कि वह कैसे और ऊंचाई पर जाए। देश के विकास में शिक्षा व्यवस्था का योगदान अहम होता है। तकनीक और विज्ञान के साथ आज की आवश्यकता अनुसार, व्यावसायिक, कौशल विकास, कंटीन्यूइंग शिक्षा सम्मिलित कर नए सिरे से बनाना चाहिए। सभी शैक्षिक व्यवस्था एवं गतिविधियों को विद्यार्थी केंद्रित बनाना चाहिए। सभी के लिए गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो यह भारत सरकार का लक्ष्य है, शिक्षा तक जिसकी पहुंच न हो शिक्षा वहां पहुंचनी चाहिए। विवि को एक्सटेंशन एवं रिक्रूटमेंट जैसे केंद्र की शुरुआत करनी चाहिए। अपनी नेटवर्किंग बढ़ाने के विश्वसनीयता का प्रचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विवि को अपनी प्रोफाइल सशक्त बनानी चाहिए एवं नेक आदि विदेशी रैंकिंग में प्रतिभागिता करनी चाहिए। विवि को अपने आप में अनूठा बनाने का प्रयास करना चाहिए। विवि की विशिष्टता ही उसकी मुख्य ताकत होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को डॉ गौर से यह सीख अवश्य लेनी चाहिए की आप चाहे जहां भी रहें एक बार अपनी जन्म स्थली के लिए लौट कर कुछ करें।

डॉ गौर ने बुंदेलखंड क्षेत्र के विकास के लिए शिक्षा का माध्यम चुना। कोठारी आयोग की रिपोर्ट में भी शिक्षा को देश के समूचे विकास से जोड़ा गया था। आज जब नई शिक्षा नीति का क्रियान्वयन इस विवि में हो रहा है, यह एक उपलब्धि की बात है। इसके लिए उन्होंने सभी को बधाई दी और यही कामना की इस विवि की उपलब्धियां हर क्षेत्र में उल्लेखित हों। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने शैक्षिक एवं सामाजिक नवजागरण के अद्वितीय नायक और विश्वविद्यालय के संस्थापक पितृपुरुष डॉ. हरीसिंह गौर जी की 153वीं जयंती सभी को बधाई देते हुए कहा कि हरीसिंह गौर की जयंती हमारे विश्वविद्यालय के लिए, बुन्देलखण्ड के लिए और पूरे देश के लिए ज्ञान की उज्ज्वल चेतना का महापर्व है। आज का यह दिन हमें विश्वास दिलाता है कि मनुष्य की सामर्थ्य से कुछ भी बड़ा नहीं है, हारा वही है जो लड़ा नहीं है। उन्होंने कहा कि घोर अभाव और मुश्किलें जोर आजमाइश करती रहीं पर गौर साहब ने अपने इस्पाती इरादों से एक सामान्य सी लगने वाली जिन्दगी को असाधारण अफसाने में बदल दिया। सागर के शनीचरी से कैम्ब्रिज विवि तक की उनकी यात्रा एक किरदार का किस्से में रूपान्तरित होते जाने की महागाथा है।

उन्होंने कहा कि हम शैक्षिक नवाचार, प्रशासनिक दक्षता एवं अकादमिक दृढ़ता के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का क्रियान्वयन इस अकादमिक सत्र से कर रहे है। जिससे कि हमारे विद्यार्थी ज्ञान-विज्ञान की वैश्विक दुनिया और भविष्य की चुनौतियों के समक्ष स्वयं को एक सक्षम विकल्प के रूप में तैयार कर सकें। उन्होंने विश्वविद्यालय की अकादमिक उपलब्धियों की लंबी श्रृंखला प्रस्तुत की जिसमें बहुत से शिक्षकों और विद्यार्थियों ने अकादमिक उपलब्धियां हासिल की है और कहा कि हमारे शिक्षक और विद्यार्थी विश्वविद्यालय की श्रेष्ठ अकादमिक निरन्तरता को जीवंत बनाये रखे हुए है. उन्होंने सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों-अधिकारियों को बधाई प्रेषित की। उन्होंने विश्वविद्यालय में आयोजित किये गए विभिन्न अकादमिक एवं सह शैक्षणिक गतिविधियों के संबंध में प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए आगामी रूपरेखा पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। स्वागत भाषण कुलसचिव संतोष सहगौरा ने दिया. गौर उत्सव के मुख्य समन्वयक प्रो सुबोध जैन ने सात दिवसीय गौर उत्सव का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। सभी अतिथियों को शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। विभिन्न दानदाताओं के नाम पर पदक एवं पुरस्कारों को प्रदान किया गया. खेल प्रतियोगिताओं में विजित टीम और प्रतिभागियों को भी पुरस्कार प्रदान किये गये. अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थियों द्वारा लिखित कई पुस्तकों का विमोचन भी अतिथियों द्वारा किया गया।

गौर पीठ शोध एवं अध्ययन का अनूठा केंद्र बनेगा

तीन बत्ती और मुख्य समारोह में अपने संबोधन के दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय में गौर पीठ की स्थापना की घोषणा भी और इसमें सहयोग करने की भी अपील की. उन्होंने कहा कि यह केंद्र शोध एवं अध्ययन का अनूठा केंद्र बनेगा. उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार से मेरी गुजारिश है कि डॉ गौर संग्रहालय स्थापित करने में सहयोग करें ताकि उनके जीवन से जुड़ी तमाम उन चीजों का संग्रह और प्रदर्शन किया जा सके और ज्यादा से ज्यादा लोग उनके जीवन, संघर्ष और उनके विचारों के बारे में जान सकें. उन्होंने जनसहयोग के लिए भी सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया. मुख्य समारोह आरम्भ होने के पूर्व अतिथियों की उपस्थिति में गौर पीठ का उद्घाटन भी हुआ। गौर समाधि पर अतिथियों ने दी पुष्पांजलि गौर प्रांगण स्थित गौर समाधि पर सभी अतिथियों ने पुष्पांजलि दी।

सहयोग, समर्पण और कर्म से डॉ. गौर के सपनों में रंग भरें

गौर जयंती के अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा ने तीनबत्ती पर किया संबोधित

सागर, आचरण संवाददाता।

महान दानवीर, विधिवेत्ता एवं डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक सर डॉ हरीसिंह गौर की 153 वीं जयन्ती के अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने सागर शहर के तीनबत्ती पहुंचकर डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और सभा को संबोधित किया. उन्होंने भारतीय मेधा के प्रखर स्तम्भ और बुन्देली पुरुषार्थ के जागतिक पुरुष डॉ. हरीसिंह गौर के जन्मदिवस की सभी को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज से 153वर्ष पहले सूरज वैसे ही निकला होगा जैसे आज निकला है, हवा में वैसी ही एक गुनगुनी सी ठंडक होगी जैसा आज है। पर उस दिन सूरज के साथ उसके एक ऐसे सहचर ने जन्म लिया था जो आगे चलकर पूरे बुन्देलखंड की आवाज बन गया।

18 जुलाई 1946 को इस धरती पर डॉ. हरीसिंह गौर ने ज्ञान का जो बिरवा रोपा था, आज वह ज्ञान के एक विशाल और छतनार कल्पवृक्ष में परिवर्तित हो चुका है। प्रगति और उत्थान की अनेक उपलब्धियां विश्वविद्यालय के साथ जुड़ती जा रही है। उन्होंने बताया कि नये भवनों और नये पाठ्यक्रमों के साथ अपनी अधोसंरचना में विस्तार करने के साथ ही हमारा विश्वविद्यालय ज्ञान-विज्ञान क्षेत्र में प्रखरतम विद्यार्थी और सचेत एवं संवेदनशील नागरिक तैयार कर रहा है। उन्होंने इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट में शुरू किये जा रहे पाठ्यक्रमों की जानकारी साझा की. उन्होंने यह भी बताया कि जल्द ही इंस्टिट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंसेस भी खुलने जा रहा है जहां नए-नए पाठ्यक्रम शुरू किये जा रहे है. उन्होंने विद्यार्थियों और शिक्षकों की उपलब्धियों को साझा करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में मेरी कोशिश है कि मैं डॉ. हरीसिंह गौर के सपनों को अपने प्रत्येक विद्यार्थी की आँखों में झलकता देखूं। डॉ. गौर का विश्वविद्यालय निरन्तर प्रगति-पथ पर अग्रसर है। कार्यक्रम में सागर शहर के जनप्रतिनिधि, विधायक शैलेन्द्र जैन, सुशील तिवारी, पूर्व सांसद लक्ष्मीनारायण यादव, गणमान्य नागरिक, विद्यार्थी, विश्वविद्यालय एवं जिला प्रशासन के अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक एवं जनसामान्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे। डॉ. गौर पीठ की घोषणा के साथ ही जनसहयोग राशि भी लोगों ने देना शुरू की। समाजसेवी वंदना गुप्ता ने गौर पीठ के लिए 1 लाख रुपये, सरस्वती पुस्तकालय एवं वाचनालय की ओर से लक्ष्मीनारायण यादव और शुकदेव प्रसाद तिवारी ने ढाई लाख रुपये और समाजवादी चिंतक रघु ठाकुर ने 1 लाख रुपये देने का वचन कुलपति को दिया है।

डॉ. गौर जयन्ती पर निकली भव्य शोभायात्रा

परम्परानुसार शहर के तीनबत्ती से बैंड बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकली जो प्रमुख मार्गों से होती हुई विश्वविद्यालय पहुँची. इस दौरान शहर के नागरिक, जनप्रतिनिधि, विद्यार्थी और आमजन इस शोभायात्रा का हिस्सा बने. शोभायात्रा का जगह-जगह स्वागत हुआ।

मुख्यमंत्री ने गौर की समाधि पर पुष्प चक्र अर्पित कर किया नमन

सागर, आचरण संवाददाता।

प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार की शाम डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय सागर में गौर समाधि स्थल पहुंचकर पुष्पचक्र अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री पं. रविशंकर शुक्ल की समाधि पर पुष्पचक्र अर्पित कर नमन किया, केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एवं जलशक्ति राज्य मंत्री प्रहलाद पटेल ने भी डॉ. गौर और पं. रविशंकर शुक्ल की समाधि पर पुष्पचक्र अर्पित कर नमन किया। इसी क्रम में लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेन्द्र सिंह, राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने भी पुष्पचक्र अर्पित कर नमन किया। इस मौके पर सांसद राजबहादुर सिंह, विधायक शैलेन्द्र जैन, इस अवसर पर डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, गौरव सिरोठिया, कलेक्टर दीपक आर्य, कुल सचिव संतोष सोहगौरा, सुबोध जैन, संजय जैन, सहित अन्य विशिष्टजन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री चौहान ने डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसीक्रम में डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर में डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। केन्द्रीय राज्यमंत्री पटेल ने भी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया।

नैनो प्रौद्योगिकी भवन किया लोकार्पित

सागर, आचरण संवाददाता।

प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार की शाम डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय सागर में डॉ गौर जयंती के अवसर पर 29 करोड़ 50 लाख की लागत से बने परिष्कृत उपकरण एवं नैनो प्रौद्योगिकी भवन का लोकार्पण किया। इस भवन में वैज्ञानिक शोधों के उच्च स्तरीय उपकरण के साथ प्रयोगशाला संचालित किया जाएगा। आगामी समय योजना अनुसार नैनो टेक्नोलॉजी विषय से संबंधित पाठ्यक्रम भी संचालित किए जाएंगे। इस भवन में फायर फाइटिंग, सीसीटीवी, रेन वाटर हार्वेस्टिंग जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं है। इस भवन के अंतर्गत वैज्ञानिकों एवं उनके शोध के लिए व्यवस्था की गई है। यह भवन विज्ञान के तकनीकी उपकरणों के रख रखाव में उपयोगी साबित होगा। इस अवसर पर केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एवं जलशक्ति राज्य मंत्री प्रहलाद पटेल, लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेन्द्र सिंह, राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, सांसद राजबहादुर सिंह, विधायक शैलेन्द्र जैन, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, गौरव सिरोठिया, कलेक्टर दीपक आर्य, कुल सचिव संतोष सोहगौरा, सुबोध जैन, संजय जैन सहित अन्य विशिष्टजन उपस्थित थे।

श्यामलम् लोक सम्मान पर्व आज

सागर, आचरण। श्यामलम् लोक सम्मान पर्व के प्रतिष्ठित वार्षिक आयोजन में नगर के ख्यात साहित्य संस्कृतिविद् पद्मश्री डॉ. कपिल तिवारी का अभिनंदन सागर के कला-संस्कृति लोक द्वारा किया जाएगा। सह-आयोजक शासकीय उत्कृष्टता स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय के सभागार में आज 27 नवंबर रविवार को दोपहर 1.45 बजे से नगर विधायक शैलेंद्र जैन के मुख्य आतिथ्य में आयोजित होने वाले इस समारोह की अध्यक्षता डॉ. सुरेश आचार्य करेंगे. इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान और उपलब्धि के लिए विशिष्टजनों का सम्मान तथा कन्या महाविद्यालय की शोध पत्रिका रिसर्च टाइम का विमोचन भी किया जाएगा।

मुख्यमंत्री का हैलीपेड पर किया स्वागत

सागर, आचरण संवाददाता।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल से केन्द्रीय जल शक्ति एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के साथ हैलीकॉप्टर से सागर पहुंचे। सागर पुलिस लाइन में बनाए गए हैलीपेड पर मुख्यमंत्री चौहान एवं केन्द्रीय मंत्री पटेल का आत्मीय स्वागत किया गया। भोपाल से हैलीकॉप्टर द्वारा मुख्यमंत्री सायं 5:07 बजे सागर पहुंचे थे। हैलीपेड पर अगवानी लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेन्द्र सिंह, राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, सांसद राजबहादुर सिंह, विधायक शैलेन्द्र जैन, प्रदीप लारिया, महेश राय, सागर महापौर श्रीमती संगीता सुशील तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष हीरासिंह राजपूत, मध्यप्रदेश खनिज विकास निगम के उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह मोकलपुर, नगर निगम अध्यक्ष वृंदावन अहिरवार, पार्षद शाकृति जड़िया, नेवी जैन, राहुल साहू, द्वारा की गई। इस अवसर पर डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, गौरव सिरोठिया, संभागायुक्त मुकेश शुक्ला, पुलिस महानिरीक्षक अनुराग, कलेक्टर दीपक आर्य, पुलिस अधीक्षक तरुण नायक जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी क्षितिज सिंघल सहित अन्य विशिष्टजन उपस्थित थे।

स्थान चयन और बजट को लेकर की स्थिति साफ

गौर पीठ शुरू करने विवि प्रशासन जरूरत पड़ने पर दानदाताओं का लेगा सहारा

लगातार

पत्रिका

पत्रिका में प्रकाशित खबर।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. सर गौर पर रिसर्च के लिए विश्वविद्यालय में गौर पीठ नहीं है। गौर पीठ को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस पीठ को शुरू करने के लिए जो बजट की मुख्य समस्या है। उसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन यूजीसी को पत्र लिखकर बजट की मांग करने जा रहा है। साथ ही यदि जरूरत पड़ी तो विश्वविद्यालय प्रशासन दानदाताओं का भी सहारा ले सकता है। बता दें कि भारत रत्न कमेटी के सदस्य रघु ठाकुर ने गौर चेयर के लिए एक लाख रुपए देने की पूर्व में घोषणा की थी।

सीएम कर सकते हैं घोषणा...

इस बार गौर सप्ताह और गौर दिवस एक साथ मनाया जा हा है। सीएम शिवराज सिंह चौहान भी गौर जयंती के दिन सागर आ रहे हैं। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के अनुसार गौर पीठ को लेकर सीएम से चर्चा की जाएगी। उनके द्वारा गौर पीठ की घोषणा की जा सकती है।

गौर पीठ शुरू होने से सर गौर को भारत रत्न दिलाने की मुहिम पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा। इसके जरिए सर गौर पर जो रिसर्च होगी। उससे जुड़े दस्तावेजों और जरूरी जानकारियों के माध्यम से केंद्र सरकार को अवगत कराया जा सकता है।

सर गौर असाधारण व्यक्तित्व थे। मेरे कार्यकाल में गौर पीठ और भारत रत्न उन्हें मिले, मैं यही प्रयास कर रही हूं। पीठ के लिए फंड की व्यवस्था की जा रही है। यूजीसी से फंड मांगा जाएगा। जरूरत पड़ने पर दानदाताओं से भी मदद ली जाएगी।

प्रो. नीलिमा गुप्ता, कुलपति
विश्वविद्यालय

प्रो. राजपूत को बनाया समन्वयक

डॉ. हरि सिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय में गौर पीठ की गतिविधियों के सुचारू संचालन को लेकर सक्षम अधिकारी समाजशास्त्र एवं समाजकार्य विभाग के प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत को समन्वयक नियुक्त किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इसको लेकर नोटिफिकेशन भी जारी किया है।

अंततः विश्वविद्यालय में हुआ गौर पीठ का उद्घाटन

सागर | शनिवार को गौर जयंती पर सागर विश्वविद्यालय परिसर में गौर पीठ का उद्घाटन हुआ। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा यह केंद्र शोध एवं अध्ययन का अनूठा केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा मध्यप्रदेश सरकार से मेरी गुजारिश है कि डॉ. गौर संग्रहालय स्थापित करने में सहयोग करें। ताकि उनके जीवन से जुड़ी तमाम उन चीजों का संग्रह और प्रदर्शन किया जा सके और ज्यादा से ज्यादा लोग उनके जीवन, संघर्ष और उनके विचारों के बारे में जान सकें। इसके पूर्व तीन बत्ती और गौर प्रांगण में हुए मुख्य समारोह में भी उन्होंने लोगों से जनसहयोग की अपील की। जिस पर सरस्वती वाचनालय ट्रस्ट की ओर से सचिव शुकदेव प्रसाद तिवारी ने 2.50 लाख, डॉ. वंदना गुप्ता, डॉ. प्रदीप चौहान एवं कपिल मलैया ने 1 लाख रुपए देने की घोषणा की। डॉ. गुप्ता ने मौके पर ही कुलसचिव के नाम चैक सौंप दिया। विवि के ही शिक्षक, अधिकारियों और कर्मचारियों ने सहयोग राशि देने की घोषणा की। इस पर कुलपति ने जनसहयोग के लिए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

गौर उत्सव : विकास मेले का हुआ आयोजन

सागर. गौर उत्सव सप्ताह के छठवे दिन शुक्रवार को गौर समाधि प्रांगण में डॉ. गौर कौशल विकास मेला 2.0 का उद्घाटन हुआ। मुख्य अतिथि कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी थे। अध्यक्षता कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। इस मेले में विधार्थियों द्वारा लगभग 19 स्टॉल तैयार की गई है। मेले में विधार्थियों को एक ओपन मंच भी दिया गया था। विधार्थियों द्वारा गायन एवं डांस पर प्रस्तुति दी।

परिष्कृत उपकरण-प्रौद्योगिकी भवन लोकार्पित

सागर। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 29 करोड़ 50 लाख से बने परिष्कृत उपकरण एवं नैनो प्रौद्योगिकी भवन का लोकार्पण किया। वैज्ञानिक शोधों के उच्च स्तरीय उपकरण, प्रयोगशाला संचालित होगी। नैनो टेक्नोलॉजी से संबंधित पाठ्यक्रम भी संचालित किए जाएंगे। फायर फाइटिंग, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, सीसीटीवी जैसी अत्याधुनिक सुविधाएँ हैं। इस भवन के अंतर्गत वैज्ञानिकों एवं उनके शोध के लिए व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एवं जल शक्ति राज्य मंत्री प्रहलाद पटेल, लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेन्द्र सिंह, राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, सांसद राजबहादुर सिंह, विधायक शैलेन्द्र जैन मौजूद रहे।

सांस्कृतिक संध्या • डॉ. हरीसिंह गौर की 153वीं जयंती पर विवि के गौर प्रांगण में रंगारंग कार्यक्रम

विद्यार्थियों की कव्वाली, प्रहसन, गीतों की प्रस्तुतियों ने बांधा समां, देर रात तक कुर्सियों पर जमे रहे दर्शक

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर की 153वीं जयंती पर विश्वविद्यालय के छात्रों ने सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें गौर गीत, स्किट, कव्वाली एवं ताल-तरंग जैसे कई कार्यक्रम विश्वविद्यालय के वर्तमान एवं पूर्व छात्रों द्वारा प्रस्तुत किए गए। जूते स्किट के मंचन पर दर्शकों द्वारा आनंदित होकर खूब तालियां बजाईं गई। इसके बाद नाम गुम जाएगा, चेहरा ये बदल जाएगा..... एकल गीत की प्रस्तुति दी गई। वर्तमान एवं पूर्व छात्रों ने तुम्हें दिल्लगी भूल जानी पड़ेगी कव्वाली की शानदार प्रस्तुति दी। इसके अलावा विद्यार्थियों ने कई तरह के ताल वाद्य की प्रस्तुति दी। ऑर्केस्ट्रा पर कई शानदार गीतों ने दर्शकों को आनंदित किया। अंत में प्रसिद्ध बुंदेली लोकनृत्य बधाई की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। इस दौरान कुलाधिपति प्रो.बलवंत राय शांतिलाल जानी, कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता सहित शिक्षक, कर्मचारी, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे। संचालन ओशी जैन द्वारा किया गया।

गौर उत्सव • स्वर्ण जयंती सभागार में मिमिक्री व भाषण प्रतियोगिता, 7 स्कूलों के 37 विद्यार्थियों ने लिया भाग

मिमिक्री आर्टिस्ट ने निकाली जानवर, फिल्मी कलाकार, नेता और वाहनों की आवाज, दर्शकों को खूब गुदगुदाया

भास्कर संवाददाता | सागर

स्वर्ण जयंती सभागार के अंदर से रविवार को जानवरों, फिल्मी कलाकारों, नेताओं और वाहनों की आवाजें आ रही थीं। मौका था डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक परिषद द्वारा 9 दिवसीय गौर गौरव उत्सव के तीसरे दिन आयोजित मिमिक्री एवं भाषण प्रतियोगिता का। मिमिक्री विधा की प्रस्तुति के दौरान कलाकारों ने अलग-अलग आवाजें निकालकर उपस्थित श्रोताओं को गुदगुदाया। छात्र प्रदीप रजक ने आकर्षक मुर्गे, गधे और कुत्ते की आवाज निकालकर वाहवाही लूटी। भाषण प्रतियोगिता के विषय आत्मनिर्भर भारत एवं ग्रामीण विकास पर छात्र कुलदीप केशरवानी ने लिज्जत पापड़ कंपनी का उदाहरण देते हुए वक्तव्य दिया, जो कि सात महिलाओं से शुरू हुई थी और आज 45 हजार महिलाएं इससे रोजगार प्राप्त कर रही हैं। अदिति नाहर ने कोविड-19 के बाद विश्वगुरु बनने पर भारत की जीत पर जोर दिया। दीनदयाल अहिरवार ने डॉ. हरीसिंह गौर का उदाहरण देते हुए आत्मनिर्भरता पर विचार रखे। केतुल जैन ने वर्तमान सरकार की चुनौतियों पर विचार रखे। महक देवलिया ने कहा कि

गांधी के पदचिन्ह ही आत्मनिर्भरता की नींव हैं। अलीशा आफरीन खान ने स्वदेशी औषधियों और खान-पान पर जोर दिया। ऋतिक नागर ने केरल और तमिलनाडु की सरकारों द्वारा पंचायतों को दिए गए अधिकारों की बात कही। रिती तिवारी ने भारतीय किसानों के पारंपरिक तरीकों पर जोर देने की बात कही। साहिल खान ने मेक इन इंडिया पर विचार रखे।

मिमिक्री प्रतियोगिता में 7 स्कूलों तथा भाषण प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों के 37 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता के निर्णायक डॉ. किरण आर्य, डॉ. बबलू राय, डॉ. अरविंद कुमार गौतम एवं मिमिक्री विधा के निर्णायक डॉ. राकेश सोनी, बालमुकुंद अहिरवार, राघवेन्द्र सिंह लोधी थे। कार्यक्रम में प्रभारी कुलपति प्रो. पीके कठल, प्रो. आरके त्रिवेदी, डॉ. राजू टंडन, डॉ. आशीष पटैरिया मौजूद थे। संचालन छात्रा अर्ची, देवकुमार, सौरभ एवं श्रुति तथा आभार प्रताप राज तिवारी ने माना।

आज ललित कला, पेंटिंग, रंगोली प्रतियोगिता

गौर गौरव दिवस के चतुर्थ दिवस आचार्य शंकर भवन में दोपहर 12 बजे से ललित कलाओं, पेंटिंग, पोस्टर, रंगोली आदि की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है।

विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ ही डॉ. हरीसिंह गौर के सभी आयामों को सबके सामने लाने का काम करें : प्रो. डीपी सिंह

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर ने अपना सर्वस्व अर्पण करते हुए सागर विवि की स्थापना की थी। यह अद्वितीय, अनूठा उदाहरण है। डॉ. गौर का व्यक्तित्व और कृतित्व मुझे हमेशा प्रेरणा देता है। यह बात डॉ. हरीसिंह गौर विवि के पूर्व कुलपति एवं यूजीसी के पूर्व चेयरमैन प्रो. डीपी सिंह ने कही। तीन दिवसीय प्रवास के बाद जब वे वापस लौटे तो विवि के अधिकारी-कर्मचारियों से लेकर सागर के लोग

भी उन्हें विदा करने पहुंचे। उन्होंने कहा डॉ. गौर को लेकर भारत रत्न की जो मांग चल रही है, उसके लिए गौर साहब के जो अनछुए पहलू हैं उन्हें भी सबके सामने लाने का काम विवि और सागर के लोगों को करना चाहिए। उन्होंने कानून और समाज सुधार की दिशा में जो काम किए, उनमें कई नए तथ्य सामने आए हैं। यह उनके व्यक्तित्व को और महान बनाते हैं। इन सभी को सबके सामने लाने और ज्यादा से ज्यादा प्रचारित करने का काम हर सागरवासी और विवि से पढ़े विद्यार्थी को करना चाहिए। वे राष्ट्रनायक हैं। इस मौके पर विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, कुलसचिव संतोष सोहगौरा, प्रो. सुबोध जैन, डॉ. आशीष द्विवेदी, डॉ. संजीव सराफ, डॉ. नितिन कोरपाल, समाजसेवी संतोष घड़ी, डॉ. राजू टंडन, निरंजन पाठक, समर्थ दीक्षित, डॉ. दीपक मोदी, डॉ. रणवीर राजपूत आदि मौजूद थे।

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

गौर उत्सव
(दिनॉक 20–26 नवम्बर 2022)
कार्यक्रम – विवरण

क्र.	दिनांक / समय	कार्यक्रम	स्थान	संयोजकगण
	16.11.2022 बुधवार	प्रेस कांफ्रेंस माननीया कुलपति जी द्वारा दोपहर 12 बजे से	विश्वविद्यालय अतिथि गृह	प्रो. सुबोध जैन श्री संतोष सोहगौरा डॉ. विवेक जायसवाल
1	20.11.2022 रविवार	ज.20 मैत्री क्रिकेट मैच विश्वविद्यालय शिक्षक एकादश बनाम अधिकारी / कर्मचारी एकादश प्रातः 10.00 बजे से	अब्दुल गनी खान स्टेडियम	डॉ. उत्सव आनंद श्री संतोष सोहगौरा श्री माधव चंन्द्रा श्री राहुल गिरी गोस्वामी श्री महेन्द्र बाथम श्री समर्थ दीक्षित
		महिला खेल–कूद प्रतियोगिता विश्वविद्यालय महिला शिक्षक / महिला अधिकारी / महिला कर्मचारी एवं महिला क्लब के सदस्यो हेतु प्रातः 11.00 बजे से	अब्दुल गनी खान स्टेडियम	श्रीमती पूनम मिश्रा डॉ. अभिलाषा दुर्गवंशी डॉ.देवांशी चंदेल उपाध्याय डॉ. सुमन पटेल डॉ. किरण माहेश्वरी श्रीमती ए. लक्ष्मी
2	21.11.2022 सोमवार	प्रातः 11ण्00 बजे से ज.20 मैत्री क्रिकेट मैच ग्रुप- बी एडवोकेट एकादश बनाम सागर पत्रकार एकादश	अब्दुल गनी खान स्टेडियम	डॉ. उत्सव आनंद डॉ. विवेक जायसवाल श्री विनय शुक्ला श्री आकाश तिवारी श्री शैलेन्द्र ठाकुर श्री संदीप तिवारी
		युवा उत्सव संबंद्ध महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम दोपहर 12.00 बजे से	स्वर्ण जयंती सभागार	प्रो. बी. आई गुरू डॉ. राकेश सोनी डॉ. राजू टडंन श्री अजय श्रीवास्तव श्री सुशील गुप्ता
3	22.11.2022 मंगलवार	विद्यालयीन सांस्कृतिक आयोजन केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 04 के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत प्रातः 10.00 बजे से	केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 04	डॉ. दीपाली जाट डॉ. भावना रेवाडीकर डॉ. बृजेश कुमार पाण्डे श्री आनंद कुमार जैन
		प्रातः 10ण्00 बजे से ज.20 मैत्री क्रिकेट मैच फाइनल मैच ग्रुप ए विजेता बनाम ग्रुप बी विजेता	अब्दुल गनी खान स्टेडियम	प्रो. बी. आई गुरू प्रो. गिरीश मोहन दुबे डॉ. उत्सव आनंद डॉ. सुरेन्द्र गादेवार डॉ. आशीष पटेरिया डॉ. राजू टंडन
4	23.11.2022 बुधवार	काव्य पाठ विश्वविद्यालय शिक्षकों, अधिकारियो एवं कर्मचारियों हेतु सायं 3.00 बजे	स्वर्ण जयंती सभागार	प्रो. नवीन कांगो डॉ. हिमांशु कुमार डॉ. छबिल कुमार मेहेर श्री अभिषेक सक्सेना
5	24.11.2022 गुरूवार	गौर व्याख्यान माला एवं विश्वविद्यालय एल्युमनी एसोसियेशन का आयोजन प्रातः 11.00 बजे से	स्वर्ण जयंती सभागार	प्रो. जी.एल. पुंताबेकर प्रो. ए.डी. शर्मा प्रो. संजय जैन प्रो. नवीन कांगो डॉ. अरविंद रांधेलीया डॉ. अलीम अहमद खान
		गौर साहित्य प्रदर्शनी दिनांक 24.11.2022 से 26.11.2022 तक दोप. 12.00 बजे से शाम 05 बजे तक	जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय	प्रो. उमेश कुमार पाटिल डॉ. संजीव सर्राफ डॉ. नीलम थापा डॉ. मुकेश साहू डॉ. महेन्द्र कुमार

क्र.	दिनांक / समय	कार्यक्रम	स्थान	संयोजकगण
		विभिन्न भवनों का शिलान्यास / भूमिपूजन (फार्मेसी, लाईब्रेरी, एम.बी.ए., अंग्रेजी के भवनों का विस्तार एवं लेब्राटरी काम्पलेक्स विथ लेक्चर हॉल) प्रातः 10.00 बजे से		प्रो. निवेदिता मैत्रा प्रो. वन्दना सोनी प्रो. यू.के. पाटिल डॉ. श्री भागवत श्री राहुल गिरी गोस्वामी श्री सुहैल अहमद कुरैशी
6	25.11.2022 शुक्रवार	गौर मेला प्रातः 11 बजे से दिनांक 26.11.2022 के सायंकाल 6.00 बजे तक	गौर समाधि प्रांगण	प्रो. श्वेता यादव डॉ. अनिल कश्यप डॉ. सर्वेन्द्र यादव
		फ्लावर एवं डेकोरेशन शो	नवीन प्रशासनिक भवन के सामने	प्रो. श्वेता यादव डॉ. अश्वनी कुमार डॉ. पूनम डेहरिया श्री राहुल गिरी गोस्वामी
		गौर मूर्ति, तीनबत्ती पर दीप प्रज्जवलन सायं 6.00 बजे से	गौर मूर्ति, तीनबत्ती, सागर	प्रो. सुरेश आचार्य प्रो. आर.के. त्रिवेदी प्रो. संजय कुमार जैन डॉ. प्रदीप तिवारी
		डॉ. गौर पर रेडियो वार्ता माननीया कुलपति महोदया द्वारा		डॉ. ललित मोहन
		विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक संध्या सायं 6:.30 बजे से 7:30 बजे तक	गौर समाधि प्रांगण	डॉ. राकेश सोनी डॉ. अवधेश तोमर डा. राहुल स्वर्णकार
7	26.11.2022 शनिवार	गौर मूर्ति, तीनबत्ती पर मान्नीया कुलपति जी द्वारा माल्यार्पण एवं उद्वोधन प्रातः 8.30 बजे	गौर मूर्ति तीनबत्ती, सागर	प्रो. सुरेश आचार्य प्रो. आर.के. त्रिवेदी प्रो. सुबोध कुमार जैन प्रो. चंदा बेन डॉ हिमांशु कुमार डॉ. प्रदीप तिवारी श्री दीपक सिंघई श्रीमती निधी जैन श्री राजेश बोहरे
		गौर शोभा यात्रा गौर मूर्ति तीनबत्ती से विश्वविद्यालय प्रांगण तक (गौर अध्ययन केन्द्र, गौर जन्म स्थली) प्रातः 9.00 बजे से		
		गौर जयंती मुख्य समारोह एवं राष्ट्रीय संविधान दिवस की शपथ प्रातः 11.00 बजे	स्वर्ण जयंती सभागार	प्रो. चंदा बेन डॉ. पंकज तिवारी प्रो. बंदना सोनी डॉ. ललित मोहन श्री संतोष सोहगौरा डॉ. राकेश सोनी डॉ संजय शर्मा
		नैनो टेक भवन का लोकार्पण	पीटीसी प्रांगण / वि.वि. नैनो टेक भवन	प्रो. आशीष वर्मा श्री राहुल गिरी गोस्वामी श्री दीपक सिंघई श्रीमती निधि जैन

नोटः दिनॉक 20 से 26 नवम्बर, 2022 तक आकाशवाणी सागर से डॉ गौर पर जिंगल का प्रसारण किया जायेगा।

दिनॉकः 16.11.2022

(प्रो. सुबोध जैन)
मुख्य समन्वयक गौर उत्सव–2022

प्रकाशित समाचारों की लिंक

https://www.youtube.com/watch?v=lRvrIbkeWt4
https://www.youtube.com/watch?v=Km8_d93OXp4
https://www.youtube.com/watch?v=m5MKpiwj3ZI&t=391s
https://www.youtube.com/watch?v=GiTnwkm3YlM&t=1s
https://www.youtube.com/watch?v=mffZeEisqNI&t=1s
https://www.youtube.com/watch?v=m5MKpiwj3ZI
https://www.youtube.com/watch?v=mffZeEisqNI
https://www.youtube.com/watch?v=GiTnwkm3YlM

संकलन, चयन एवं संपादन

कार्यालय, मीडिया अधिकारी

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

Email- mediaofficer@dhsgsu.edu.in Website- www. www.dhsgsu.edu.in